कोलफील्ड मिरर

CFM NEWS 24 x 7 COALFIELD MIRROR हर पल आपके साथ

Website : coalfieldmirror.com

हर पल आपके साथ

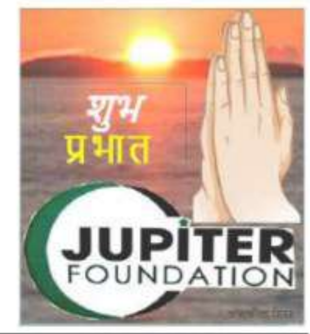

कोलकाता | रविवार 16 फ़रवरी 2025 | वर्ष– 8 | अंक– 1284 | पृष्ठ– 6 | T/WB/2025/0130/2064/1269

अभिषेक के जरिये ममता बनर्जी ने कांग्रेस को दिया सिग्नल

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (कोलकाता): महाराष्ट्र में इंडिया गठबंधन और कांग्रेस की हार ने विपक्ष की राजनीति में राहुल गांधी के लिए प्रेशर बनाया हुआ था. दिल्ली में भी कांग्रेस की हार हुई, लेकिन इस हार ने राहुल गांधी को बड़ा रिलीफ दिया. रिलीफ इसलिए कि अपना चुनाव हारकर भी कांग्रेस आप की हार में हिस्सेदार बनी. कांग्रेस को साथ लेने में केजरीवाल ने कतई इंटरेस्ट नहीं दिखाया. इंडिया अलायंस की ज्यादातर पार्टियों ने कांग्रेस के रहते आप का समर्थन किया. नतीजे आए तो साफ दिखा कि केजरीवाल ने जिस पार्टी को इग्नोर किया उसने कम से कम 13 सीटों पर बढ़िया से डैमेज कर दिया.

दिल्ली में बीजेपी की जीत, आप की हार ने विपक्ष की राजनीति के डायनामिक्स बदल दिए हैं. मैसेज ये कि कांग्रेस या राहुल गांधी को पसंद करो ना करो, इग्नोर मत करना. दिल्ली का मैसेज बंगाल तक गया है. बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं जहां कांग्रेस कोई बहुत अच्छी स्थिति में नहीं है. सीधी टक्कर तृणमूल कांग्रेस और बीजेपी में होनी हैं. फिर भी ममता बनर्जी के भतीजे

अभिषेक बनर्जी ने कुछ ऐसा बोला जो किसी सिग्नल से कम नहीं है.

अभिषेक का सिग्नल ये है कि अगर कांग्रेस चाहे तो अलायंस के लिए बात हो सकती है. लोकसभा चुनाव के पहले से ममता बनर्जी कांग्रेस या राहुल गांधी को बहुत भाव नहीं दे रही थीं. फिर भी बंगाल में बीजेपी को हराकर प्रचंड जीत हासिल की. दिल्ली के बाद उन्होंने मैसेज दोहराया कि कांग्रेस के साथ कोई अलायंस नहीं होने जा रहा है, लेकिन अब जो हुआ है वो चौंकाने वाला है.

अभिषेक बनर्जी ममता बनर्जी के भतीजे हैं. तृणमूल कांग्रेस के महासचिव हैं. पार्टी में दूसरे नंबर की पोजिशन मानी जाती है. माना जाता है कि अभिषेक वही बोलते हैं जो ममता बनर्जी की लाइन होती है. अभिषेक ने कांग्रेस पर इस बात को लेकर निशाना साधा कि पार्टी ने केजरीवाल की मदद नहीं की, लेकिन इस निशानेबाजी में भी एक कन्फेशन माना ये कि कांग्रेस इस पोजिशन में थी कि मदद करती तो केजरीवाल का बेड़ा पार लग सकता था.

बंगाल में अकेले लड़ेंगे, ममता की इस लाइन से अभिषेक बनर्जी तो नहीं भटके, लेकिन इशारों में बोल गए कि कांग्रेस के साथ बातचीत के लिए दरवाजे खुले हैं. अगर कांग्रेस बातचीत करना नहीं चाहेगी तो तृणमूल कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ेगी. हम 2014, 2016, 2019, 2024 में अकेले लड़े और जीते. आगे भी अकेले लड़ सकते हैं.

बंगाल में कांग्रेस को सत्ता में आए पचासों साल हो चुके हैं. लोकसभा चुनाव भी जीते बहुत अरसा हो गया, लेकिन बुरी हालत में भी 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को करीब 5 परसेंट वोट मिले. कांग्रेस से कहीं बेहतर लेफ्ट को कांग्रेस से बस एक परसेंट ज्यादा वोट मिले. तृणमूल को 46 और बीजेपी को 39 परसेंट मिले. हो सकता है कि ममता, अभिषेक और तृणमूल का यही डर हो कि कहीं कांग्रेस के करीब 5 परसेंट डैमेजिंग साबित न हो. लगभग इतने ही वोटों से दिल्ली में कांग्रेस ने आप का खेल खराब किया था.

राहुल गांधी की बंगाल पॉलिसी दिल्ली जैसी नहीं है. दिल्ली में आधे-अधूरे मन से राहुल गांधी लड़ने आए. बंगाल के लिए एडवांस प्लानिंग हो रही है. लोकसभा चुनाव में भारत जोड़ो यात्रा कर चुके राहुल गांधी फिर से बंगाल में पदयात्रा की तैयारी कर रहे हैं. ममता बनर्जी के खिलाफ हमेशा आग उगलने वाले अधीर रंजन चौधरी जैसे नेता चुनाव हारकर साइड हो चुके हैं. नए अध्यक्ष शुभंकर सरकार ममता के लिए कोई सॉफ्ट नहीं हैं. जब ममता नकार रही हैं तब ये सवाल पूछ रहे हैं कि अगर बंगाल में कोई वजूद नहीं तो ममता बनर्जी अपने नेताओं से कांग्रेस के बारे में चर्चा क्यों करती रहती हैं.

ममता बनर्जी कांग्रेस का नाम लेती जरूरी हैं, लेकिन नाराजगी के साथ. कोलकाता बुक फेयर में अपनी लिखी तीन किताबें खुद लॉन्च की. बांगलार निरबाचन ओ आमरा टाइटल वाली किताब में लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की हार के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया. इंडिया गठबंधन के नामकरण का क्रेडिट लेते हुए अधूरी ख्वाहिशों का भी जिक्र किया. ममता चाहती थीं इंडिया गठंबधन का कोई फेस होना चाहिए था. कॉमन मेनिफेस्टो होना चाहिए था. तीसरा ये कि कांग्रेस साइडलाइंड फील न करे इसलिए खरगे का इंडिया लीडर के नाम पर नाम लिया था. ममता की ये शिकायत बनी है कि कांग्रेस ने लेफ्ट से अलायंस करके बीजेपी के साथ तृणमूल को हराने की कोशिश की. चुनाव बाद संसद में तृणमूल सांसद अदाणी जैसे मुद्दे पर राहुल गांधी का समर्थन नहीं करते, लेकिन इंडिया गठबंधन का नाम जपना नहीं छोड़ते.

इतना सब होने के बाद भी अगर अभिषेक बनर्जी बातचीत करने का सिग्नल दे रहे हैं तो मतलब साफ है कि कांग्रेस पसंद भले न आए, लेकिन इग्नोर करना तो नहीं चाहतीं ममता बनर्जी. हो सकता है जो खुद कहने से हिचक रही हों वो उन्होंने भतीजे अभिषेक से कहलवाया हो. पता नहीं अभिषेक के सिग्नल पर कांग्रेस कैसे रेस्पॉन्ड करेगी. राहुल अब बहुत अलायंस के चक्कर में पड़ता नहीं चाहते. कांग्रेस को खड़ा करने के लिए केस टू केस के हिसाब से अकेले लड़ने में इंटरेस्टेड हैं.

मटियाब्रूज से हो रही एबीटी को फंडिंग- एसटीएफ

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (कोलकाता): मेटियाब्रुज इलाके से बांग्लादेशी आतंकी संगठन अंसारुल्लाह बांग्ला टीम (एबीटी) को धन मुहैया कराया जा रहा है. हाल में मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा से एबीटी सदस्य मिनारुल शेख और मोहम्मद अब्बास अली को एसटीएफ ने गिरफ्तार किया है. उनसे पूछताछ में खुलासा हुआ है कि मटियाब्रुज इलाके से फंडिंग की जा रही है. मिनारुल शेख और अब्बास अली को असम एसटीएफ ने दो महीने पहले मुर्शिदाबाद के हरिहरपाड़ा से पकड़ा था. बाद में संगठन के विस्फोटक विशेषज्ञ नूर इस्लाम, बांग्लादेशी नागरिक शाद रवि और अन्य को गिरफ्तार किया गया था. उसके बाद एसटीएफ ने इनसे गहन पूछताछ की.

एसटीएफ अधिकारी यह पता लगाने की कोशिश कर रहे थे कि लड़खड़ाते संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए धन कहां से आ रहा था? आरोपियों के मोबाइल फोन से कई ई-वॉलेट मिले हैं. ई-वॉलेट सूत्रों के अनुसार, ये खाते केरल के अलग-अलग पतों पर खोले गए हैं. इसमें मुर्शिदाबाद का पता भी है.

जांच के दौरान जानकारी मिली है कि केरल में काम करने जाने वाले लोग मिनारुल के खाते में पैसे का एक हिस्सा भेज रहे हैं. एक व्यक्ति डेढ़ से दो हजार रुपये भेज रहा था, लेकिन जिस तरह से संगठन फैला है और जिस तरह से नूर और शाद रवि विस्फोटक बनाने के लिए विभिन्न कच्चे माल खरीद रहे थे.

एसटीएफ अधिकारियों को आशंका है कि अकेले केवल केरल से पैसे नहीं आ रहा था. एसटीएफ की

पूछताछ में आईईडी विशेषज्ञ नूर ने बताया कि मटियाब्रुज इलाके से उनके पास पैसे आ रहे हैं. वहां एबीटी से सहानुभूति रखने वाले लोग पैसे मुहैया करा रहे हैं. नूर ने जांचकर्ताओं को बताया कि मिनारुल और अब्बास उसके निर्देश पर 2024 में मेटियाब्रुज इलाके में गए थे. इस इलाके में इन दोनों आतंकियों का पहले से परिचित एक व्यक्ति है. उससे संपर्क कर इन दोनों ने बताया कि उन्होंने मुर्शिदाबाद में एबीटी को फिर से खड़ा करने का काम शुरू कर दिया है.

संगठन के सदस्यों के घर में या किसी के घर को किराए पर लेकर मदरसे बनाए जा रहे हैं और वहां ट्रेनिंग चल रही है, लेकिन वे जमीन खरीदकर खारिजी मदरसा बनाना चाहते हैं. इसके लिए उनके पास पैसे नहीं हैं.

दूसरी ओर भारत-बांग्लादेश की सीमा पर सख्त चौकसी है. इस कारण बांग्लादेश से पैसे नहीं आ रहे हैं. नूर के सुझाव पर मिनरुल ने एक पैड छापा. इसमें लिखा है कि खारिजी मदरसा के निर्माण में मदद करें. मिनरुल के जानकार और उसके करीबी कई व्यापारियों ने पैसे के बारे में बातचीत की, जब वे सहमत हो गए तो मिनारुल और सब्बीर को मेटियाब्रुज के निवासी अपने साथ ले गए. सूत्रों के मुताबिक, वहां से वे पांच लाख रुपये लेकर मुर्शिदाबाद लौट आए. बाद में कई बार और आए और पैसे ले गए.

जांच में पता चला है कि खगरागढ़ विस्फोटों के दौरान मेटियाब्रुज के कई व्यापारियों ने जेएमबी को पैसे से मदद की थी. जासूसों को संदेह है कि यह इलाका एबीटी को बढ़ावा देने के लिए धन मुहैया करा रहा है. भाजपा नेता राहुल सिन्हा ने कहा कि पश्चिम बंगाल आतंकवादियों का गढ़ नहीं, बल्कि मुख्य आधार है. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी की तुष्टिकरण की राजनीति ने एक खास समुदाय को पश्चिम बंगाल में स्वर्ग जैसा अहसास कराया है, इसलिए यह आश्चर्य की बात नहीं है कि एसटीएफ को यहां क्या पता चला है. उनकी जड़ें बहुत गहरी हैं और उसे उखाड़ा नहीं जा सकता.

वहीं, तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने कहा कि वह इस मामले में कोई टिप्पणी नहीं करेंगे, क्योंकि यह उनके अधिकार क्षेत्र में नहीं आता है.

अविस्मरणीय रहा मेदिनीपुर कॉलेज के पूर्व छात्रों का 38वां पुनर्मिलन महोत्सव

तारकेश कुमार ओझा

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (खड़गपुर): पश्चिम मेदिनीपुर जिला अंतर्गत मेदिनीपुर कॉलेज के पूर्व छात्रों का 38वां पुनर्मिलन महोत्सव संयुक्त रूप से कॉलेज के विवेकानंद में आयोजित किया। विद्यासागर विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रोफेसर सुशांत कुमार चक्रवर्ती ने सुबह समारोह का विधिवत उद्घाटन किया। पिछले वर्ष की तरह, पूर्व छात्रों के एक समूह को पूर्व छात्रों द्वारा सम्मानित किया गया। पूर्व न्यायमूर्ति रणजीत कुमार बाग, पश्चिम बंगाल सरकार के विशेष सचिव अशोक कुमार दास, कलकत्ता विश्वविद्यालय के पूर्व डीन प्रोफेसर विप्लव चक्रवर्ती, वर्जीनिया कॉमनवेल्थ विश्वविद्यालय की प्रोफेसर छंदा सामंत, आईआईटी खड़गपुर के प्रोफेसर सुधान्शु शेखर मंडल, उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अभय प्रसाद दास आदि समझ में विशिष्ट हस्ती के रूप में आमंत्रित थे।

इस कार्यक्रम के पूर्व छात्रों को आमंत्रित पूर्व प्रोफेसर का जुनून मिला। पूर्व महासचिव कुणाल बनर्जी ने वार्षिक रिपोर्ट में गतिविधियों पर प्रकाश डाला। पूर्व कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ। हरिप्रसाद सरकार ने वार्षिक बैठक के अंत में सभी को धन्यवाद दिया।

पुरस्कार वितरण समारोह के बीच कई रंगारंग व सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच कई नाटक भी मंचस्थ किए गए किए गए।

रियलिटी शो में चांस देने के नाम पर ठगी, आरोपी गिरफ्तार

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (कोलकाता): रियलिटी शो में चांस देने के नाम पर ठगी करने के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है. आरोपी का नाम अरिजीत दत्त बताया गया है. जानकारी के मुताबिक आरोपी ने उत्तर 24 परगना के मध्यमग्राम के एक व्यक्ति से तीन लाख 87 हजार रुपये लिये थे. आरोपी ने उसे रियलिटी शो में चांस दिलाने का वादा किया था. लेकिन काफी दिन बीत जाने के बाद भी जब शो में चांस नहीं मिला तो पीड़ित ने अपने रुपये वापस करने की मांग की. कुछ दिन पहले अरिजीत ने एक चेक उक्त व्यक्ति को दिया था. बैंक में जमा करने पर चेक बाउंस हो गया. इसके बाद ही पीड़ित ने मध्यमग्राम थाने में इसकी शिकायत दर्ज करायी. शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की जांच शुरू की. पूछताछ करने के बाद पुलिस ने अरिजीत दत्त को गिरफ्तार कर लिया. अरिजीत के अलावा और कोई इससे जुड़ा है या नहीं, किसी और से भी आरोपी ने पैसे लिये हैं या नहीं, पुलिस इसका पता लगा रही है.

अमरकानन में एक और दुस्साहसिक चोरी से सनसनी, सुरक्षा पर उठे सवाल

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (बाँकुड़ा): महज कुछ दिनों के अंदर एक और चोरी की घटना से बांकुड़ा के गंगाजलघाटी थाना के अमरकानन इलाके में हड़कंप मच गया है। सूत्रों से पता चला है कि अमरकरण के रवींद्रपल्ली में भारतीय सेना डिवीजन में कार्यरत विष्णुदत्त सिंह के घर के दरवाजे का ताला तोड़कर किसी ने उस समय घर में प्रवेश किया, जब घर पर कोई नहीं था और सोने-चांदी के जेवरात तथा कुछ नकदी चुरा ली। आज सुबह पड़ोसियों ने दरवाजा खुला पाया और गृहस्वामी को फोन किया। बाद में पता चला कि घर के कमरे के दरवाजे और अलमारियाँ खुली हुई थीं और अस्त-व्यस्त अवस्था में थीं। गंगाजलघाटी पुलिस थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। गंगाजलघाटी थाना पुलिस ने पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। इस क्षेत्र में ऐसी चोरियां अक्सर होती रहती हैं। स्वाभाविक रूप से, सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

स्कूल के विकास के लिए डेवलपमेंट फीस नहीं लेने का निर्देश

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (कोलकाता): जिला शिक्षा विभाग ने जिले के सभी सरकारी मान्यता प्राप्त स्कूलों को स्कूल के विकास के लिए अतिरिक्त रकम नहीं लेने का निर्देश दिया है.

विभाग ने नोटिस जारी करते हुए कहा कि स्कूल अपने विद्यार्थियों से सरकार द्वारा तय राशि 240 रुपये ही ले. अगर अतिरिक्त रकम ले ली गयी है,

तो उसे तुरंत वापस कर दिया जाये. ऐसा नहीं करने पर प्रधानाध्यापक के खिलाफ कार्रवाई होगी. गौरतलब है कि इस मुद्दे को लेकर पिछले कुछ वर्षों से विपक्षी दलों का प्रदर्शन हो रहा है.

जानकारी के अनुसार, जिले के सभी स्कूल डेवलपमेंट फीस के नाम पर विद्यार्थियों से तय राशि से अधिक रुपये ले

रहे थे. शिक्षा विभाग ने मौखिक रूप से स्कूलों को अतिरिक्त रकम नहीं लेने के लिए कहा था,

लेकिन विद्यार्थियों से अधिक रुपये लेने का सिलसिला नहीं रुक रहा था. विपक्षी दलों के लगातार प्रदर्शन के कारण जिला शिक्षा विभाग ने पिछले दिनों ही इस संबंध में अधिसूचना जारी कर दी. अधिसूचना के अनुसार, अब कोई भी स्कूल विद्यार्थियों से 240 रुपये से अधिक की डेवलपमेंट फीस नहीं ले सकेगा.

शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले में भाई का नाम आने पर भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने दी सफाई

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (कोलकाता): प्राथमिक शिक्षक भर्ती में नौकरी चाहने वालों के नाम की सिफारिश राज्य के विपक्षी नेता शुभेंदु अधिकारी के भाई और पूर्व सांसद दिव्येंदु अधिकारी, भाजपा नेता और पूर्व पुलिस अधिकारी भारती घोष ने पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को की थी। सूत्रों के मुताबिक, शिक्षक भर्ती भ्रष्टाचार मामले की जांच में सीबीआई को नामों की ऐसी लिस्ट मिली है। लिस्ट में तृणमूल विधायक शौकत मोल्ला और पूर्व तृणमूल सांसद ममताबाला ठाकुर का नाम भी शामिल हैं। सीबीआई का मानना है कि उनमें से प्रत्येक ने नौकरी चाहने वालों के नामों की सिफारिश की। हालांकि, उनमें से किसी को भी सीबीआई ने पूछताछ नहीं किया है।

संयोग से, केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई 2014 की प्राथमिक परीक्षा में भ्रष्टाचार के आरोपों के आधार पर 2022 से जांच कर रही है। जिस वर्ष परीक्षाएं इतनी

विवादास्पद थीं, उस दौरान न तो दिब्येंदु और न ही भारती भाजपा में थे। बाद में वे बीजेपी में शामिल हो गये। भारती घोष ने बीजेपी के टिकट पर लोकसभा और विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार बने थे।

पिछले साल जून में सीबीआई ने विकास भवन (स्कूल शिक्षा दफ्तर में से एक दफ्तर) के गोदाम पर छापा मारा था। वहां तलाशी लेने पर दस्तावेज बरामद हुआ। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, शुभेंदु अधिकारी का भाई दिव्येंदु अधिकारी और भारती घोष जिन कैंडिडेट का नामों की सिफारिश ने की थी, दस्तावेज़ में सूचीबद्ध हैं। यह सूची राज्य के पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी को भेजी गयी थी. पार्थ चटर्जी फिलहाल इसी शिक्षक घोटाले में जेल में है।

जानकारी के अनुसर, टोटल 324 कैंडिडेट के नाम की सिफारिश की गई थी। इनमें से 134 कैंडिडेट को नौकरी भी मिली। ये सभी प्राथमिक शिक्षक पद पर तैनात हैं। इसका खुलासा होने के बाद से राज्य की राजनीति गरमानी तय मानी जा रही है।

शुभेंदु अधिकारी ने भाई का नाम सामने आने पर सफाई दी है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों की सिफारिश पर अवैध नियुक्तियां की गईं उनमें भारतीय जनता पार्टी का कोई भी व्यक्ति शामिल नहीं था। आप जिनका नाम बता रहे हैं, वे उस समय राज्य के सत्ताधारी दल के सांसद या विधायक हो सकते हैं। उस संदर्भ में उन्होंने लिखा कि वे उस समय भाजपा पार्टी से जुड़े नहीं थे। अगर कोई अवैध नियुक्ति हुई थी तो उनसे पूछताछ होनी चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

दो साल पहले लोअर कोर्ट में भी ये दिया गया था। पार्थ चटर्जी (पूर्व शिक्षा मंत्री) से माणिक भट्टाचार्य (प्राथमिक शिक्षा बोर्ड के तत्कालीन अध्यक्ष) को लिखे गए रेकमेंडेशन लेटर की सिर्फ एक कॉपी हैं। अब बीजेपी के जिन दो-चार लोगों के नाम सामने आए हैं उनमें यहां के पूर्व सांसद (शुभेंदु अधिकारी के भाई दिब्येंदु अधिकारी) भी शामिल हैं और उनकी सिफारिश पर एक को भी नौकरी नहीं मिली और न ही सीबीआई ने उन्हें पूछताछ के लिए बुलाने की जरूरत महसूस की।

ईसीएल ने 53 अनुकंपा रोजगार और 2 रोजगार के बदले मासिक मौद्रिक नकद मुआवजे का प्रावधान किया

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (नियामतपुर): ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) मुख्यालय में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम हुआ, जब अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सतीश झा ने एक समारोह की अध्यक्षता की, जिसमे एनसीडब्ल्यूए के तहत 53 अनुकंपा रोजगार और 2 रोजगार के बदले मासिक मौद्रिक नकद मुआवजे के प्रावधान प्रदान किए गए। अपने संबोधन में, श्री झा ने ईसीएल परिवार में नवनियुक्त व्यक्तियों का गर्मजोशी से स्वागत किया, मृतक कर्मचारियों के परिवार के सदस्यों की देखभाल के महत्व पर जोर दिया और उन्हें संगठन में सार्थक योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कंपनी के भीतर उनके भविष्य के कार्यभार के लिए अपनी हार्दिक

शुभकामनाएं व्यक्त कीं। निदेशक (वित्त) मोहम्मद अंजार आलम, निदेशक (तकनीकी) नीलाद्रि रॉय और निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और नवनियुक्त व्यक्तियों को कंपनी में भविष्य के कार्यों को उत्साह और ईमानदारी के साथ करने के लिए प्रोत्साहित किया।

निदेशक (कार्मिक) गुंजन कुमार सिन्हा ने नवनियुक्त व्यक्तियों को उनके पेशेवर जीवन को समृद्ध करने के लिए उपलब्ध विभिन्न अवसरों और इस प्रतिष्ठित कंपनी में रोजगार के साथ आने वाले कई लाभों के बारे में बताया।

सीएमडी, ईसीएल ने दिव्यज्योति घोष, विभागाध्यक्ष (रोजगार और भर्ती विभाग) और उनकी टीम को ऐसे सराहनीय कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाई दी, जो संगठन की अपने कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

शोक की स्थिति में एनसीडब्ल्यूए के तहत अनुकंपा रोजगार प्रदान करने की प्रथा कोल इंडिया लिमिटेड और ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड में एक लंबे समय से चली आ रही और सराहनीय परंपरा रही है, जिसका उद्देश्य मृतक कर्मचारियों के शोक संतप्त परिवारों द्वारा सामना की जाने वाली कठिनाइयों को कम करना और भारी नुकसान के समय में अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के प्रति कंपनी की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करना है।

इस कार्यक्रम के दौरान ईसीएल के सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधकों के साथ-साथ क्षेत्रों और मुख्यालय के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित थे।

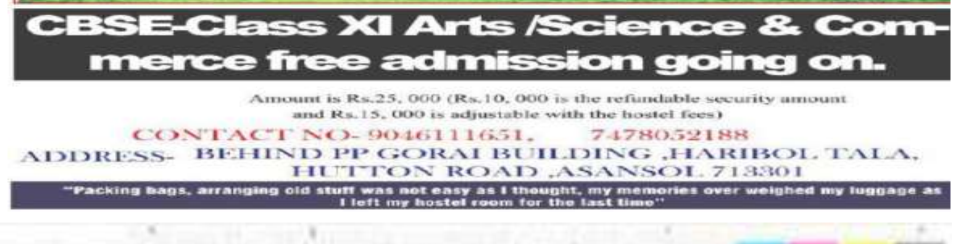

विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती की पहल पर पांडवेश्वर में "किसान क्लब" खोला गया

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (पांडेश्वर): विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती की पहल पर पांडवेश्वर में किसानों के लाभ के लिए "किसान क्लब" खोला गया है।

किसान सहकारी समिति की एक वर्ष की वर्षगांठ के अवसर पर एक "कृषि सम्मेलन" आयोजित किया गया। किसानों की सिंचाई प्रणाली को सुविधाजनक बनाने के लिए तीन सौर ऊर्जा चालित सबमर्सिबल पंपों का उद्‌घाटन किया गया। यह क्लब मूलतः कोयला खनन क्षेत्र के शुष्क क्षेत्रों में आम किसानों की मदद करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए खोला गया। सहकारी क्लब का नाम पांडवेश्वर कृषि क्रांति एफपीओ बहुउद्देशीय सहकारी समिति लिमिटेड रखा गया है। यह आयोजन पांडवेश्वर विधानसभा के महाल क्षेत्र की कृषि भूमि में आयोजित किया गया। मूल रूप से इस कृषि सम्मेलन में विभिन्न किसानों द्वारा उत्पादित कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई तथा विधायक नरेंद्रनाथ चक्रवर्ती ने पांडवेश्वर प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों से आए किसानों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया।

इस संदर्भ में विधायक ने कहा कि पांडवेश्वर विधानसभा के लिए मेरे कुछ सपनों में से एक सपना इस क्षेत्र के किसानों के लिए किसान क्लब खोलना भी था। मैं यह साबित करना चाहता था कि इस कोयला क्षेत्र में कृषि भूमि मुख्यतः उत्पादक है। पांडवेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों के किसान इस सहकारी समिति से लाभान्वित हुए हैं और आगे भी लाभान्वित होते रहेंगे।

किसानों की ओर से शेख बापी नामक किसान ने कहा, "विधायक ने हमारा सपना पूरा कर दिया है।" इस सहकारी समिति के गठन से पांडवेश्वर विधानसभा के समस्त कृषक समुदाय को लाभ मिला है। इससे करीब 600 बीघा जमीन के किसान एक साथ लाभान्वित हो रहे हैं। हम चाहते हैं कि यह सहकारिता भविष्य में और भी ऊंचे स्तर पर पहुंचे।

छाई लदी वाहनों का आवागमन नहीं रुका तो होगा वृहद् आन्दोलन

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (नियामतपुर): शनिवार को डिसरगढ़ स्थित कांग्रेस कार्यालय में एक प्रेसवार्ता आयोजित कर बढ़ते प्रदुषण पर अंकुश लगाने की मांग की गई.

उल्लेखनीय है कि विगत कुछ महीनो से पॉवर प्लांटो निकलने वाली राख को खुली वाहनों में ले जाने से डिसरगढ़ से नियामतपुर तक सड़क पर यातायात से छाई लदी वाहनों के आवागमन के कारण हो रहे प्रदूषण को लेकर कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष मनीष बर्णवाल के नेतृत्व में विशेष प्रेसवार्ता का आयोजन कर इसका तीव्र विरोध किया गया

एवं आगे वृहद कदम उठाए जाने की बात कही। मौके पर कुल्टी ब्लॉक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता काजल दत्ता उपस्थित थे।

काजल दत्ता ने कहा कि बढ़ते पॉल्यूशन की रोकथाम और आम जनता की बातों को सरकार तक पहुंचाना है। कहा कि इससे पहले दो बार प्रेस कॉन्फ्रेंस किया जा चुका है, साथ ही राहगीरों को इस प्रदूषण से बचाव के लिए 2000 से अधिक मास्क वितरण किया जा चुका है। आज विशेष प्रेस वार्ता में प्रशासन को खरी खोटी सुनाई गई। आरोप लगाया गया कि पुलिस के नाक के नीचे से यह सादा रंग की छाई को डंपर के माध्यम से चोरी चुपके रात को ले जाया जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि पहले भी प्रेस कांफ्रेंस के माध्यम से बताया जा चुका है कि पुरुलिया जिले के कारखानों से छाई डंपर के माध्यम से नियामतपुर होते हुए बाईपास ले जाया जा रहा है। आगे कुल्टी ब्लॉक सेवादल के अध्यक्ष मनीष का कहना है कि कुल्टी के साधारण लोगों की चर्चा में शुमार है कि पुलिस की मिली भगत से यह सब हो रहा है। उन्होंने इसे लेकर जल्द ही वृहद आंदोलन की चेतावनी भी दी।

350 छात्रों को परीक्षा सामग्री वितरित, तृणमूल कांग्रेस के युवा नेता सुब्रतों दास के नेतृत्व में

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (रानीगंज): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की प्रेरणा से शनिवार को रानीगंज तृणमूल छात्र परिषद एवं तृणमूल युवा कांग्रेस के छात्र नेता सुब्रतों दास के नेतृत्व में मारवाड़ी सनातन विद्यालय में 350 छात्रों को परीक्षा सामग्री वितरित की गई। इस दौरान परीक्षार्थियों को पेन, स्केल और पानी की बोतल देकर उनका उत्साहवर्धन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य परीक्षा के दौरान विद्यार्थियों को आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराना और मानसिक रूप से सशक्त बनाना था, ताकि वे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

इस मौके पर रानीगंज बोरो चेयरमैन मुजम्मिल शहजादा, तृणमूल शहर अध्यक्ष रूपेश यादव, पार्षद रंजीत सिंह, सदन कुमार सिंह, डॉ. एस. माजी, बसुदेव मंडल, संदीप भालोटिया, अर्णव चटर्जी, आसिफ खान, शुभजीत मजूमदार, संदेश साव, बादशाह दास और मोनू दे समेत तृणमूल कांग्रेस के कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

इस मौके पर रानीगंज बोरो चेयरमैन मुजम्मिल शहजादा ने सुब्रतों दास और उनकी टीम के इस प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों के साथ खड़ा रहना और उनकी मदद करना उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में सहायक होगा। उन्होंने सुब्रतों दास और उनकी पूरी टीम को इस आयोजन के लिए धन्यवाद दिया।

तृणमूल शहर अध्यक्ष रूपेश यादव ने भी कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि माध्यमिक परीक्षा किसी भी विद्यार्थी के जीवन की पहली बड़ी परीक्षा होती है, जिससे पहले तनाव रहना स्वाभाविक है, लेकिन सुब्रतों दास और उनकी टीम का यह प्रयास परीक्षार्थियों के आत्मबल को मजबूत करेगा। सदन कुमार सिंह ने भी इस पहल की प्रशंसा करते हुए कहा कि हर साल सुब्रतों दास और उनकी टीम इस तरह से परीक्षार्थियों की हौसला अफजाई करती है, जिससे छात्रों को बेहतर प्रदर्शन करने में मदद मिलती है।

कार्यक्रम के आयोजक सुब्रतों दास ने बताया कि हर साल उनके संगठन द्वारा इस तरह का कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, ताकि माध्यमिक और उच्च माध्यमिक परीक्षार्थियों को प्रोत्साहित किया जा सके। उन्होंने कहा कि आज विद्यार्थियों को स्केल, पानी की बोतल और पेन प्रदान किए गए, जिससे वे परीक्षा के दौरान किसी भी असुविधा से बच सकें।

वही इस पहल से विद्यार्थियों में काफी उत्साह देखने को मिला और उन्होंने आयोजकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों और अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजनों से परीक्षा को लेकर छात्रों का तनाव कम होता है और वे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित होते हैं।

ईसीएल के सीएमडी राज्य सरकार के वन विभाग के अपर सचिव के साथ की बैठक

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (पांडवेश्वर): ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री सतीश झा ने कोलकाता के अरण्य भवन में पश्चिम बंगाल सरकार के अपर मुख्य सचिव (वन) के साथ बैठक किया, सीएमडी ने अपर सचिव को फुल का गुलदस्ता देकर स्वागत करने के बाद, बैठक में सीएमडी ने पश्चिम बंगाल राज्य में खनन से वंचित क्षेत्रों में पुनर्ग्रहण और वनीकरण, ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) आदि से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा किया, ईसीएल ने ईसीएल को ग्रीन बनाने के लिए पश्चिम बंगाल राज्य वन विभाग के प्रयासों से अवगत कराया, पश्चिम बंगाल सरकार के अपर मुख्य सचिव (वन) ने ईसीएल को ग्रीन बनाने के लिए अपना निरंतर समर्थन जारी रखने का आश्वासन दिया, बैठक में वन विभाग के अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे.

दोमहानी मूलडांगा आदिवासी पाड़ा में ढलाई रास्ते का उद्‌घाटन

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (बाराबनी): बाराबनी विधानसभा क्षेत्र के दोमहानी ग्राम पंचायत अंतर्गत मूलडांगा आदिवासी पाड़ा में पश्चिम बंगाल सरकार शेड्यूल कास्ट शेड्यूल ट्राइब संस्था की तरफ से 240 मी. ढलाई रास्ते का उद्‌घाटन किया गया. इस रास्ते के निर्माण में 10 लाख रुपए का खर्च आया है.

बाराबनी पंचायत समिति के अध्यक्ष असित सिंह द्वारा नारियल फोड़ कर रास्ते का उद्‌घाटन किया गया.

इस मौके पर उनके अलावा बाराबनी थाना प्रभारी दिव्येंदु मुखर्जी, दोमहानी ग्राम पंचायत प्रधान प्रतिनिधि मलय मंडल, पंचायत सदस्य शक्ति दास, गुलाम मुर्तजा, बाराबनी पंचायत समिति शिक्षा कर्माध्यक्ष तापस घोष आदि उपस्थित थे.

इस मौके पर असित सिंह ने कहा 10 लाख रुपए की लागत से रास्ते की ढलाई की गई, जिससे यहां के लोगों को सुविधा होगी, इस गांव में और भी कुछ छोटी-मोटी समस्याएं हैं, जिनका समाधान करने के लिए प्रयास किया जाएगा और बहुत जल्द उनका समाधान हो जाएगा.

कुंभ यात्रा के दौरान सड़क दुर्घटना में मारे गए श्राधालू के परिजनों से मिले सांसद

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (पुरुलिया): जिले के बलरामपुर विधानसभा क्षेत्र के चाकलतोड़ इलाके के गोपालाडी गांव की तीन महिलाओं की कुछ दिन पहले कुंभ जाते समय एक दुखद सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी।

शनिवार को पुरुलिया के सांसद ज्योतिर्मय सिंह महतो ने उनके परिवार से मुलाकात की तथा कहा कि मैं ईश्वर से उनकी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। साथ ही उन्हें अपनी सहायता का आश्वासन दिया। इसके अलावा उन्होंने परिवार को सहयोग का भी वायदा किया। उन्होंने कहा कि वह केन्द्र सरकार से यथासंभव मुआवजा प्राप्त करने का प्रयास करेंगे। मृतकों के परिजनों से मिलने के लिए जिला अध्यक्ष विवेक रंगा, जिला युवा महासचिव जलधर महतो, मंडल अध्यक्ष विकास रेवानी समेत अन्य नेता व कार्यकर्ता मौजूद थे।

युवती से सामूहिक दुष्कर्म, भाजपा ने किया अस्पताल मे विरोध प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (दुर्गापुर): एक युवती से सामूहिक दुष्कर्म के मामले को लेकर दुर्गापुर के ईएसआई अस्पताल में हुआ. हंगामा बीजेपी के विधायक लखन गोरोई को पीड़ित से मिलने से रोका गया। बताया जा रहा है कि दुर्गापुर की एक युवती अपने प्रेमी के साथ बांकुड़ा जिले के बिहारी नाथ गई हुई थी. जहां पर युवती के प्रेमी ने अपने अन्य दोस्तों के साथ मिलकर रेप की घटना को अंजाम दिया. इसके बाद युवती की स्थिति काफी खराब हो गई. इसके बाद उसे इलाज के लिए दुर्गापुर के ईएसआई हॉस्पिटल भर्ती कराया गया।

शनिवार को भाजपा विधायक लखन गोरोईं पीड़ित युवती से मिलने अस्पताल पहुंचे. लेकिन उन्हें मिलने नहीं दिया गया. जिसके कारण भाजपा की ओर से अस्पताल में हंगामा किया गया।

इस विषय में लखन गोरोईं ने बताया कि दुर्गापुर की एक युवती के साथ दुष्कर्म किया गया है उसकी हालत गंभीर है और मैं उनसे मिलने आया था लेकिन मुझे मिलने नहीं दिया जा रहा है, लखन ने कहा कि जिस तरह की घटना आरजी कर अस्पताल में हुई थी वैसे ही घटना अब यहां भी हो रही है उन्होंने इस मामले में आरोपियों के लिए फांसी की मांग की.

युवती के साथ सामूहिक बलात्कार, अग्निमित्रा पाल के नेतृत्व मे सड़क अवरोध कर प्रदर्शन

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (आसनसोल): आसनसोल के इस्माइल इलाके के चार युवकों पर आरोप है कि वेलेंटाइंस डे पर वह अपने महिला मित्रों को लेकर बांकुड़ा के बिहारीनाथ घूमने गए थे। आरोप है कि वहां उन्होंने अपनी एक महिला मित्र के साथ सामूहिक बलात्कार किया। फिलहाल वह युवती दुर्गापुर के अस्पताल में इलाजरत है। इस घटना को लेकर पूरे शिल्पांचल में काफी हलचल मच गई है।

इस घटना को लेकर शनिवार को आसनसोल दक्षिण की विधायक अग्निमित्रा पाल के नेतृत्व में आसनसोल दुर्गापुर पुलिस कमिश्नरेट के सेंट्रल जोन 1 कार्यालय के सामने भाजपा कार्यकर्ताओं ने रोड जामकर इसका विरोध किया। विधायक ने आरोप लगाया कि पुलिस प्रशासन द्वारा बलात्कार की घटना को छुपाने की कोशिश की जा रही है।

अग्निमित्रा पाल ने कहा कि पहले प्रशासन की तरफ से उन्हें कहा गया कि बलात्कार की कोई घटना नहीं घटी थी, जबकि महिला थाने में स्वतः संज्ञान लेते हुए बलात्कार की शिकायत दर्ज कराई गई है। भाजपा विधायक ने हुंकार भरते हुए कहा कि भाजपा इस तरह से महिलाओं पर हो रहे अत्याचार को बर्दाश्त नहीं करेगी। विधायक ने कहा कि पुलिस प्रशासन द्वारा जिस तरह से मामले को दबाने की कोशिश की जा रही है, वह बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

वहीं टीएमसी द्वारा यह कहा जा रहा है कि जिन चार युवकों पर बलात्कार के आरोप हैं उनमें से एक आरोपी को बचाने के लिए भाजपा मंडल सचिव नीरज बर्नवाल द्वारा पीड़िता के परिवार से संपर्क किया जा रहा है। इसपर उन्होंने कहा कि पार्टी के तौर पर भाजपा का इससे कोई सरोकार नहीं है कि कौन किस पार्टी से जुड़ा है। बीजेपी की मांग है कि बलात्कार जैसे मामले में जो भी दोषी हैं उनको कड़ी कड़ी सजा दी जाए।

दुर्गापुर शास्त्रीय संगीत महोत्सव का उद्‌घाटन

अमन राय

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (दुर्गापुर): माननीय मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पहल के तहत पश्चिम बंगाल सरकार के सूचना एवं संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित दुर्गापुर शास्त्रीय संगीत समारोह का विधिवत उद्‌घाटन दुर्गापुर के सिटी सेंटर सेंटर स्थित सृजनी हाल में हुआ| इस उद्‌घाटन के मौके पर जिला शासक एस पन्नाबलम आईएएस, महकमा शासक डॉ सौरभ चटर्जी डब्लूबीसीएस, डीएमसी की चेयरपर्सन आनंदित मुखर्जी के अलावा अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे| उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की| इसके उपरांत एक-एक कर उपस्थित अतिथियों को उत्तरी एवं मैडल से सम्मानित किया गया| इसके बाद कार्यक्रम की शुरुआत हुई| आज पंडित कुमार बोस (तबला), हिरण्मय मित्रा (हारमोनियम) अभिषेक लाहिड़ी (सरोद), उज्जवल भारती (तबला) के कार्यक्रम हुये| आगामी कल पंडित रोनू मजूमदार (बांसुरी), पंडित अभिजीत बनर्जी (तबला) इंद्राणी मुखर्जी (गायन), अपूर्व मुखर्जी (तबला), गौरव चटर्जी (हारमोनियम) के कार्यक्रम होंगे| इस दो दिवसीय संगीत कार्यक्रम में पहले दिन ही शहर के अच्छे खासी श्रोताओं की उपस्थिति रही. संगीत प्रेमियों ने उपस्थित होकर एक खूबसूरत संगीत संध्या कार्यक्रम का आनंद लिया|

ईसीएल के सालानपुर एरिया और गौरांडी कोलियरी के सहयोग से निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (सालानपुर): ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड(ईसीएल)के सालानपुर एरिया और गौरांडी कोलियरी के सहयोग से जमग्राम पल्ली उन्नयन समिति की सभा कक्ष मे आज निशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। एजेंट स्वरूप कुमार दत्त ने फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन किया। इस मौके पर यहां बीएम मान्ना, अमिताभ चक्रवर्ती, आशुतोष परवन आदि उपस्थित थे यह कार्यक्रम इस बार छठे वर्ष में प्रवेश कर गया। इस शिविर मे 100 लोगों की आंखों की जांच की गई। कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए शिविर के आयोजको ने बताया कि हर साल यह कार्यक्रम किया जाता है इस साल यह छठा वर्ष है और अब तक 70 लोगों के नाम का पंजीकरण किया जा चुका है और जिनको ऑपरेशन की आवश्यकता होती है उनका ऑपरेशन भी करवाया जाता है.

परीक्षार्थियों के लिए अस्पताल में माध्यमिक परीक्षा की व्यवस्था की गयी

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (पुरुलिया): बीमार पड़ने के बाद दो परीक्षार्थियों के लिए अस्पताल में माध्यमिक परीक्षा की व्यवस्था की गयी। शनिवार को माध्यमिक विद्यालय की गणित की परीक्षा देते समय एक अभ्यर्थी सड़क दुर्घटना में घायल हो गया। परीक्षार्थी इंद्रजीत सिंह अपने चाचा के साथ मोटरसाइकिल पर परीक्षा देने जा रहे थे, तभी पुरुलिया शहर के विक्टोरिया स्कूल चौराहे पर एक बोलेरो कार से आमने-सामने की टक्कर हो गई। उनका परीक्षा केंद्र पुरुलिया नेताजी हाई स्कूल है। उन्हें घायल अवस्था में पुरुलिया सरकारी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उन्होंने परीक्षा देने की इच्छा व्यक्त की और उपचार के दौरान ही उनके लिए माध्यमिक विद्यालय की परीक्षा देने की व्यवस्था की गई।

दूसरी ओर पुरुलिया जिला स्कूल में परीक्षा के दौरान एक अभ्यर्थी बीमार पड़ गया। परीक्षार्थी का नाम अंकित महतो है, जो पुरुलिया के चित्तरंजन हाई स्कूल में पढ़ता है। उन्हें तुरंत पुरुलिया सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां उनकी परीक्षा देने की व्यवस्था की गई। दुर्घटना की खबर मिलने के बाद पुरुलिया जिला परिषद अध्यक्ष निवेदिता महतो अस्पताल पहुंचीं। प्रशासन हर संभव सहायता प्रदान कर रहा है ताकि वे निष्पक्ष तरीके से परीक्षा ले सकें।

आज का राशिफल

16 फ़रवरी 2025
रविवार

कोलफिल्ड मिरर

मेष
दिन मिलाजुला रहेगा. वित्तीय मामले में रचनात्मक निर्णय लेंगे. घरेलू मुद्दे से तत्काल निपटना जरुरी है. समय पर कदम उठाने से सफल होंगे. यात्रा पर उचित योजना बनाकर ही निकलें. व्यापार बहुत अधिक उन्नति करेगा.

वृषभ
दिन बढ़िया रहेगा. स्वास्थ्य का ध्यान रखें. आमदनी के नए सोर्स मिलने के संकेत हैं. विरोधियों के साथ मतभेद खत्म कर आगे बढ़ें. वैवाहिक संबंध में मधुरता बढ़ने वाली है. आपको किसी पुराने पैतृक धन की प्राप्ति हो सकती है.

मिथुन
दिन अच्छा रहेगा. जिस किसी काम को करेंगे, सफलता तय है. पॉजिटिव लोग दूसरों को भी प्रभावित करेंगे. परिवार के साथ घुमने जा सकते हैं. धार्मिक आयोजन में रुचि ले सकते हैं. व्यापार में कोई नया कार्य शुरू नहीं करें.

कर्क
दिन मिलाजुला रहेगा. बहुत अधिक धन खर्च हो सकता है. आपकी प्रतिष्ठा में इजाफा होगा. कार्यक्षेत्र में सहयोगियों से चल रही अनबन दूर हो सकती है. जीवन साथी का भरपूर साथ मिलेगा. व्यापार में उन्नति मिल सकती है.

सिंह
दिन सामान्य रहेगा. अपनी सजगता से सेहत में सुधार लाएंगे. वैवाहिक जीवन में प्रेम और रोमांच बढ़ाएं. वित्तीय मामले में धैर्य रखना होगा. शैक्षणिक क्षेत्र में बड़े सपने साकार होंगे. सामाजिक जीवन में स्पष्टता लानी होगी.

कन्या
दिन अच्छा रहेगा. ऑफिस में सहकर्मियों से अच्छा तालमेल रहेगा. शैक्षणिक स्तर पर अच्छा प्रदर्शन करेंग.। फैमिली में सौहार्द और प्रेम बढ़ने वाला है. आर्थिक मजबूती के लिए कदम उठाएं. स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा.

तुला
दिन मिलाजुला रहेगा. घर का कोई सदस्य बड़े निर्णय लेगा. फैमिली बिज़नेस तेजी से आगे बढ़ेगा. शॉर्ट टर्म स्कीम में रुचि बढ़ने वाली है. नए प्रोजेक्ट में बॉस की सलाह लेते रहें. आपके वैवाहिक जीवन में सामंजस्य बनाएं.

वृश्चिक
दिन अच्छा रहेगा. वित्तीय प्रयास जारी रखें, समय अनुकूल है. नौकरी में परिवर्तन का बढ़िया मौका मिलेगा. फंसा हुआ पैसा मिल जाएगा. जीवन साथी के साथ बहुत बड़ा विवाद हो सकता है. अपनी वाणी पर संयम रखना होगा.

धनु
दिन बढ़िया रहेगा. नए प्रोजेक्ट का काम तेजी से आगे बढ़ेग. जरुरतमंद की मदद के लिए तत्पर रहेंगे. रिश्ते सुधारने के लिए पुरानी बातें भुला देंगे. सेहत को लेकर लापरवाही नहीं बरतें. पुराने संपत्ति विवाद का समाधन हो सकता है.

मकर
दिन शानदार रहेगा. प्रोफेशनल क्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी. आलस दूर होगा, सक्रियता बढ़ने वाली है. जीवन साथी का भरपूर साथ मिलेगा. छोटी यात्रा पर जा सकते हैं. नौकरी में तरक्की मिल सकती है. कारोबार उन्नति करेगा.

कुंभ
दिन बढ़िया रहेगा. कार्यक्षेत्र में प्रोमशन या इंक्रिमेंट की प्रबल संभावना है. किसी के आग्रह पर ट्रिप प्लान करना होगा. वैवाहिक प्रस्ताव स्वीकृत हो जाने के संकेत हैं. अपने वाणी पर संयम रखें अन्यथा बना हुआ काम बिगड़ सकते हैं.

मीन
दिन अच्छा रहेगा. पेशेवर क्षेत्र में कई चीजें मैनेज करनी पड़ेगी. बचपन के दोस्त से मुलाकात के संकेत हैं. घर का माहौल उत्साहपूर्ण रहने वाला है. वित्तीय प्रस्ताव पर सोच समझकर निर्णय लें. मकान या जमीन में निवेश कर सकते हैं.

डीटीओ वंदना शेजवलकर ने परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): बोकारो जिले के विभिन्न सेंटरों पर चाल रही जैक बोर्ड की मैट्रिक व इंटर की परीक्षा तीसरे दिन शनिवार को शांतिपूर्ण संपन्न हुई. डीटीओ वंदना शेजवलकर ने चास के बीएमपी-4 राजकीयकृत मध्य विद्यालय, राजकीयकृत उच्च विद्यालय लकड़ाखंदा, आरबीएस इंटर कॉलेज चास सहित कई परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया. उनके साथ डीईओ जगरनाथ लोहरा व सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह भी थे. डीटीओ ने परीक्षा हॉल में जाकर परीक्षा का मुआयना किया और वहां की व्यवस्था भी देखी. उन्होंने केंद्राधीक्षकों को कदाचारमुक्त माहौल में परीक्षा संपन्न कराने के लिए जरूरी दिशा-निर्देश दिए. इस दौरान डीटीओ ने विद्यालय भवन में बने सीसीटीवी कंट्रोल रूम से भी विभिन्न कमरों में चल रही परीक्षा को देखा. साथ में रहे डीईओ जगरनाथ लोहरा को परीक्षा केंद्रों का नियमित औचक निरीक्षण करने का निर्देश दिया. जिले में तीसरे दिन मैट्रिक परीक्षा में 926 में से 920 परीक्षार्थी शामिल हुए. वहीं, इंटर परीक्षा में कुल 17331 में से 17164 परीक्षार्थी शामिल हुए.

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बीआईटी मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में शिरकत की

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): रांची/ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को झारखंड के रांची में बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (बीआईटी) मेसरा के प्लेटिनम जुबली समारोह में भाग लिया। राष्ट्रपति ने सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई प्रगति पर प्रकाश डाला, और कहा कि आने वाले वर्ष और भी अधिक प्रगतिशील होंगे, जिसमें दूरगामी प्रगति की उम्मीद है, विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग में। "यह तकनीक का युग है।

सूचना प्रौद्योगिकी में नई प्रगति ने हमारे जीने के तरीके को बदल दिया है। कल जो अकल्पनीय था वह आज वास्तविकता बन गया है," उन्होंने कार्यक्रम में कहा। "चूंकि एआई तेजी से अर्थव्यवस्थाओं को बदल रहा है, इसलिए भारत सरकार उभरते परिदृश्य पर प्रतिक्रिया देने में तेज रही है। उच्च शिक्षा संस्थानों में एआई को एकीकृत करने के लिए कई पहल की जा रही हैं.

उन्होंने आगे कहा कि चूंकि तकनीक समाज में बड़े व्यवधान पैदा करती है, इसलिए हमें हाशिए पर पड़े समूहों पर इसके प्रभाव के बारे में चिंतित रहना चाहिए। उन्होंने कहा, "जो महान अवसर सृजित किए जा रहे हैं, वे सभी के लिए उपलब्ध होने चाहिए और जो महान परिवर्तन लाए जा रहे हैं, उनसे सभी को लाभ मिलना चाहिए।" राष्ट्रपति ने कहा कि अक्सर, हमारे आस-पास की समस्याओं के लिए किसी बड़े तकनीकी हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होती है।उन्होंने युवाओं को छोटे पैमाने के पारंपरिक समाधानों के महत्व को न भूलने की सलाह दी और कहा कि नवोन्मेषकों और उद्यमियों को पारंपरिक समुदायों के ज्ञान के आधार को नज़रअंदाज़ नहीं करना चाहिए।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्लेटिनम जुबली इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और संबद्ध क्षेत्रों में शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में बीआईटी मेसरा के योगदान का जश्न मनाने और सम्मान करने का एक उपयुक्त अवसर है।

देश में पहला अंतरिक्ष इंजीनियरिंग और रॉकेटरी विभाग 1964 में यहीं स्थापित किया गया था। इंजीनियरिंग उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सबसे पहले विज्ञान और प्रौद्योगिकी उद्यमिता पार्क में से एक भी 1975 में यहीं स्थापित किया गया था। राष्ट्रपति मुर्मू ने विश्वास व्यक्त किया कि बीआईटी मेसरा भारत में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के निरंतर विकास में समृद्ध योगदान देना जारी रखेगा।

गोमो में गोली लगने से विवाहिता की मौत की गुत्थी को सुलझाने में जुटी पुलिस

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): गोमो के हरिहरपुर थाना क्षेत्र के हटियाटांड़ में विवाहिता प्रतिमा गुप्ता (26) की गुरुवार को गोली लगने से मौत मामले में शुक्रवार को हत्या का मामला दर्ज किया गया है. मृतका के भाई राज प्रसाद गुप्ता की शिकायत पर हरिहरपुर पुलिस ने पति रौनक गुप्ता व सास चंचला देवी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है. इधर, गुरुवार की देर रात पुलिस टीम आरोपी रौनक गुप्ता को लेकर उसके घर पहुंची. रौनक की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त नाइन एमएम की पिस्टल पुलिस ने घर की छत से बरामद की. छत पर जहां मृतका लहूलुहान हालत में मिली थी, वहां से पुलिस ने एक खोखा भी बरामद किया है. पिस्टल छत पर उगी झाड़ियों में फेंक दी गयी थी. पुलिस खोखा व पिस्टल जब्त कर रौनक को गिरफ्तार कर थाना ले गयी. पूछताछ के बाद पुलिस ने रौनक को जेल दिया,

हरिहरपुर थाना में पूछताछ के दौरान आरोपी रौनक गुप्ता ने झरिया से पिस्टल लाकर घर में रखने की बात स्वीकार की है. थानेदार राहुल कुमार झा ने बताया कि इस मामले में पुलिस हत्या व अवैध पिस्टल की कड़ी को जोड़ कर अनुसंधान कर रही है. रौनक गुप्ता पर हत्या के साथ -साथ अवैध पिस्टल रखने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है. पूछताछ में एसआइ नारायण यादव भी शामिल थे. इधर, देर शुक्रवार की शाम पोस्टमार्टम के बाद पुलिस ने मृतका का शव उसके परिजनों को सौंप दिया. जमुनिया नदी में शव का अंतिम संस्कार किया गया,

शुक्रवार को फोरेंसिक टीम हरिहरपुर थाना पहुंची. टीम के सदस्यों ने घंटों गहन जांच पड़ताल की. आरोपी का फिंगर प्रिंट, पिस्टल का प्रिंट, खोखा आदि की जांच करते हुए सैंपल भी कलेक्ट किया.

आरोपी रौनक गुप्ता ने पुलिस के समक्ष पिस्टल झरिया से लाकर अपने घर में रखने की बात स्वीकार की है. लेकिन उसने हत्या करने की बात कबूल नहीं की है. पुलिस ने बताया कि पिस्टल में एक ही गोली लोड थी. रौनक ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह घर पर नहीं था. प्रतिमा को किसने गोली मारी या उसने स्वयं अपने को गोली मारी. इसकी गुत्थी अब तक सुलझ नहीं पायी है. पुलिस पिस्टल देने वाले की तलाश रही है.

प्रतिमा गुप्ता की मौत से पहले उसके साथ मारपीट की गयी थी. शुक्रवार को शव का पोस्टमार्टम में उसके शरीर के कई जगहों पर मारपीट के जख्म के निशान पाये गये. चिकित्सकों के अनुसार गोली उसके दायें कनपट्टी में सटाकर मारी गयी थी. चिकित्सकों को मृतका के सिर पर गन पाउडर मिला है. पोस्टमार्टम के बाद मृतका का विसरा प्रिजर्व कर लिया गया है. शव उसके परिजनों को सौंप दिया गया,

शुक्रवार की सुबह मृतका के शव का पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल पहुंचे मृतका के मायके व ससुराल वाले आपस में भिड़ गये. दोनों पक्ष की महिलाएं एक-दूसरे पर आरोप लगाते हुए उलझ पड़ीं. बाद में परिवार के पुरुष सदस्यों के बीच मारपीट शुरू हो गयी. मृतका के मायके वाले ससुराल वालों पर प्रतिमा की हत्या का आरोप लगा रहे थे. आक्रोशित मायके वालों ने मृतका के पति के बड़े भाई गौरव गुप्ता व मां चंचला देवी के साथ मारपीट भी की. बाद में सुरक्षा में तैनात होमगार्ड ने दोनों पक्ष के लोगों को वहां से हटाया।

फसल सुरक्षा योजना के अंतर्गत ट्राईकोडर्मा, कार्बेंडाजिम, बोरोन आदि का किया वितरण

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): पौधा संरक्षण विभाग (धनबाद) के द्वारा बलियापुर कृषि उत्थान महिला प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के सदस्यों को फसल सुरक्षा योजना के अंतर्गत ट्राईकोडर्मा, कार्बेंडाजिम, बोरोन, इमिडाक्लोरोप्रिड, पीएसबी, नीम तेल, फोरमैन ट्रैप, का वितरण किया गया।

इस दौरान दीदियों को कीटनाशक के प्रयोग करने की विधि को डेमो कर के दिखाया गया। डीपीएम जेएसएलपीएस शैलेश रंजन ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से खेती से जुड़े लोगों को उत्साह वर्धन के साथ-साथ प्रोत्साहन भी मिलता है। उन्होंने कहा कि दीदियों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में यह भी एक अच्छी पहल है।

मौके पर कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिक डॉक्टर राजीव डॉक्टर सीमा सिंह और जेएसएलपीएस के जिला कार्यक्रम प्रबंधक शैलेश रंजन, राजीव कुमार पांडे, और प्रखंड स्तरीय प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक शम्भु विश्वाश मुख्तार अंसारी और कंपनी के सीईओ राजीव रंजन सिंह, और निदेशक शोभा रानी महतो, अनीता देवी, रेणुका मलिक, के साथ सैकड़ों किसान दीदी उपस्थित थी।

रेजली तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में गड़बड़ी से भड़के

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): डीएमएफटी फंड से पांच करोड़ की लागत से गोविंदपुर के ऐतिहासिक रेजली तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में गड़बड़ी के खिलाफ गोविंदपुर के नागरिकों ने आक्रोश प्रकट किया और लघु सिंचाई प्रमंडल धनबाद के कार्यपालक अभियंता के खिलाफ नारेबाजी की।

नागरिकों के प्रतिनिधिमंडल ने कार्यस्थल जाकर निरीक्षण किया। लोगों ने पाया कि बालू की जगह क्रेशर डस्ट से दीवाल जोड़ाई की जा रही है। वरीय अधिवक्ता जया कुमार ने कहा कि इस कार्य में सरकारी राशि की बंदरबांट और खानापूरी की जा रही है। कार्य निम्न स्तरीय हो रहा है।

बालू की जगह क्रेशर डस्ट से जोड़ाई की जा रहा है। सीमेंट कार्य पानी नहीं दिया जा रहा है। इस कारण जोड़ाई तत्काल फट जा रही है। श्रीमती कुमार ने कहा कि लघु सिंचाई विभाग के कार्यपालक अभियंता को ज्ञापन देने के बाद भी कार्य में सुधार नहीं हुआ और न ही उन्होंने काम का निरीक्षण ही किया है।

यही कारण है कि संवेदक द्वारा मनमाने तरीके से कार्य किया जा रहा है। कार्य प्राक्कलन के अनुरूप नहीं हो रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि यही स्थिति रही तो वह लघु सिंचाई विभाग के खिलाफ पीआईएल दायर करेगी। मौके पर मुखिया झूमा मुखर्जी, आशीष मांझी, ओमप्रकाश बजाज, मोइन अंसारी, राजीव रंजन, विनोद बर्मन, आनंद जायसवाल, जितेश जायसवाल, बाबू भगत, संजीव सिंह, जयजीत मुखर्जी, अकबर राजा आदि मौजूद थे। नागरिकों ने कहा कि जिला प्रशासन की इस महत्वाकांक्षी योजना पर तुषारापात हो गया।

काम गोविंदपुर की जनाकांक्षा के अनुरूप नहीं हो रहा है जैसे तैसे काम कर खानापूरी की जा रही है और बिल निकासी की जा रही है। सरकारी राशि का दुरुपयोग हो रहा है। नागरिकों ने कहा कि तालाब संकीर्ण कर दी गई है और इसका गहरीकरण प्राक्कलन के रूप नहीं हो पाया गाद की सफाई नहीं हो सकी। इस कारण तालाब फिर पुरानी स्थिति की ओर आने लगी है।

अतिक्रमण हटाए बगैर किया जा रहा है काम: सोहराब अंसारी जिला परिषद सदस्य सोहराब अंसारी एवं विनोद बर्मन ने कहा कि यह ऐतिहासिक तालाब जिला परिषद धनबाद की बहुमूल्य संपत्ति है, परंतु जिला परिषद ने काफी आग्रह करने के बाद भी इसकी पूरी मापी नहीं कराई । नापी के नाम पर केवल खानापूरी की गई। यही कारण है कि तालाब के उत्तरी हिस्से में लोगों द्वारा किया गया अतिक्रमण आज भी बरकरार है । उन्होंने जिला परिषद अध्यक्ष एवं उप विकास आयुक्त से इस तालाब की जमीन की गोविंदपुर अंचलाधिकारी से मापी कराने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि तालाब की करीब 20% जमीन पर लोगों ने कब्जा कर रखा है। लोगों ने स्थाई ढांचा बना दिया है। वह गोविंदपुर के सभी राजनीतिक दलों के लोगों व सामाजिक कार्यकर्ताओं को साथ लेकर इस जमीन की मापी कराएंगे तथा वर्तमान में जिला परिषद द्वारा की जा रही बाउंड्री के बाद भी जितनी जमीन है, उतनी जमीन को खाली कराएंगे। उन्होंने कहा कि इस तालाब की जमीन खाली करनी पड़ेगी। उन्होंने कहा कि तालाब की जमीन होकर किसी प्लॉटर को रास्ता नहीं दिया जाना चाहिए। इसका घोर विरोध होगा । उन्होंने कहा कि वह इस संबंध में उप विकास आयुक्त से फिर मिलेंगे और जमीन की नापी कराने का आग्रह करेंगे। श्री अंसारी ने कहा कि संवेदक द्वारा तालाब की जमीन को छोड़कर काम करना नाजायज है संवेदक ने भी यह मनमानी की है और तालाब की जमीन हड़प कर रखने वाले लोगों की सुविधा के अनुसार बाउंड्री की जा रही है। उन्होंने कहा कि गोविंदपुर के नागरिक इसका पुरजोर विरोध करेंगे।

धनबाद मंडल रेल अस्पताल के शताब्दी वर्ष के अवसर पर प्रदर्शनी सह सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): धनबाद मंडल रेल अस्पताल के स्थापना के 100 वर्ष पूरा होने पर मंडल की ऐतिहासिक विरासत एवं विकास यात्रा को याद करते हुए आज 15 फरवरी को धनबाद मंडल रेल अस्पताल में शताब्दी वर्ष समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया गया। साथ ही इस अवसर पर पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अध्यक्षा गरिमा सिन्हा सहित पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन, धनबाद मंडल की अन्य सदस्याएं एवं मंडल के उच्चाधिकारीगण, चिकित्सकगण, अतिथिगण और कर्मचारीगण उपस्थित थे। इस अवसर पर धनबाद मंडल रेल अस्पताल के 100 वर्षों के ऐतिहासिक सफर को बेहद ही खूबसूरत और रोचक अंदाज में संजोए एक फोटो प्रदर्शनी लगाया गया जिसका मंडल रेल प्रबंधक एवं अतिथियों ने अवलोकन किया।

इस ऐतिहासिक अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक कमल किशोर सिन्हा ने अपने संबोधन में कहा कि आज का यह अवसर हम सभी के लिए गर्व, प्रेरणा और संकल्प का प्रतीक है ।

धनबाद मंडल रेल अस्पताल में आधुनिक चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराना हमारा उद्देश्य होगा, चिकित्सकों को और बेहत्तर उपचार हेतु लीक से हटकर के श्रम करना होगा।

मौके पर, वरीय मंडल वाणिज्य प्रबंधक एवं वरीय जनसंपर्क अधिकारी, अस्पताल के सीएस, वरीय व कनीय अधिकारी, कर्मचारी, कई निजी अस्पताल के डाक्टर, सीईओ, प्रबंधक, पूर्व अधिकारी व कर्मचारी गण मौजूद थे, अथिति समेत कई चिकित्सकों व विशिष्ट लोगों को सम्मानित किया गया। कई लघु नाटक का मंचन कर बीमारियों से लोगों को आगाह किया गया। कई वरीय चिकित्सकों ने रोग के निदान हेतु नई तकनीक के जांच व उपचार के संदर्भ में जानकारी दी।

सीएफएम संक्षिप्त

सुरूंगा शिव मंदिर प्रांगण में आम सभा आयोजित

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): सुरूंगा में ग्रामीणों के साथ घटित घटना के खिलाफ आज सुरूंगा शिव मंदिर प्रांगण में आम सभा आयोजित किया गया। जिसमें एटी देवप्रभा आउट सोर्सिंग के खिलाफ जोरदार आंदोलन करने का निर्णय लिया। सभा में मुख्य अतिथि सिंदरी विधायक चन्द्रदेव महतो, पूर्व विधायक आनंद महतो, प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी, सनातन रविदास,भजोहरी महतो, मुखिया राजाराम रजक, मुकुल चन्द्र रोहिदास, सुनील कुमार महतो, संतोष रवानी, कार्तिक प्रसाद, विनोद कालिंदी, गोपाल बाउरी आदि ने संबोधित किया।

झाड़ी में बीसीसीएल कर्मी युवक का शव बरामद, क्षेत्र में खलबली

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): बाघमारा के जोरी पंचायत के चैनपुर गांव के समीप झाड़ी में एक युवक का मिला शव को लेकर क्षेत्र में हड़कंप मच गई है। उक्त शव की पहचान बीसीसीएल कर्मी 40 वर्षीय देवशरण भुइयां रूप में की गयी है। स्थानीय ग्रामीणों से इस घटना की सूचना मिलने पर कतरास पुलिस वहां पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लिया। साथ हीं मामले की छानबीन में जुट गई है। मृतक बसेरिया का रहने वाला है फिलहाल वह अपने ससुराल गजली टांड़ में रहकर बीसीसीएल सीजूआ एरिया के तेतुलमारी कोलियरी में कार्य करता था। मृतक अपने पीछे पत्नी रेखा देवी सहित तीन बच्चे छोड़ गया है।

डॉक्टर व पैरामेडिकल कर्मियों को दी गई जानकरी

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार भारतीय न्याय संहिता के तहत नए कानून की जानकारी देने के लिए धनबाद के शहीद निर्मल महतो मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल परिसर में शनिवार को प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

धनबाद –कोडरमा खंड के मध्य चलाया गया मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): धनबाद मंडल में बड़े पैमाना पर टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है | इसी क्रम में दिनांक 14.02.25 को धनबाद –कोडरमा खंड में मजिस्ट्रेट महोदय की उपस्थिति में टिकट चेकिंग अभियान एवं मंडल के विभिन्न खण्डों में विशेष टिकट चेकिंग अभियान के साथ-साथ चन्द्रपुरा, डाल्टनगंज, चोपन, बरकाकाना, सिंगरौली स्टेशनों में भी गहन टिकट चेकिंग की गई| इस जांच अभियान में कुल 876 यात्रियों को पकड़ा गया जिसमें बिना टिकट यात्रा कर रहे यात्री, बिना उचित प्राधिकार के यात्रा करने वाले यात्री, बिना बुक किये गए सामान के साथ यात्रा कर रहे यात्रीगण शामिल थे| इस दौरान उनसे 04 लाख 44 हज़ार 435 रूपए जुर्माने के रूप में राशि प्राप्त की गई व कड़ी हिदायत दी गई| चेकिंग टीमों ने स्टेशनों एवं विभिन्न मेल/एक्स्प्रेस ट्रेनों में भी चेकिंग की| इस अभियान का उद्देश्य बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाना है ताकि वे टिकट लेकर यात्रा करें एवं उचित टिकट लेकर यात्रा करने वाले यात्रियों को बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों के कारण किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

सेवानिवृत सहायक शिक्षिका का निधन, शिक्षकों ने जताया शोक

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): झारखण्ड राज्य प्राथमिक शिक्षक संघ जिला शाखा ने बोर्ड मध्य विद्यालय गोविंदपुर से सेवानिवृत्त सहायक शिक्षिका कुरची गांव निवासी बिंदु प्रसाद के निधन पर शोक व्यक्त किया है। शोक व्यक्त करने वालों में जिलाध्यक्ष नीलकंठ मंडल, जिला प्रधान सचिव आदित्य प्रसाद मिर्धा, एसएन लाल त्यागी, वासुदेव गोस्वामी, मंजू तिवारी, परितोष घोषाल, सपन महतो, दाऊद अंसारी, दिनेश राय, संजीव मंडल, अशोक मंडल, दिनेश दास, बिरेन मंडल, मुकुल रोहिदास, नन्दकिशोर प्रसाद, रामदेव साव आदि शामिल हैं।

राकोमयू का जनजागरण व गेट मिटिंग जारी

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): शनिवार को राष्ट्रीय कोलियरी मजदूर यूनियन के महामंत्री एके झा के निर्देश पर यूनियन की ओर से नॉर्थ तिसरा डिस्पेंसरी व आसपास में जन जागरण अभियान चलाया गया। जिसका नेतृत्व सुनील कुमार राय क्षेत्रीय सचिव ने किया। सुनील कुमार राय ने बताया कि महामंत्री के निर्देशानुसार 15 फरवरी से 28 फरवरी तक पूरे बीसीसीएल में जन जागरण व गेट मिटिंग का कार्यक्रम चलाया जा रहा है। जन जागरण का मुख्य उदेश है केंद्र सरकार की मजदूर किसान छात्र नौजवान विरोधी नीति। आज उनके नीति के कारण बेरोजगारी बढ़ी है, पूंजीपति को लाभ पहुंचाया जा रहा है, वर्तमान स्थिति में निजीकरण तेजी से हो रही है, कोई रोजगार नहीं है, श्रम कानून को समाप्त किया जा रहा है। फिर से अंग्रेजों वाली शासन केंद्र की भाजपा सरकार लाना चाहती है। इसके खिलाफ सभी को एकजुट कर जोरदार आंदोलन करने की तैयारी है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के बताए गए रास्ते पर चलकर आंदोलन किया जाएगा। पूंजीवादी व्यवस्था को आगे बढ़ने नहीं देंगे। जन जागरण के बाद कोयला भवन मुख्यालय में धरना कार्यक्रम किया जाएगा। जिसमें विधायक राष्ट्रीय अध्यक्ष कुमार जय मंगल सिंह भी वरिष्ठ नेताओं के साथ रहेंगे। मौके पर संतोष मोदक वीरेंद्र पासी तेजा बेलदार सुदर्शन सिंह रिंकू देवी गीता देवी चंम्पला देवी आदि लोग शामिल थे।

कोयलांचल पत्रकार संघ ने दिवंगत पत्रकार अजित श्रीवास्तव की पुण्यतिथि मनाई

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): कोयलांचल पत्रकार संघ के केन्द्रीय कार्यालय शालीमार में दिवंगत पत्रकार अजित श्रीवास्तव की 8वीं पुण्यतिथि मनाई गई। सर्वप्रथम संघ के संस्थापक मो• मुख्तार अहमद तथा महामंत्री राहुल मिश्रा द्वारा उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दिया। तत्पश्चात सभी सदस्यों ने पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रख उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। संस्थापक मुख्तार अहमद तथा महामंत्री राहुल मिश्रा ने कहा कि स्व• अजित श्रीवास्तव संघ के शुरुआती दौर से हमारे साथ थे। संघ की बुनियाद में अहम भूमिका निभाई थी। उनके जाने से संघ को अपूरणीय छति हुई है। मौके पर संरक्षक चंद्र देव मिश्रा, सचिव अरुण कुमार, कोषाध्यक्ष कमलेश सिंह, पवन गुप्ता, आशीष सिन्हा, गुलज़ार आलम, समीम हुसैन, मनोज यादव, शशिधर मिश्रा, दीपक गुप्ता, मोजहरुल इस्लाम, विद्या रजक आदि उपस्थित थे।

ईसीएल निदेशकों के पत्नियों ने स्वावलंबी स्वरोजगार के प्रशिक्षकों को किया सम्मानित

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (धनबाद): स्वावलंबी स्वरोजगार सोसाइटी मुकुंदा के परीक्षण में उत्कृट योगदान के लिए शनिवार को सुरभी महिला समिति द्वारा जियलगोरा गेस्ट हाउस में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह की अध्यक्षता समिति के क्षेत्रीय अध्यक्षा शर्मिष्ठा चक्रवर्ती तथा संचालन मॉली सील ने किया।

समारोह का शुभारंभ समिति की अध्यक्षा सह सीएमडी की पत्नी मिली दत्ता ने विशिष्ट अतिथि डीपी और डीटी की पत्नीयों पुरवैया रमैया, रंजना सिंह एवं अर्चना अग्रवाल के साथ संयुक्त रूप से द्वीप प्रज्वलित कर किया। समारोह में अतिथियों का स्वागत सोसाइटी के बच्चियों ने आकर्षक नृत्य कि प्रस्तुति से की गई। बीसीसीएल की देख रेख तथा सुनील मोदक के नेतृत्व में संचालित सोसाइटी में लघु हस्तकरघा उद्योग, ब्यूटीशियन, नृत्य और खेल की दिशा में क्षेत्र के बेरोजगार बच्चियों और महिलाओं को स्वावलंबी बनाने को प्रशिक्षण दिया जाता है। पिछले वर्ष सिलाई प्रशिक्षण में अव्वल रही राधा देवी, राखी कुमारी, देवी, आरती देवी, अनिंदिता कुमारी तथा ब्यूटीशियन में रीमा कुमारी, सोनाली जायसवाल, सीता कुमारी, अमृता चौधरी आदि प्रतिभागियों को समारोह की मुख्य अतिथि मिली दत्ता ने सौंदर्य प्रसाधन एवं सिलाई कढ़ाई की सामग्री कीट पैकेट तथा प्रशस्ति पत्र देकर प्रोत्साहित की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने कही कि पहले की महिलाएं घरेलू कामों में सिमटी रहती थीं। आज की दौर में महिलाएं स्वावलंबी होने को अनेकों संस्थानों से जुड़कर आत्मनिर्भर होकर घर और देश की तरक्की में अहम योगदान देने को अग्रसर है। ऐसी परिवेश में मुकुंदा सोसाइटी द्वारा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में दी जा रही योगदान प्रशंसनीय है।

मौके पर लोदना क्षेत्र के जीएम एन चक्रवर्ती मुख्य रूप से उपस्थित थे।

जेईई मेन 2025- क्यों है सवालों के घेरे में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी?

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: जेईई मेन 2025 सत्र एक का रिजल्ट घोषित हो चुका है, जिसमें राजस्थान के आयुष सिंघल) ने टॉप किया है, दूसरे नंबर पर कर्नाटक के कुशाग्र गुप्ता और तीसरे नंबर पर दिल्ली के दक्ष का एनटीए स्कोर 100 रहा है। वहीं जेईई मेन रिजल्ट को लेकर एनटीए यानी नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) पर एक बार फिर से आरोप लग रहे हैं। दरअसल एनटीए ने त्रुटियों के कारण जेईई मेन 2025 फाइनल आंसर-की से 12 प्रश्नों को हटा लिया है, जो अब तक के इतिहास में सबसे अधिक है। ऐसे में एनटीए की निष्पक्ष और पारदर्शी परीक्षा आयोजित करने की क्षमता पर सवाल उठ रहे हैं। प्रश्नों की कुल संख्या 90 से घटाकर 75 करने के बावजूद, त्रुटि दर बढ़कर 1।6% हो गई, जो ऐतिहासिक 0।6% से लिमिट से कहीं अधिक है। एनटीए की पारदर्शिता की कमी है, हटाए गए प्रश्नों की संख्या के बारे में इसके दावों में असंगतता है, जिससे "अंडर-रिपोर्टिंग" का संदेह पैदा होता है। एनटीए के महानिदेशक पी एस खारोला ने मीडिया के सवालों का जवाब नहीं दिया। शिक्षा मंत्रालय ने एनटीए से एक जवाब भेजा है जिसमें पाठ्यक्रम विसंगति की चिंताओं को नजरअंदाज किया गया है, जिससे इसकी जवाबदेही के बारे में संदेह गहरा गया है।

एनटीए ने दावा किया कि 2023, 2024 और 2025 के सत्र 1 में छह प्रश्न हटाए गए थे, लेकिन 2025 की आंसर-की में 12 हटाए गए प्रश्न सूचीबद्ध हैं। टीओआई के विश्लेषण में पाया गया कि 2023 के सत्र 1 में पांच प्रश्न हटाए गए थे, जबकि 2022 के सत्र 1 और 2 में क्रमशः चार और छह प्रश्न हटाए गए थे। फरवरी और मार्च 2021 की परीक्षाओं में कोई प्रश्न नहीं हटाया गय।। इसके बावजूद, एजेंसी ने अपना बचाव करते हुए कहा, "इस साल की रिकॉर्ड-कम चुनौती दर और न्यूनतम त्रुटियां देश भर में इंजीनियरिंग उम्मीदवारों के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और त्रुटि-मुक्त परीक्षा प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए NTA की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती हैं।"

देश के प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में इतनी बड़ी संख्या में प्रश्न छूट जाने से संबंधित छात्रों और शिक्षकों के बीच चर्चा होना स्वाभाविक है। लेकिन अगर राष्ट्रीय प्रणाली, राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) को आईआईटी प्रवेश परीक्षा में दर्जनों प्रश्नों को छोड़ने के लिए मजबूर किया जाता है क्योंकि यह गलत है, तो सवाल केवल उच्च शिक्षा के बारे में उठते हैं। पिछले साल नीट-यूजी पेपर लीक के कारण प्रसिद्ध था। अब, जेईई-मेन के अवसर पर, इस साल के प्रवेश परीक्षा सत्र के विवाद परीक्षा प्रणाली की गलतियों के साथ शुरू हो गए हैं जो प्रश्न पूछ रहे हैं। जेईई-मेन परीक्षा में की गई गलतियां। हालांकि, मुख्य सवाल यह है कि परीक्षा आयोजित करने वाले सिस्टम कुशल क्यों नहीं हैं और इसलिए इस पर टिप्पणी करने की आवश्यकता है।

जेईई-मेन आईआईटी में पहला कदम है और देश भर के इंजीनियरिंग कॉलेजों में अखिल भारतीय सीटों को भरने के लिए इसके अंकों पर भी विचार किया जाता है। स्वाभाविक रूप से, देश भर से लगभग 15 लाख छात्र हर साल परीक्षा के लिए बैठते हैं। परीक्षा दो सत्रों में होती है, जिनमें से एक जनवरी में हुई थी, जिसे हाल ही में घोषित किया गया था और दूसरा अप्रैल में। प्रणाली के अनुसार, एक प्रश्न पत्र को देश भर में मुद्रित और वितरित किया जाना है, इसलिए परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र के पैर टूटने की संभावना कम है। इस अर्थ में, यह एक अच्छा तरीका है। हालांकि, यह थोड़ा जटिल है कि अलग-अलग सत्रों में अलग-अलग, लेकिन समान रूप से कठिन, प्रश्नों की आवश्यकता होती है। बेशक, पेपर लीक से बचने के लिए वह भी आवश्यक है। संक्षेप में, एक ही प्रवेश परीक्षा के लिए सैकड़ों प्रश्न तैयार करना जिम्मेदारी है। लेकिन, अगर उनमें से केवल बारह गलत हैं, तो यह कहना हास्यास्पद है, क्योंकि, 'एनटीए जैसी स्वायत्त संस्था से इस विषय पर बहुत सारे सवाल पूछने की जिम्मेदारी लेने की उम्मीद की जाती है। वास्तव में, यह संस्थान की स्थापना के उद्देश्यों में से एक है, जिसके लिए उनके पास देश भर से विषय विशेषज्ञ भी उपलब्ध हैं।

इस वर्ष, जेईई-मेन के पहले सत्र के बाद प्रकाशित उत्तर पुस्तिका पर उठाई गई आपत्तियों को सत्यापित करने के बाद, एनटीए ने अंतिम उत्तर सूची प्रकाशित की और 12 प्रश्नों को छोड़ दिया। इसका मतलब है कि प्रश्न पत्र में 12 प्रश्न गलत थे। भौतिकी, गणित और रसायन विज्ञान के 25 प्रश्नों में से कुछ गलत थे और कुल 12 प्रश्न गलत थे। परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी छात्रों को इन 12 प्रश्नों के पूर्ण अंक मिलेंगे, चाहे छात्र ने प्रश्न हल किया हो या नहीं। प्रत्येक सही उत्तर के लिए 4 अंकों के अनुसार सभी को 48 अंक मिलेंगे। चूंकि सत्र अलग-अलग हैं, इसलिए पर्सेंटाइल का समग्र परिणाम पर अधिक प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि, प्रश्न में गलतियों के कारण कई नए प्रश्न उठाए जा रहे हैं। इनकी तीव्रता कम नहीं होती।

जबकि जनवरी में परीक्षा के लिए उपस्थित होने वाले सभी 12।5 लाख छात्रों को 48 अंक मिलेंगे, क्या होगा यदि कुछ छात्रों ने इन 12 प्रश्नों को हल करने के लिए बहुत शोर मचाया और इससे उन्हें अगले कुछ प्रश्नों को हल करने के लिए बहुत कम समय मिला, या अगले प्रश्नों के बारे में सोचने के लिए ज्यादा समय नहीं मिला और शायद वे अपने उत्तर से चूक गए? माना कि ऐसी घटनाओं को मापा नहीं जा सकता, लेकिन हम इस बात से कैसे इनकार कर सकते हैं कि ऐसा हो सकता था और एनटीए द्वारा उठाए गए गलत सवाल इसके लिए जिम्मेदार थे? NTA, एक स्वायत्त निकाय, यह सुनिश्चित करने के लिए स्थापित किया गया था कि प्रवेश परीक्षा अधिक पारदर्शी और प्रतिस्पर्धी तरीके से आयोजित की जाए। NTA ने अपनी वेबसाइट पर विषय विशेषज्ञों, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं और सुरक्षा पेशेवरों की मदद से परीक्षा प्रणाली में खामियों को दूर करने के अपने इरादे की भी घोषणा की है। ऐसा क्या है यदि ऐसी गलतियाँ लापरवाही का संकेत नहीं हैं, ऐसी गलतियाँ लापरवाही की निशानी नहीं हैं, जिसके लिए अंग्रेजी में प्रश्न पत्र में एक ही उत्तर का विकल्प सही है, जिसके लिए भारतीय भाषाओं में प्रश्न पत्र में सही उत्तर के दो विकल्प उपलब्ध हैं? पिछले साल, उसी NTA द्वारा आयोजित NEET परीक्षा में अनियमितताएं थीं। कई छात्रों, विशेष रूप से कुछ केंद्रों के छात्रों को प्राप्त अंकों पर कई संदेह थे। यहां तक कि अगर पूरी परीक्षा फिर से आयोजित नहीं की गई थी, तो संदेह दूर नहीं हुए थे। क्या यह कहा जाना चाहिए कि ईमानदारी से परीक्षा देने वालों को परीक्षा प्रणाली द्वारा माना गया था?

यह सिर्फ जेईई-मेन में हुई 12 गलतियों का सवाल नहीं है, यह एनटीए की विश्वसनीयता और पारदर्शिता के बारे में है। एनटीए जेईई-मेन, एनईईटी, यूजीसी-एनईटी, जेएनयू प्रवेश परीक्षा, जीपीएटी, सीमैट, आईसीएआर की अखिल भारतीय प्रवेश परीक्षा, आईआईएफटी की प्रवेश परीक्षा, पीएचडी और इग्नू की ओपनमैट परीक्षा सहित विभिन्न प्रबंधन पाठ्यक्रमों के लिए संयुक्त प्रवेश परीक्षा, दिल्ली विश्वविद्यालय प्रवेश परीक्षा सहित विभिन्न प्रकार की परीक्षाएं आयोजित करता है। इन सभी प्रवेश परीक्षाओं की विश्वसनीयता हर साल होने वाली गड़बड़ियों के कारण दांव पर है। यह स्नातक प्रवेश परीक्षाओं के लिए NTA जैसी स्वायत्त संस्था की स्थापना की समस्या का हिस्सा है। दूसरा और भी कठिन है। हमारे देश में यथास्थिति के अनुसार कौन सी परीक्षाएं आयोजित की जाती हैं? कक्षा 12 और 10 की परीक्षा में, अभी भी सामूहिक नकल के बारे में सख्त चेतावनी है, फिर भी नकल है। यह ठीक है कि परीक्षा प्रणाली को दोष नहीं दिया जा सकता है, लेकिन 'उन लोगों के बारे में क्या जिन्होंने ईमानदारी से परीक्षा दी?' यही सवाल भी बना हुआ है।

अगला सवाल यह है कि परीक्षा देने वालों की परवाह कौन करता है और जो ऐसा करने में असफल नहीं होते हैं। यही एकमात्र प्रश्न है जो हमारी प्रणालियों की जटिलता को दर्शाता है। यूपीएससी, एमपीएससी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं के बारे में प्रश्न, वे कब से आयोजित की जाएंगी और क्या आयोजित की जाएंगी, उम्मीदवारों की पीठ छोड़ना बंद नहीं किया है। इन सभी परीक्षाओं के लिए देश भर के लाखों छात्र बैठते हैं। इन छात्रों को अच्छी तरह से तैयारी करने में सक्षम होना चाहिए। इसके लिए इन छात्रों के अभिभावक पढ़ाने के लिए लाखों रुपये खर्च करते हैं। इसके लिए मकान और जमीन गिरवी रखकर पैसा जुटाया जाता है। ये सब एक अच्छे करियर के सपने को पूरा करने के लिए है। ऐसे कई लोग हैं जो दूसरी बार परीक्षा में बैठते हैं क्योंकि उन्हें पहले प्रयास में कम अंक मिले थे। क्या exam agencies को वास्तव में पता है कि हम कितने लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं के साथ खेल रहे हैं, प्रश्न पत्र में इतनी गलतियाँ करके, कदाचार पर अंकुश लगाने में असफल होकर? इसने छात्रों के मन में पूरी तरह से परीक्षा प्रणाली के प्रति अविश्वास पैदा कर दिया है। जिस देश में कई बेईमान परीक्षार्थी हैं– कई ईमानदार छात्र हैं– वहां सिस्टम को परीक्षा की गंभीरता को भी समझना चाहिए और शासन में सुधार करना चाहिए।

अशोक भाटिया
वरिष्ठ स्वतंत्र पत्रकार, लेखक, समीक्षक एवं टिप्पणीकार
वसई पूर्व (मुंबई)

यू.एस. इंडिया कॉम्पैक्ट" चुनौतियाँ और अवसर

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रम्प जूनियर ने 13 फरवरी, 2025 को वाशिंगटन डीसी में भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का आधिकारिक कार्य यात्रा के लिए स्वागत किया। राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी ने स्वतंत्र और गतिशील लोकतंत्रों के नेताओं के रूप में भारत-अमेरिका साझेदारी की ताकत की पुष्टि की, जो स्वतंत्रता, मानवाधिकार, कानून और बहुलवाद का सम्मान करते हैं। आपसी विश्वास, साझा हित, सद्भावना और सक्रिय नागरिक भागीदारी इस व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की नींव के रूप में काम करते हैं। राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री मोदी ने "यू.एस. इंडिया कॉम्पैक्ट" नामक एक बिल्कुल नया कार्यक्रम पेश किया, जिसका अर्थ है "सैन्य साझेदारी, त्वरित वाणिज्य और प्रौद्योगिकी के लिए अवसरों को उत्प्रेरित करना", जिसका उद्देश्य इक्कीसवीं सदी में सहयोग के कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में क्रांति लाना है। रणनीतिक और आर्थिक वातावरण लगातार अंतरराष्ट्रीय गठबंधनों द्वारा नया रूप ले रहे हैं। कई क्षेत्रों में, भारत के बढ़ते नवाचार और अमेरिका की तकनीकी श्रेष्ठता एक दूसरे से मिलती है। भारत को $45 बिलियन के अधिशेष से लाभ होने के साथ, द्विपक्षीय व्यापार $118 बिलियन से ऊपर चला गया। प्रगतिशील आर्थिक सम्बंधों के माध्यम से, यह साझेदारी अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को नया रूप देती है, सुरक्षा में सुधार करती है और आपसी विकास को बढ़ावा देती है। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सभी में वृद्धि हुई है।

संचार संगतता और सुरक्षा समझौता और बेसिक एक्सचेंज ऐंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट जैसे महत्त्वपूर्ण समझौते, जो प्रौद्योगिकी हस्तांतरण और रक्षा रसद में घनिष्ठ सहयोग की गारंटी देते हैं, पर अमेरिका और भारत ने हस्ताक्षर किए हैं। लक्षित सैन्य अभियानों के लिए भारत को अमेरिकी भू-स्थानिक खुफिया जानकारी तक पहुँच प्रदान करके, 2020 बेसिक एक्सचेंज ऐंड कोऑपरेशन एग्रीमेंट समझौते ने हिंद महासागर क्षेत्र में स्थितिजन्य जागरूकता में सुधार किया। महत्वपूर्ण और उभरती प्रौद्योगिकियों पर पहल जैसी पहलों ने सेमीकंडक्टर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी महत्त्वपूर्ण तकनीकों में सहयोग को मज़बूत किया है। भारत और

संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच बदलती गतिशीलता का इक्कीसवीं सदी में दुनिया के संगठित होने के तरीके पर बड़ा प्रभाव पड़ता है। इस साझेदारी की क्षमता को पूरी तरह से साकार करने के लिए, दोनों सरकारों को रणनीतिक बहुपक्षीय सम्बंधों, अर्थशास्त्र और रक्षा पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। मौजूदा हालात अमेरिका-भारत सम्बंधों के दीर्घकालिक विकास के पक्ष में हैं। मुझे उम्मीद है कि भारत चुनौतियों के साथ-साथ अवसरों को भी स्वीकार करने के लिए तैयार है।

माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने 2.75 बिलियन डॉलर का सेमीकंडक्टर प्लांट बनाने के लिए मिलकर काम किया, जो आपूर्ति श्रृंखला के लचीलेपन को बढ़ाएगा। अमेरिकी हाइड्रोकार्बन के एक महत्त्वपूर्ण आयातक के रूप में, भारत हरित ऊर्जा स्रोतों पर स्विच करने में सहायता करता है। तेल आयात के मामले में, संयुक्त राज्य अमेरिका 2024 में 413.61 मिलियन डॉलर के साथ पांचवें स्थान पर रहा। लचीली आपूर्ति श्रृंखलाएँ, विशेष रूप से आवश्यक वस्तुओं के लिए, चीन पर अपनी निर्भरता कम करने के दोनों देशों के प्रयासों का लक्ष्य हैं। भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका क्वाड राष्ट्रों का हिस्सा हैं। अमेरिका और भारत के बीच व्यापार वार्ता में मुख्य बाधा टैरिफ विवाद है। भारत द्वारा अमेरिकी वस्तुओं, विशेष रूप से कृषि और तकनीकी क्षेत्रों पर उच्च टैरिफ लगाए जाने से व्यापार संतुलन प्रभावित होता है और वार्ता अक्सर बाधित होती है।

मादक पेय पदार्थों पर भारत द्वारा लगाए गए 150 प्रतिशत टैरिफ ने अमेरिकी निर्यातकों की बाजारों तक पहुँच को प्रतिबंधित करने के लिए अमेरिका की आलोचना की है। भारत में जेनेरिक दवा उद्योग सुलभ दवा की गारंटी के लिए अधिक संतुलित रणनीति का पक्षधर है, जबकि अमेरिका मज़बूत बौद्धिक संपदा सुरक्षा चाहता है। बौद्धिक संपदा सुरक्षा के बारे में चिंताओं के कारण अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि ने भारत को अपनी "प्राथमिकता निगरानी सूची" में रखा। ई-कॉमर्स विनियमों और प्रस्तावित डेटा स्थानीयकरण कानूनों पर भारत की अलग-अलग स्थिति अमेरिकी हितों के विपरीत है। गूगल और अमेज़न जैसे अमेरिकी निगमों द्वारा इस बारे में चिंता व्यक्त की गई थी कि भारत का व्यक्तिगत डेटा संरक्षण विधेयक सीमा पार डेटा प्रवाह को कैसे सीमित करेगा। अमेरिका और भारत के बीच $45 बिलियन का व्यापार घाटा बाज़ार पहुँच बढ़ाने और टैरिफ कम करने के लिए अमेरिकी दबाव को प्रेरित करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका ने घुटने के प्रत्यारोपण और स्टेंट जैसे चिकित्सा उपकरणों पर कम टैरिफ का अनुरोध करके व्यापार असंतुलन को कम करने की मांग की। भारत के फाइटोसैनिटरी नियम जो अमेरिकी कृषि उत्पादों को प्रतिबंधित करते हैं, इस क्षेत्र में द्विपक्षीय व्यापार के विस्तार में बाधा डालते हैं। चूंकि व्यापार वार्ता ने रक्त भोजन युक्त पशु आहार के मुद्दे को हल नहीं किया है, इसलिए भारत ने अमेरिकी डेयरी आयात को प्रतिबंधित कर दिया है।

एलएनजी और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्रों में सहयोग अमेरिका की एक प्रमुख उत्पादक के रूप में स्थिति और भारत की बढ़ती ऊर्जा आवश्यकताओं के कारण संभव हुआ है। उदाहरण के लिए, इस तरह की साझेदारी भारत को ऊर्जा मिश्रण में प्राकृतिक गैस के अनुपात को मौजूदा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर कुल प्राथमिक ऊर्जा मिश्रण का 15 प्रतिशत करने के अपने लक्ष्य तक पहुँचने में मदद करेगी। लाभकारी शर्तों पर रक्षा हार्डवेयर का सह-उत्पादन रणनीतिक सम्बंधों को मज़बूत करते हुए भारत की अन्य देशों पर निर्भरता को कम कर सकता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और जनरल इलेक्ट्रिक ने भारत में लड़ाकू जेट इंजन के संयुक्त निर्माण के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्वांटम कंप्यूटिंग और अंतरिक्ष अन्वेषण जैसी महत्त्वपूर्ण तकनीकों में घनिष्ठ सम्बंधों द्वारा सहयोगी नवाचार के अवसर प्रदान किए जाते हैं। सहकारी अंतरिक्ष अन्वेषण और चंद्र मिशन के लिए आर्टेमिस समझौते में भारत को भागीदार के रूप में स्वीकार किया गया था। घरेलू उत्पादन बढ़ाने के भारत के प्रयास अमेरिका की "चीन+1" नीति के पूरक हैं, जो मज़बूत आपूर्ति श्रृंखलाओं में साझा उद्देश्यों को बढ़ावा देते हैं। उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन योजना के माध्यम से भारत में उत्पादन बढ़ाकर, एप्पल और सैमसंग ने चीनी कारखानों पर अपनी निर्भरता कम कर दी। एक ऐसा समझौता जो अधिक व्यापक है, उसे सीमित व्यापार समझौते द्वारा सुगम बनाया जा सकता है जो बाज़ार पहुँच में सुधार और टैरिफ विवादों को निपटाने पर केंद्रित है।

भारत और अमेरिका ने कई औद्योगिक और कृषि उत्पादों पर टैरिफ कम करने पर सहमति व्यक्त की, जो एक व्यापक समझौते की संभावना का संकेत देता है। व्यापार असंतुलन को हल करके विश्व स्थिरता की नींव एक मज़बूत भारत-अमेरिका गठबंधन हो सकता है।

डॉ० सत्यवान सौरभ
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार, आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

काले हुए जा रहे हैं

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: हम बाहरी देशों में छिपाए गए काले धन से हमें मिलने वाले पैसों की राह अब तक देख रहे हैं। उस इंतजार ने हमारे ब्राइट फ्यूचर को ब्लैक यानी काला कर दिया। फिर हमें कहा गया कि नोट बंदी से जो काला धन निकलेगा, वह विकास करेगा (पता नहीं किसका विकास?)। उसने भी हमारा मुंह काला कर दिया। हम देश की समस्याओं को छोड़कर मजहबों की मुर्गों की लड़ाई से भी दो चार हुए और हो रहे हैं। हमारा कल्याण तो कुछ हुआ नहीं कल्याणकारी योजनाओं के नाम पर महंगाई और कर वसूली बढ़ गई तो हम काले पड़ गए ज्यादा मेहनत करने के चक्कर में। अपने द्वारा कल्याण की बात कर वे हमारा कर वसूली का पैसा जब गरीबों में रेवड़ियों सी बांट रहे हैं तो इस असमानतावाद से तारे दिखे और गश खाकर गिर पड़े। बैंक से कर्जा लेकर भागे बड़े बड़े लोग और यहां बैठे बैठे एहसान पाते उद्योगपतियों को देखकर फिर से काला पड़ गया। एक निजी लोन का तीन किश्त न भरा तो काले कपड़ों में आए बोल्डर ने ऐसा ठोंका कि आंखों के नीचे काले धब्बे पड़ गए और मुहल्ले वालों के सामने इज्जत पर कालिख पुत गई अलग से। रात सपने में काले कपड़े पहने काले से भैसे पर बैठे काल यानी यमराज दिखे। हड़बड़ाकर उठ बैठा, देखा बिजली गुल, सारा कुछ काले काले अंधेरे ने घेर लिया। क्या जीवन में सारे रंगों को निगलकर सिर्फ काला रंग रह गया? साथी भुक्तभोगी दोस्तों को बताया तो वे बोले "क्यों काले सफेद हो रहे हो (लाल पीले होना मुहावरे का भी रंग बदल दिया)। कृष्ण काले थे कि नहीं। उन्होंने बचपन से लेकर कितने कष्ट झेले। कृष्ण को आदर्श मानो।" मैने कहा "मैं सुदामा का जीवन जी रहा हूं। पता नहीं कृष्ण कब आएंगे?" "तुम्हारा दिमाग चल गया है। कुछ दिन आराम। करो। सब ठीक हो जाएगा।" अचानक काले काले मेघ आसमान पर छाने लगे। हम पार्क की बैंचों से उठ पाते कि बारिश शुरू हो गई और हमारे चेहरों के काले रंग को और भी उजागर कर दिया।

डॉ टी महादेव राव, विशाखापटनम

निरंतर परिश्रम, संघर्ष और मनोबल के श्रेष्ठ परिणाम

जीवन-चिंतन

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: जिंदगी का मूल ही निरंतर संघर्ष श्रम संकल्प और प्रगति है। सकारात्मक उद्देश्य को लेकर किया गया श्रम सदैव श्रेष्ठ परिणाम देता है। श्रम और संघर्ष का कोई विकल्प ही नहीं है। निरंतर श्रम करना उच्च मनोबल बनाए रखना और सफलता की कामना और पवित्र महत्वाकांक्षा सफल मनुष्य के सच्चे मित्र होते हैं। जीवन है चलने का नाम,गति का नाम ही जीवन है। सभी समाज एवं राष्ट्र की संस्कृतियों ने यह माना है कि मनुष्य और जानवरों के बीच विभेद करने वाला प्रमुख कारक मस्तिष्क है, और मस्तिष्क ही मनुष्य को सृजनात्मक शक्ति प्रदान करता है। मनुष्य के रचनात्मक विचार नयापन लाते हैं उसे पूर्व काल से पृथक करते हुए प्रगति के पथ प्रदर्शक बनते हैं। इसे ही नवप्रवर्तन माना जाता है। नावप्रवर्तन और कुछ नहीं बल्कि समाज की परंपरागत और प्रगतिशील मानसिकता के बीच एक बड़ी लाइन खींचना है।

इसीलिए यह माना जाता है कि नवप्रवर्तन समाज मैं 3% नवाचार का निर्धारित है, शेष 97 प्रतिशत परंपरावादी विचारों के लिए है। पुराने समय से ही आर्थिक समृद्धि में नवप्रवर्तन की भूमिका को स्वीकार किया गया है चाहे वह मनुष्य के खाद्य संग्राहक से खाद्य उत्पादक में परिवर्तन हो या फिर 18वीं सदी में यूरोप की वाणिज्य क्रांति का औद्योगिक क्रांति में बदलना इन सभी में नवप्रवर्तन ने प्रेरक का काम किया है। हम चौथी क्रांति की तरफ बढ़ रहे हैं, इसलिए कहा जाता है कि विचारों को कभी सुसुप्त होने या मरने ना दिया जाए। हो सकता है आपके विचार करोड़ों डॉलर के हो । वर्तमान अर्थव्यवस्था में समृद्धि के इंजन माने जाने वाले सनराइज उद्योग, सॉफ्टवेयर, खाद्य संस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स, रोबोटिक के विकास के पीछे भी नवप्रवर्तन का हाथ है। इसी के आधार पर नगरों को स्मार्ट नगरों में बदला जा रहा है।

नवप्रवर्तन या नवाचार से मैं सिर्फ मानव जीवन की परेशानियों को न्यूनतम किया है, बल्कि मानव जीवन को आसान और सुखमय भी बनाया जा रहा है। नवप्रवर्तन और मस्तिष्क की खोज के कारण ही जापान में 6.5 रेक्टर का भूकंप सामान्य माना जाता है,जबकि भारत में यह तबाही ला सकता है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में पेनिसिलिन जैसी प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) के अविष्कार ने रोगों की संभावना को कम कर दिया एवं स्वास्थ्य प्रणाली के भावी विकास को एक गति प्रदान की है। जेनेरिक औषधि, रोबोटिक सर्जरी, जीन एडिटिंग जैसी प्रक्रिया स्वास्थ्य सुधार हेतु एक मजबूत आधार मानी जाती है। सामाजिक विकास आर्थिक समन्वयक और न्याय प्रणाली में पारदर्शिता लाने का प्रयास नवप्रवर्तन के योगदान से ही आया है।

सोशल मीडिया जैसे नवीन प्लेटफार्म ने व्यक्ति की अभिव्यक्ति के अधिकार को स्वतंत्र किया है। भारतीय अर्थव्यवस्था के ग्रामीण से आधुनिक रूपांतरण में कृषी क्षेत्र से भारी उद्योगों पर बल देने में किसानों के देश को सॉफ्टवेयर उद्योग का सिरमौर बनाने में नवप्रवर्तन का बहुत महत्वपूर्ण योगदान रहा है। भारतीय कृषि में भी आधुनिकीकरण और पाश्चात्य उपकरण का प्रादुर्भाव भी नवीन नवाचार के कारण संभव हुआ है। भारतीय राज्य को लोक कल्याणकारी राज्य से लोगों के सशक्तिकरण करने वाले राज्य में बदलने की नवप्रवर्तन की भूमिका अत्यंत सराहनीय है। इसके कारण भार मानी जाने वाली महिलाएं अब भार ढोने वाली की भूमिका में आ चुकी हैं।

इसी तरह न्यायिक क्षेत्र में जनहित याचिका की अवधारणा ने न्याय की अवधारणा को सर्वांगीण बनाने में सहायता प्रदान की है। यह अलग बात है कि केवल नवप्रवर्तन को ही एकमात्र निर्धारक कारक के रूप में नहीं माना जा सकता क्योंकि नवीन विचारों को स्वीकार करना और आगे बढ़ना बहुत हद तक समाज पर निर्भर करता है। पश्चिमी देशों में नवीन विचारों को जगह देने के कारण वहां पुनर्जागरण आया है। हमें समाज को नव परिवर्तन की तरफ जागरूक करने की आवश्यकता होगी और नवप्रवर्तन में ज्यादा से ज्यादा आर्थिक मदद देकर उस और और ज्यादा विचार-विमर्श कर नीति बनाने की आवश्यकता होगी। इस तरह हमें महात्मा बुद्ध के कथन अनुसार अपने या दूसरों के विचारों नवप्रवर्तनों को तर्क बुद्धि पर देखे जाने की जरूरत है, और फिर आगे बढ़ने का प्रयास किया जाना चाहिए।

संजीव ठाकुर
स्तंभकार , चिंतक, लेखक
रायपुर छत्तीसगढ़

शिक्षा सुधार की ओर बढ़ते कदम, सरकार के नीतियों का दिख रहा प्रभाव

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: कोरोनाकाल में एक लम्बे समय तक स्कूल एवं शिक्षा संस्थान बंद रहे, शिक्षा में इस बदलाव से पढ़ाई बहुत बाधित हुई। उस समय पालकों का भी एक स्थान से दूसरे स्थानों में पलायन होने के कारण बहुत से बच्चों का नामांकन भी प्रभावित हुआ। कोरोना के बाद बच्चे के नामांकन के विषय में यह संभावना थी कि बच्चे, विशेष रूप से बड़े बच्चे, महामारी द्वारा परिवारों में आई वित्तीय कठिनाइयों के कारण स्कूल छोड़ देंगे, यह अनुमान निराधार रहा। वास्तव में, बड़े बच्चों (15-16 वर्ष के बच्चों) का नामांकन दर लगातार बढ़ रहा है, इसके अलावा वर्तमान में नामांकित नहीं होने वाले 6-14 वर्षीय बच्चों का अनुपात 1.6% तक कम हो गया है- जो 2018 में देखे गए अनुपात का लगभग आधा है, और बच्चों के मुफ्त और अनिवार्य बाल शिक्षा का अधिकार (RTE) अधिनियम 2009 के लागू होने के बाद से एक दशक में सबसे कम है। हालांकि, 2022 में नामांकन में हमने एक बड़ा बदलाव देखा, वह सरकारी स्कूलों में नामांकन में उछाल था जो 2016 से लगातार गिर रहा था। सरकारी स्कूलों में नामांकित 6-14 वर्षीय बच्चों का अनुपात 2018 में 65.6% से बढ़कर 2022 में 72.9% हो गया था। कोरोनाकाल में बच्चों की सीखने स्थिति की बात करें तो बहुत से आंकड़े बताते है कि सरकारी और निजी दोनों स्कूलों में बच्चों के पढ़ने के स्तर में हानि हुई। कक्षा तीन और पांच के बच्चों के लिए पढ़ने का स्तर, जो 2014 और 2018 के बीच धीरे-धीरे बढ़ रहा था, 2022 में यह स्तर से नीचे गिर गया था बच्चों में "लर्निंग लॉस" देखने को मिल रहा था। महामारी के दौरान कई कम लागत वाले निजी स्कूल बंद हो गए, जिसके कारण सरकारी स्कूलों में नामांकन बढ़ सकता है। इसके अलावा, महामारी से प्रेरित वित्तीय तनाव के कारण माता-पिता अपने बच्चों को मुफ़्त शिक्षा के सरकारी स्कूलों में भेज रहे थे, देश अभी भी महामारी के बाद के हालात से निपट रहा था और यह कहना जल्दबाजी होगी कि सरकारी स्कूलों में नामांकन में वृद्धि एक अस्थायी या स्थायी बदलाव था। ASER 2024 के अनुसार नामांकन की स्थिति एक अच्छी खबर है। बड़े आयु समूहों के लिए स्कूल न जाने वाले बच्चों की संख्या जो लगातार गिर रही है, जो 2018 के स्तर से काफी नीचे है, सरकारी और निजी स्कूलों में नामांकन 2018 के स्तर पर वापस आ गया है। इससे यह पुष्टि होती है कि कोविड के वर्षों के दौरान सरकारी स्कूलों में नामांकन में वृद्धि पसंद के बजाय आवश्यकता से अधिक प्रेरित थी।

2020 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) पेश की गई थी, जिसमें पहली बार फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (FIN) पर ध्यान केंद्रित किया गया था। नीति ने स्पष्ट रूप से FIN कौशल के महत्व को मान्यता दी और NIPUN भारत मिशन के तहत कक्षा 2-3 के अंत तक सार्वभौमिक FIN प्राप्त करने के लिए लक्ष्य निर्धारित किए। 2021 की शुरुआत में, कई राज्यों ने प्राथमिक कक्षाओं में FIN कौशल में सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रम शुरू किए। संभवतः FIN कौशल को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा बहुत से प्रयास किये गए, जिसका परिणाम आज बच्चों के सीखने के स्तर में बढ़ोतरी के रूप में नजर आने लगा है । इससे भी अच्छी खबर है! महामारी के कारण हुई पढ़ाई में हुई कमी से हम न केवल पूरी तरह उबर चुके हैं, बल्कि कुछ मामलों में प्राथमिक कक्षाओं में सीखने का स्तर पिछले स्तरों से भी बेहतर है। राष्ट्रीय स्तर पर, कक्षा 3 में कक्षा 2 के स्तर का पाठ पढ़ने में सक्षम बच्चों का अनुपात 2014 में 23.6% से धीरे-धीरे बढ़कर 2018 में 27.3% हो गया और फिर 2022 में भारी गिरावट के साथ 20.5% हो गया था। दो साल बाद, हम पूरी तरह से उबर चुके हैं और कक्षा 3 के बच्चों का अनुपात जो धाराप्रवाह पढ़ने में सक्षम बच्चों का अनुपात 27.1% है। हम कक्षा 5 में भी ऐसी ही तस्वीर देखते हैं, जहाँ कक्षा 2 के स्तर का पाठ पढ़ने में सक्षम कक्षा 5 के बच्चों का अनुपात 2014 में 48% से बढ़कर 2018 में 50.5% हो गया, फिर 2022 में गिरकर 42.8% हो गया और अब 2024 में 48.8% हो गया।

अंकगणित में, 2022 में महामारी के बाद सीखने की हानि, पढ़ने की तुलना में कम थी। कक्षा 3 में कम से कम घटाव करने में सक्षम बच्चों का अनुपात 2014 में 25.4% से बढ़कर 2018 में 28.2% हो गया और 2022 में गिरकर 25.9% हो गया था, 2024 में, यह अनुपात 33.7% है, जो कि लर्निंग रिकवरी से कहीं ज़्यादा है, और पिछले दशक में हमने जो देखा है, उससे ज़्यादा है। इसी तरह, कक्षा 5 में भाग करने में सक्षम बच्चों का अनुपात 2014 में 26.1% से बढ़कर 2018 में 27.9% हो गया था, और 2022 में घटकर 25.6% हो गया था। 2024 में यह अनुपात बढ़कर 30.7% हो गया है। जो सीखने की स्थिति में बहुत अच्छे सुधार की पर संकेत कर रहा है, यह सीखने की दर में वृद्धि बनी रहे इसके लिए निरंतर ऐसे प्रयासों ध्यान केन्द्रित करने की आवश्यकता है । इस सुधार के बारे में महत्वपूर्ण बात यह है कि यह पूरी तरह से सरकारी स्कूलों द्वारा संचालित है। ग्रामीण भारत में, सरकारी स्कूल हमेशा सीखने के स्तर के मामले में निजी स्कूलों से पीछे रहे हैं। सरकारी और निजी स्कूलों के बीच सीखने के अंतर एक बहुत बड़े तथ्य को उजागर करता है । निजी स्कूलों में जाने वाले बच्चे अधिक संपन्न घरों से आते हैं और उनके माता-पिता अधिक शिक्षित होते हैं - घरेलू विशेषताएँ जो सीखने से सकारात्मक रूप से संबंधित हैं। इसलिए, सीखने के स्तर में पूरे अंतर को स्कूल के प्रभाव के लिए जिम्मेदार ठहराना गलत है। फिर भी, इन घरेलू विशेषताओं को नियंत्रित करने के बाद भी, निजी स्कूलों में सरकारी स्कूलों की तुलना में सीखने में बढ़त है। एनुअल स्टेटस ऑफ़ एजुकेशन रिपोर्ट 2024 के आंकड़ों में हम जो देखते हैं, वह यह है कि सुधार वास्तव में सरकारी स्कूलों में हुआ है, निजी स्कूलों में सीखने का स्तर अभी भी उनके महामारी से पहले के स्तर से नीचे है। उदाहरण के लिए, 2018 में कक्षा 3 के निजी स्कूलों में 40.6% की तुलना में सरकारी स्कूलों में 20.9% बच्चे, कक्षा 2 के स्तर का पाठ पढ़ने में सक्षम थे। 2022 में, जबकि सभी स्कूलों में सीखने के स्तर में गिरावट आई, सरकारी स्कूलों में कक्षा 3 के बच्चे जो कक्षा 2 के स्तर पर पढ़ने में सक्षम 16.3% से बढ़कर 2024 में 23.4% हो गया है। निजी स्कूलों में सीखने के स्तर में सुधार धीमा था – 2022 में निजी स्कूल में कक्षा 3 के 33.1% कक्षा 2 स्तर का पाठ पढ़ सकते थे जो 2024 में कुछ ही सुधार से 35.5% तक पहुँचा है।

सीखने के स्तर में अचानक सुधार किस वजह से हुआ है? राष्ट्रीय अनुमानों में बदलाव आम तौर पर धीमा होता है और सीखने का स्तर जो 2010 तक स्थिर था, उसके बाद थोड़ा कम हुआ, केवल 2014 और 2018 के बीच धीरे-धीरे सुधार हुआ। यह सब कुछ राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल पर फोकस की ओर इशारा करता है। हालाँकि यह पहली बार नहीं है कि सीखने में सुधार के लिए कार्यक्रम पेश किए गए हैं, लेकिन जो अलग है वह यह है कि यह पहली बार है कि बुनियादी सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए एक व्यवस्थित राष्ट्रीय प्रयास किया गया है। आम तौर पर, पिछले वर्षों में स्कूल के शिक्षक "पाठ्यक्रम को पूरा करने" के लिए काम करते थे। नतीजतन, सीखने के स्तर और गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई पर ध्यान देना चुनौतीपूर्ण काम होता था। पहली बार, NIPUN भारत के तहत, देश भर के शिक्षकों को बुनियादी कौशल पर ध्यान केंद्रित करने के लिए एक अलग कार्य दिया गया है, जिसके माध्यम से शिक्षा में सकारात्मक बदलाव देखने के लिए मिलने लगे है । कुछ राज्यों में सीखने के स्तर में बहुत अच्छा सुधार देखने को मिलता है, कुछ राज्यों ने महामारी-पूर्व सीखने के स्तर में आई कमी को पार कर लिया है, और अन्य अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं। फिर भी, लगभग सभी राज्यों में 2022 की तुलना में सुधार दिखाई देता है। उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और तमिलनाडु जैसे कम प्रदर्शन करने वाले राज्यों में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उदाहरण के लिए, मध्य प्रदेश के मामले पर विचार करें - 2014 में, सरकारी स्कूल के कक्षा 3 के केवल 8.1% बच्चे कक्षा 2 के स्तर का पाठ पढ़ सकते थे, और 2018 में यह अनुपात धीरे-धीरे बढ़कर 10.4% हो गया। 2022 में कक्षा 3 यह अनुपात घटकर 7.9% हो गया था। 2024 में, कक्षा 2 के स्तर पर पढ़ने में सक्षम सरकारी स्कूल के कक्षा 3 के बच्चों का अनुपात लगभग दोगुना बढ़कर 14.8% हो गया है। इस तरह के सुधार को सिर्फ़ सुधार नहीं कहा जा सकता, यह एफएलएन क्षमताओं को बेहतर बनाने के लिए गंभीर ध्यान और प्रयास को दर्शाता है। इस प्रयास ने अंकगणित में, कक्षा 5 के सीखने के स्तर में भी अच्छा परिणाम दिया है - मध्य प्रदेश के सरकारी स्कूलों में सीखने का स्तर पिछले 20 वर्षों में कभी इतना अधिक नहीं रहा।

एक महत्वपूर्ण बात यह है कि मध्य प्रदेश जो हमेशा से कम उपस्थिति वाला राज्य रहा है, प्राथमिक विद्यालयों में उपस्थिति 2018 से 60% से कम रही है, जो अभी भी सामान बनी हुई है । स्कूलों में बच्चों की उनके सीखने के परिणामों को स्पष्ट रूप प्रभावित करती है, मध्यप्रदेश ने बच्चों का सार्वभौमिक नामांकन करने में सफलता पा ली है परन्तु बच्चों को स्कूल तक लाना एक बहुत बड़ी चौनौती है, जिस पर तुरंत उपचारात्मक कार्य करने की आवश्यकता है। बच्चों की उपस्थिति के अनुपात में सीखने के स्तर में भी सुधार के परिणाम देखे जा सकते है। कुछ राज्यों ने सीखने के स्तर में में बड़ी बढ़त दर्ज की है, जो महामारी के कारण सीखने में आई कमी की लगभग भरपाई है। यह स्पष्ट है कि पहली बार, देश प्राथमिक विद्यालय के बच्चों में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता में सुधार के एक मिशन की ओर एकजुट हो रहा है। भारत एक अत्यंत विविधतापूर्ण देश है, जिसमें राज्यों में बहुत भिन्नता है। पहली बार, NEP ने पूरे देश के लिए स्पष्ट FLN लक्ष्य निर्धारित किए हैं, और राज्य इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए अलग -अलग रास्ते खोज रहे हैं।

श्याम कुमार कोलारे
वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता, भोपाल

नवाचार, व्यापार और रक्षा: भारत-अमेरिका साझेदारी का स्वर्ण युग

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दो दिवसीय अमेरिका यात्रा भारत-अमेरिका संबंधों में एक नए स्वर्णिम युग का सूत्रपात करने वाली सिद्ध हुई। इस महत्वपूर्ण दौरे ने न केवल दोनों देशों के द्विपक्षीय सहयोग को अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक पहुंचाया, बल्कि वैश्विक परिदृश्य में भारत की बढ़ती साख को और अधिक मजबूती प्रदान की। प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच व्यापार, रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और प्रौद्योगिकी जैसे रणनीतिक विषयों पर गहन विमर्श हुआ। इस यात्रा ने भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी को अटूट विश्वास और शक्ति से भर दिया, जिससे भारत की अंतरराष्ट्रीय भूमिका और भी प्रभावशाली हो गई।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस ऐतिहासिक यात्रा के दौरान भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों को नई मजबूती देने हेतु कई महत्वपूर्ण और दूरगामी फैसले लिए गए। दोनों राष्ट्रों ने व्यापार संतुलन को सुधारने के लिए बहुआयामी रणनीति पर सहमति व्यक्त की, जिससे द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को नई गति मिलेगी। अत्याधुनिक तकनीकों के आदान-प्रदान और सेमीकंडक्टर उद्योग में साझेदारी को प्रोत्साहित करने के लिए ठोस पहल की गई। व्यापारिक विस्तार और आर्थिक समृद्धि के नए द्वार खोलने हेतु कई अहम समझौतों पर विचार किया गया, जिससे नवाचार और औद्योगिक प्रगति को सशक्त दिशा मिलेगी। भारत के उभरते स्टार्टअप इकोसिस्टम को समर्थन देने के उद्देश्य से अमेरिकी कंपनियों द्वारा निवेश की संभावनाओं पर भी गंभीर चर्चा हुई। यह रणनीतिक सहयोग न केवल दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं को सुदृढ़ करेगा, बल्कि वैश्विक व्यापारिक परिदृश्य में उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त भी प्रदान करेगा।

भारत-अमेरिका रक्षा सहयोग इस ऐतिहासिक यात्रा की धुरी बना, जहां दोनों देशों ने रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने के संकल्प को सुदृढ़ किया। अमेरिका ने भारत को अत्याधुनिक रक्षा उपकरणों की आपूर्ति पर सहमति जताई, जिससे भारतीय सैन्य क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि होगी। प्रस्तावित एफ-35 स्टील्थ फाइटर जेट्स की डील न केवल भारत की वायु शक्ति को सशक्त करेगी, बल्कि द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को भी नए आयाम प्रदान करेगी। इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए क्वाड (QUAD) साझेदारी को और प्रभावी बनाने पर विशेष बल दिया गया, जिससे क्षेत्रीय सुरक्षा तंत्र को मजबूती मिलेगी। हिंद महासागर क्षेत्र में नौसैनिक सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए संयुक्त सैन्य अभ्यास और अत्याधुनिक रक्षा तकनीकों के आदान-प्रदान पर भी सहमति बनी। यह रणनीतिक सहयोग भारत की समुद्री सुरक्षा नीति को और धारदार बनाएगा तथा वैश्विक शक्ति संतुलन में भारत की भूमिका को और प्रभावशाली बनाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस महत्वपूर्ण यात्रा में वैश्विक और क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों पर व्यापक और गहन विमर्श हुआ। भारत-चीन सीमा विवाद को लेकर अमेरिका ने मध्यस्थता की पेशकश की, लेकिन भारत ने अपने कूटनीतिक और सामरिक आत्मनिर्भरता पर पूर्ण विश्वास जताते हुए वार्ता के स्वदेशी समाधान को प्राथमिकता देने का स्पष्ट संकेत दिया। आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई को और अधिक धारदार बनाने के लिए भारत और अमेरिका ने अपने संकल्प को नए आयाम दिए। दोनों देशों ने आतंकवाद विरोधी अभियानों में सहयोग बढ़ाने, खुफिया जानकारी के प्रभावी आदान-प्रदान, और साइबर सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए ठोस रणनीतिक कदम उठाने का निर्णय लिया। यह साझेदारी न केवल वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ एक मजबूत प्रतिरोध खड़ा करेगी, बल्कि दोनों देशों की सुरक्षा क्षमताओं को भी अभूतपूर्व सशक्त बनाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस यात्रा में ऊर्जा और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा देने के लिए कई दूरगामी निर्णय लिए गए। हरित ऊर्जा, स्वच्छ ईंधन और उन्नत अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए भारत और अमेरिका ने दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी की प्रतिबद्धता दोहराई। भारत की ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने और वैज्ञानिक नवाचार को गति देने के उद्देश्य से संयुक्त निवेश की सहमति बनी, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को नया आयाम मिलेगा। अमेरिका ने प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल की आपूर्ति बढ़ाने का आश्वासन दिया, जिससे भारत की ऊर्जा निर्भरता संतुलित होगी और वैश्विक ऊर्जा बाजार में उसकी स्थिति और मजबूत बनेगी। साथ ही, जलवायु परिवर्तन से निपटने और सतत विकास को प्रोत्साहित करने के लिए दोनों देशों ने हरित तकनीकों और नवीकरणीय ऊर्जा समाधानों पर सहयोग को और विस्तारित करने का निर्णय लिया। यह रणनीतिक गठबंधन भारत को ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर करेगा और पर्यावरण संरक्षण में वैश्विक नेतृत्व की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इस ऐतिहासिक अमेरिका यात्रा को भारतीय विदेश मंत्रालय ने अत्यंत प्रभावशाली, उपयोगी और दूरदर्शी करार दिया। इसे भारत-अमेरिका रणनीतिक गठबंधन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाला स्वर्णिम अवसर माना गया। इस दौरे ने न केवल द्विपक्षीय व्यापार, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग को नई दिशा दी, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की सशक्त उपस्थिति को और अधिक प्रभावशाली बना दिया। इस यात्रा के फैसलों के दूरगामी प्रभाव होंगे, जो न केवल भारत-अमेरिका संबंधों को अभूतपूर्व मजबूती प्रदान करेंगे, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन को भी नए आयाम देंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने इस यात्रा को भारत-अमेरिका मैत्री और रणनीतिक साझेदारी के एक नए युग की आधारशिला बताते हुए इसे भारत की वैश्विक नेतृत्व भूमिका को निर्णायक रूप से सुदृढ़ करने वाला कदम कहा।

यह दौरा व्यापार, रक्षा, प्रौद्योगिकी और नवाचार के क्षेत्र में असीम संभावनाओं के द्वार खोलने वाला सिद्ध हुआ, जिससे भारत की आर्थिक और सामरिक शक्ति को नई ऊर्जा मिलेगी। इस ऐतिहासिक यात्रा के परिणाम दोनों देशों के दीर्घकालिक हितों को साधने के साथ-साथ वैश्विक राजनीति में भारत की स्थिति को और अधिक सशक्त बनाएंगे। यह यात्रा भारत को एक आत्मनिर्भर, निर्णायक और वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक मील का पत्थर सिद्ध होगी।

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"
बड़वानी (मप्र)

देश भर में पत्रकारों को मिले एक समान पेंशन

पेंशन पाने के लिए आपको हरियाणा सरकार से पांच साल की अवधि के लिए मान्यता प्राप्त होना चाहिए। इस आदेश के तहत बीस साल से इस क्षेत्र में काम कर रहे पत्रकारों को पेंशन मिलेगी। 30 से 40 साल तक अख़बार के लिए रिपोर्टिंग करने के बाद, जिन पत्रकारों को पांच साल तक हरियाणा सरकार से मान्यता नहीं मिली है, उन्हें कोई लाभ नहीं मिलेगा। सभी पत्रकारों को सरकारी मान्यता मिले, यह सुनिश्चित करने के लिए हरियाणा सरकार को साठ साल की उम्र तक पहुँचने वाले सभी पत्रकारों को पत्रकार पेंशन देनी चाहिए। ऐसा करने के लिए, तहसील स्तर पर पत्रकारों को मान्यता देने पर सहमति होनी चाहिए। इसलिए, सामाजिक सुरक्षा और पेंशन के सम्बंध में, सरकार को एक राष्ट्रीय टीम का गठन करना चाहिए। जो राज्यों और केंद्र की नीतियों पर शोध करेगी और सभी पत्रकारों को एक टुकड़ा देने के बजाय एक सभ्य पेंशन प्रदान करेगी। जो केंद्र और राज्यों की योजनाओं का अध्ययन करे और टुकड़े-टुकड़े में कुछ को कुछ देने के बजाए सभी पत्रकारों को सम्मानजनक पेंशन दे।

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: सरकार अभी भी पेंशन को अपनी जिम्मेदारी मानती है। उसने पेंशन ख़त्म नहीं की है। वह कई तरह की पेंशन देती है। विधायक और सांसद दोनों को पेंशन मिलती है। विधायक, सांसद और राज्यसभा सदस्य बनने के बाद आप तीन तरह की पेंशन पाने के हकदार होते हैं। कुछ लोगों को तीन तरह की पेंशन मिलती है और कुछ को एक भी नहीं मिलती। कुछ राज्यों में पुरस्कार विजेताओं को भी पेंशन मिलती है, यह कैसा न्याय है? गरीब और शोषित लोगों की आवाज़ पत्रकारों के जरिए उठती रही है। इन लोगों के पास अपने शब्दों की ताकत की बदौलत कई काम किये हैं। अब ज़रूरी है कि दूसरे जनप्रतिनिधि और समुदाय भी पत्रकारों के लिए अपनी आवाज़ उठाएँ। अपने जीवन स्तर को बेहतर बनाने के लिए वे पत्रकारों के मुद्दे को उठाएँ और मौलिक अधिकारों के लिए लड़ें। यह दुखद है कि हमारे पत्रकार वंचितों के अधिकारों की वकालत करते हैं। वे अपना काम करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। वे अपने प्रियजनों की चिंताओं से बचने के लिए सुबह से शाम तक भागते रहते हैं।

जब तक वे किसी समस्या का समाधान नहीं कर लेते, तब तक वे काम करना बंद नहीं करते। हालांकि, वे अपने मुद्दों के बारे में लिखने में असमर्थ हैं। अभी तक श्रम संसाधन विभाग ने पत्रकारों को कुशल श्रमिकों की सूची में नहीं रखा है। विशेष रूप से, पत्रकारों के सामने तीन महत्त्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिनका समाधान किया जाना आवश्यक है। पेंशन के लिए कार्य अनुभव से सम्बंधित नियमों को ढीला किया जाना चाहिए ताकि सरकारी मान्यता की आवश्यकता को समाप्त किया जा सके। इसके अलावा, ग्रामीण पत्रकारों को मान्यता देने के लिए सरकार को अपने राजपत्र में ज़िला और उपखंड के बाद ब्लॉक को शामिल करना चाहिए। पत्रकारों को भी श्रम संसाधन विभाग का हिस्सा होना चाहिए। कुशल मजदूरों की सूची में वे कुशल कर्मचारी शामिल हैं जो सामग्री तैयार करते हैं। गर्मी, सर्दी और बरसात की परिस्थितियों में पत्रकार चौबीसों घंटे काम करते हैं। श्रमिक के काम का एक समय होता हैं लेकिन पत्रकार के काम करने के घण्टे तय नहीं होते। पत्रकार और पत्रकारिता दोनों संक्रमण काल के दौर से गुजर रहे हैं।

पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए भारत सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों को भी क़दम उठाने चाहिए। सरकार को पत्रकार उत्पीड़न के समाधान के लिए योजना बनानी चाहिए, क्योंकि यह एक गंभीर मुद्दा है। आज कार्यरत सभी पत्रकारों को चिकित्सा सुविधा, पत्रकारों के लिए सुरक्षा, पेंशन और डेस्क कर्मियों के लिए प्रेस मान्यता की तत्काल आवश्यकता है। ग्रामीण पत्रकारों को सरकार द्वारा पत्रकार के रूप में मान्यता प्रदान की जानी चाहिए। श्रम संसाधन विभाग को कुशल श्रमिकों की स्थिति को रेखांकित करते हुए एक सूची प्रकाशित करनी चाहिए और अपने राजपत्र में संशोधन करना चाहिए। पत्रकार समुदाय जल्द ही बीमा और अन्य श्रमिक-प्रदत्त सुविधाओं जैसे लाभों का लाभ उठा सके। पत्रकार भी सक्षम पेशेवर हैं। वे सामग्री का योगदान करते हैं, जिसे बाद में समाचार पत्र में बदल दिया जाता है। एक समाचार पत्र एक उत्पाद है और हमारे पत्रकार विशेषज्ञ श्रमिकों के रूप में इसे बनाने में भूमिका निभाते हैं। इसलिए, सरकार को इस पर तुरंत विचार करना चाहिए। पत्रकार पेंशन योजना और पत्रकार बीमा योजना पत्रकारों के कल्याण के लिए दो महत्त्वपूर्ण कार्यक्रम हैं जिन्हें सरकार को इसके अलावा उचित रूप से लागू करना चाहिए।

पत्रकार पेंशन योजना का लाभ कुछ पत्रकारों को मिलता है। हालांकि, कई पत्रकार पेंशन योजना के लिए पात्र नहीं हैं। इसके लिए पत्रकार पेंशन योजना के नियमों में ढील की ज़रूरत है। वर्तमान में विभिन्न राज्यों में पत्रकार पेंशन पाने वालों के लिए अलग-अलग शर्तें हैं। उदाहरण के लिए, हरियाणा में बीस साल के कार्य अनुभव के अलावा पांच साल की सरकारी मान्यता की आवश्यकता होती है। इसका खामियाजा बड़ी संख्या में वरिष्ठ पत्रकारों को भुगतना पड़ता है। नतीजतन, यदि इस नियम में ढील दी जाती है तो पत्रकारों को पत्रकार बीमा योजना जैसे हलफनामों के आधार पर पेंशन मिलनी चाहिए। पेंशन पात्रता वरिष्ठ पत्रकार के दस साल के कार्य अनुभव के आधार पर होनी चाहिए, जिसमें 60 साल की आयु सीमा होनी चाहिए। पत्रकार पेंशन योजना के अनुसार उन्हें उनके हलफनामे और साठ साल की आयु के आधार पर पेंशन मिलनी चाहिए। कार्य अनुभव प्रमाण पत्र के सम्बंध में सरकार को प्रत्येक जिले के ज़िला सूचना जनसंपर्क विभाग से सूची उपलब्ध करानी चाहिए। पत्रकार जब भी चुनाव में जाते हैं तो चुनाव आयोग के माध्यम से ज़िला निर्वाचन अधिकारी द्वारा जारी पहचान पत्र प्रस्तुत करते हैं।

इसके अलावा, पत्रकार प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य प्रमुख कार्यक्रमों को कवर करते हैं। समाचार कवरेज के दौरान विभिन्न प्रमुख राजनीतिक दल और ज़िला सरकार विशेष पहचान पत्र जारी करते हैं। नतीजतन, सरकार समाचार कवरेज और चुनाव सम्बंधी कार्य अनुभव का रिकॉर्ड रखती है। पत्रकारों को उनके प्रदर्शन के आधार पर सरकार से पेंशन मिलनी चाहिए। सरकारी बसों में मुफ्त परिवहन और पत्रकारों के लिए बीमा कार्यक्रम की पेशकश के अलावा, प्रत्येक जिले में मीडिया केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए ताकि मीडियाकर्मी बिना किसी परेशानी के अपना काम कर सकें। सरकार कई तरह की सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम चलाती है। कुछ संघीय और राज्य स्तर के कार्यक्रम चल रहे हैं। कोई किसानों को 6, 000 दे रहा है, तो कोई 10, 000 दे रहा है। कुछ बेरोजगारी भत्ता देते हैं, तो कोई कुछ और। कहीं एक हज़ार का वृद्धावस्था पेंशन है तो कहीं दो हज़ार का। कोई तीर्थ यात्रा करा रहा है तो कोई आरती करा रहा है।

बहुत से वरिष्ठ पत्रकार लिखते हैं कि वे नियमित रूप से जीविका नहीं कमा पाते। वे रिटायरमेंट के बाद किसी तरह अपने ख़र्च पर नियंत्रण रखेंगे। अगर बच्चे मदद करने में असमर्थ हैं तो भगवान ही एकमात्र विकल्प है। हर बच्चा इतना पैसा नहीं कमा पाता कि सभी का भरण-पोषण कर सके। इसका नतीजा पारिवारिक कलह के रूप में सामने आता है। इसलिए, सरकार को सामाजिक सुरक्षा और पेंशन के लिए एक राष्ट्रीय टीम का गठन करना चाहिए। जो केंद्र और राज्यों की योजनाओं पर शोध करे और कुछ पत्रकारों को कुछ देने के बजाय सभी पत्रकारों को एक अच्छी पेंशन प्रदान करे।

डॉ० सत्यवान सौरभ,
कवि,स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार,
आकाशवाणी एवं टीवी पेनालिस्ट,
बड़वा (सिवानी) भिवानी, हरियाणा

साईं मन्दिर के स्थापना दिवस पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (ऋषि कान्त मिश्र) पीरपैंती-: प्रखण्ड के चौखंडी स्थित साईं बाबा मंदिर के सातवें स्थापना दिवस पर तीन दिवसीय कार्यक्रम के तहत शनिवार को पालकी शोभा यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर गाजे बाजे और ढोल नगाड़े के साथ पारंपरिक परिधान से विभूषित हजारों नर नारी शोभायात्रा में शामिल हुए। शोभा यात्रा का स्वागत अलग-अलग जगहों पर लोगों ने पुष्प वर्षा कर की।

वहीं मानिकपुर मुखिया अरविंद साह, भाजपा नेता बरमेश्वर राय, अरुण राय, अनिल राय, सरपंच मुन्ना सिंह, कुलदीप खेतान, अरविंद रिखियासन, अरबिंद पंडित, बिनोद मंडल, सूरज सिंह, छोटु सिंह सहित कई गणमान्य लोग बढ़-चढ़कर शामिल हुए।

वहीं कार्यक्रम संयोजक अनुज कुमार सिंह ने बताया कि 16 फरवरी को साईं चरित्र का पाठ एवं स्कूली बच्चों के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है।

जबकि 17 फरवरी को प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी भागलपुर के प्रख्यात चिकित्सक पी० राम केडिया के नेतृत्व में स्वास्थ जांच शिविर एवं मुफ्त दवा वितरण कार्यक्रम व विशाल भंडारा का आयोजन किया गया है।

केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे की उपस्तिथि में श्रीलंका मंत्री के साथ हुई बैठक

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (नई दिल्ली): भारत–श्रीलंका द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करने हेतु खान मंत्रालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है, नई दिल्ली स्थित शास्त्री भवन में केंद्रीय कोयला एवं खान राज्य मंत्री सतीश चन्द्र दुबे और श्रीलंका मंत्री सुनील हंडू नेट्टी के साथ महत्वपूर्ण खनिजों पर सहयोग बढ़ाने के लिए उपयोगी बैठक हुई, श्रीलंका के ग्रेफाइट एवं अन्य खनिज संसाधनों और भारत की खनन विशेषज्ञता के साथ, खनिज अन्वेषण, कौशल विकास और भारत श्रीलंका एमओयू को तेजी से लागू करने पर चर्चा हुई.

वक्त के नाम, वक्त के डॉक्टर, वक्त के वैद्य और वक्त के गुरु से ही काम बनता है- बाबा उमाकान्त जी महाराज

अपनी रक्षा और दूसरे की रक्षा करने में जयगुरुदेव नाम फायदा करेगा

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (उज्जैन): वक्त गुरु परम पूज्य बाबा उमाकान्त जी महाराज ने बताया कि वक्त के नाम से, वक्त के डॉक्टर से, वक्त के वैद्य से और वक्त के गुरु से ही काम बनने वाला होता है। जैसे आपके पिताजी जिस मास्टर साहब से पढ़े थे और वह अब इस दुनिया में नहीं रहे, अब अगर आप कहो कि हम अपने लड़के को उनसे पढ़ा कर के डिग्री-डिप्लोमा कराएंगे तो कहाँ से करवा पाओगे? डॉक्टर जो पहले इलाज करते थे लेकिन वह अब नहीं रहे और आप कहो कि हम अपनी पत्नी का, अपने पति का इलाज उनसे करवा लेंगे, तो कैसे करवा पाओगे? इसीलिए वक्त के डॉक्टर, वक्त के वैध, वक्त के मास्टर और वक्त के गुरु की जरूरत होती है। और इसी प्रकार वक्त के नाम की जरूरत होती है। डॉक्टर भी, वैध भी, मास्टर भी और गुरु भी, ये सब समय- समय पर आते हैं और रहते हैं। गुरु वक्त का नाम भी जगाते हैं।

इस समय पर ये जो 'जयगुरुदेव' नाम है, ये प्रभु से जुड़ा हुआ है। इस नाम को आप कोई भी मुसीबत में, तकलीफ में बोलोगे तो प्रभु आपकी मदद करेगा।

'जयगुरुदेव' नाम हर अच्छे काम में मददगार है

'जयगुरुदेव' नाम को बराबर याद रखना। यह हर मुसीबत, हर तकलीफ में मददगार है। यह हर अच्छे काम में मददगार है। और अगर जयगुरुदेव बोल कर खराब काम करने के लिए जाओगे तो पकड़े भी जाओगे। उठते- बैठते, चलते-फिरते बोलो तो ठीक रहेगा। अगर तकलीफ रहती है घरों में तो एक - एक घंटा सुबह शाम बैठो, घर वालों को बैठाओ और नामध्वनि बुलवाओ। नामध्वनि इस प्रकार बोली जाती है- "जयगुरुदेव जयगुरुदेव जयगुरुदेव जय जयगुरुदेव"।

'जयगुरुदेव' नाम उस प्रभु का नाम है

गुरु महाराज (बाबा जयगुरुदेव जी महाराज) ने कहा था कि ये 'जयगुरुदेव' नाम मेरा नाम नहीं है, ये उस प्रभु का नाम है। ये जगाया हुआ नाम है। इस नाम को मरते समय अगर कान में कोई बोल देगा तो मरने वाला आंख खोल कर के सब बताएगा, रोने-चिल्लाने वाला चुप हो जाएगा और सब बताएगा। सच्चे हृदय और परमार्थी भाव से, रक्षक भाव से अगर कोई 'जयगुरुदेव' नाम बोलेगा, तो चाहे दूसरे की रक्षा करवानी हो, चाहे अपनी रक्षा करवानी हो तो ये 'जयगुरुदेव' नाम फायदा करेगा।

विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय निर्माण समिति की बैठक में कई विषयों पर हुई चर्चा

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (ऋषिकान्त मिश्र) कहलगांव शहर स्थित गांगुली पार्क परिसर स्थित विक्रमशिला बिहार भवन में विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय निर्माण समिति कहलगांव के सदस्यों की एक आवश्यक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रधानमंत्री के आगामी 24 फरवरी को भागलपुर आगमन पर प्रसन्नता जाहिर की गई, एवं उम्मीद जताई गई कि उनके आगमन से विक्रमशिला का चतुर्दिक विकास हो सकेगा। साथ ही सर्व समिति से निर्णय लिया गया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विक्रमशिला खुदाई स्थल का परिभ्रमण करें ताकि अंतर्राष्ट्रीय मानचित्र पर इसका प्रचार प्रसार हो सके, विक्रमशिला को बौद्ध सर्किट से जोड़ा जाए ताकि इसका चौमुखी विकास हो सके, केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना जल्द हो तथा जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया को गति दी जाए, विक्रमशिला केंद्रीय विश्वविद्यालय का शिक्षण कार्य तात्कालिक तौर पर कहलगांव में ही हो, विक्रमशिला के निकट पर्यटन विभाग द्वारा वर्षों पूर्व अधिग्रहित की गई जमीन पर पर्यटक सुविधा विस्तार किया जाए ताकि सैलानियों को सुविधा मिल सके। इस संदर्भ में यह भी निर्णय लिया गया कि एक ज्ञापन जिलाधिकारी को कहलगांव के अनुमंडल पदाधिकारी के माध्यम से सुपुर्द किया जाए ताकि इसकी सूचना प्रधानमंत्री कार्यालय दिल्ली को दी जा सके। बैठक में प्रवीण कुमार राणा, चीकू सिंह रघुवंशी, पवन कुमार चौधरी, पवन कुमार भारती, पंकज कुमार गुप्ता, गौतम चौधरी, सुरेंद्र सिंह, राजकिशोर मंडल, बबलू झा उर्फ हिमांशु किशोर झा नितीन कुमार, संतोष चौधरी समेत कई लोग शामिल हुए। धन्यवाद ज्ञापन के साथ बैठक की कार्रवाई संपन्न की गई।

रंग कुदरत की मुस्कराहट है!

व्यंग्य

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (ओम वर्मा): होली हँसी खुशी और उमंग उल्हास का त्योहार है। और इसकी अभिव्यक्ति या मनाने का प्रचलित और सर्वमान्य तरीका है एक दूसरे पर रंग लगाना। प्रसिद्ध अँगरेजी साहित्यकार ले हंट (Leigh Hunt) के अनुसार "रंग कुद्रत की मुस्कराहट है।" एक अन्य दार्शनिक (जोनाथन स्विफ़्ट) ने कहा था कि "दुनिया के सबसे बुद्धिमान व्यक्ति वो होते हैं जो रंगों के बारे में सबसे ज़्यादा सोचते हैं।"

भले ही यह हिंदुओं का त्योहार है, मगर कई जगह कुछ समय पहले तक इसे आनंद और सद्भाव का पर्व मानते हुए अन्य संप्रदाय के लोग भी कम से कम रंग खेलने में तो बराबरी से सहभागिता किया करते थे। तब न रंग लगाने वाला कोई संकोच करता था और न ही लगवाने वाला बुरा मानता था। मगर अब न जाने क्यों रंग फीके पड़ते जा रहे हैं। रंगों को भी शिकायत है कि अब न वैसे लगाने वाले बचे और न ही वैसे लगवाने वाले। अपने अंदर ऐसी भंग पड़ती देखकर आज सारे रंग ख़ुद दंग हैं।

संस्कृति के इस पतन को लेकर मैं चिंतित हूँ। लेकिन इसका हल है। सारे रंगबाज़ एक टोली बनाकर निकलें। सभी 'ले के रहेंगे- आज़ादी', 'मुँह रँगने की-आज़ादी', 'कपड़े रँगने की –आज़ादी', 'टब में पटकने की-आज़ादी', 'साली को रँगने की-आज़ादी'...जैसे जोशीले नारे लगाते हुए, सामने आते हर बेरंग शख़्स को रँग दें और श्वेत-श्याम होती जा रही इस दुनिया को कम से कम एक दिन के लिए ही सही, रंगीन बना दें। आज हमें ऐसे नेता की ज़रूरत है जो यह चुनौती दे सके कि "सिर्फ़ आज (होली) के दिन अगर मात्र पंद्रह मिनट के लिए देश से पुलिस हटा ली जाए तो सबको अपने रंग में न रँग दूँ तो मेरा नाम बदल देना।"

मोटा भाई अगर ये घोषणा कर दें कि "भाइयों और बहनों! आज के दिन सबको रंग खेलना अनिवार्य है। कल नागरिकता पंजी वाले आपके घर आएँगे। जो भी अपने रंग लगे चेहरे की सेल्फ़ी दिखा देगा उसे अन्य कोई दस्तावेज़ नहीं दिखाना पड़ेगा", तो यकीन मानिए, हर कहीं रंग ही रंग दिखाई देंगे। दिल्ली में तो मफ़लरवाले सर 'रंग खेलना चाहिए या नहीं', इस बात के लिए चाहें तो ओपिनियन पोल करवा लें, होली के दिन हर घर में मुफ्त रंग बँटवा दें, पाँच सौ लीटर पानी मुफ्त देने की घोषणा कर दें, फिर सारी दिल्ली ब्रजभूमि न बन जाए तो कहना।

जहाँ तक यूपी का सवाल है, सभी जानते हैं कि फाग उत्सव की शुरुआत ही वहाँ से हुई है। वहाँ होली के दिन तो माहौल कुछ ऐसा बन जाना चाहिए कि कोई राह चलता ग़लती से भी पूछ बैठे कि "क्या चल रहा है?" तो हर कहीं से एक ही आवाज़ आए कि "फाग चल रहा है।" योगी जी चाहें तो निष्क्रिय बैठे 'एंटी रोमियो स्क्वाड' को फिर से सक्रिय कर एफ़पीएस यानी 'फाग प्रमोटिंग स्क्वाड' के रूप में आज के लिए सक्रिय कर पूरे यूपी को रंगीन बना सकते हैं।

जहाँ तक बंगाल का सवाल है, वहाँ 'अश्वत्थामा हतो नरों वा कुजरों वा' वाली कूटनीति से काम लेना होगा। अगर वहाँ यह अफ़वाह फैला दी जाए कि मोदी जी ने रंग न खेलने का आह्वान किया है तो विरोधस्वरूप दीदी अपने पूरे मंत्रिमंडल के साथ रंग खेलने निकल पड़ेंगी। जब तक यह कंफ़र्म होगा कि आह्वान हरेंद्र मोदी ने किया है जिसे नाम की ध्वनि समान होने के कारण नरेंद्र समझ लिया गया है, तब तक तो पूरा बंगाल नंदलाल बोस और गुरुदेव के चित्रों कि तरह रंगीन हो जाएगा।

एमपी वालों को मेरी सलाह है कि कोई रंग लगवाने से इनकार करे तो उसे सिर्फ़ इतना भर डराने की ज़रूरत है कि "सीधी तरह से रंग लगवा ले नहीं तो हनी ट्रैप या व्यापम में नाम आ जाएगा!" फिर भी न माने तो क्रिकेट का बल्ला दिखाना भर काफी होगा। उधर बिहार में नीतीसे बाबू (नीतीशकुमार) ने शराबबंदी क्या करी, लोगों ने फगवा खेलना ही बंद कर दिया और छेनू के कहे बगैर ही खामोश हो गए हैं। इसलिए जिस तरह मद्यप्रदेशों में सिर्फ़ राष्ट्रीय त्योहारों पर तालाबंदी की जाती है, उसी तरह सुशासन बाबू पूरे साल जारी रहने वाली शराबबंदी पर सिर्फ़ होली के दिन छूट दे दें तो बिहार के बेशक़ीमती चारे की क़सम, वहाँ ऐसा फाग मचेगा कि लोग ब्रज को भूल जाएँगे।

रंगप्रेमी मित्रों! इस समय देश में विरोध करने की कुछ ऐसी हवा चल पड़ी है कि कौन कब किस बात का विरोध करने लग जाए यह ख़ुद उसे पता नहीं होता। हो सकता है कि रंग खेलने वालों के विरोध में भी धरने-प्रदर्शन आदि शुरू हो जाएँ। ये विरोध करने वाले रंगों से आज़ादी माँग सकते हैं। 'तुम किस किस पे रंग डागे, हर घर से बेरंग निकलेगा' टाइप के नारे भी सुनाई देंगे। मगर हमें दुनिया में रंगों की सत्ता कायम करनी है। आओ, मित्रों, रंगों में ऐसी जान डाल दें कि नेत्रों से वंचित दिव्यांगजन भी कुद्रत की मुस्कराहट को महसूस कर सकें।

BHOLA ELECTRICAL
G.T.ROAD NEAMATPUR, AASANSOL WEST BENGAL – 713359
ALL KIND OF ELECTRICAL JOB : CONTACT : 9064588166
SALES, SERVICE & CCTV CAMRA INSTALLATION,
HOUSE WIRING, MOTER & FAN WINDING

व्यंग्य बाणों के कुशल साधक: डॉ. टी महादेव राव

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025

दर्द पर मधुमास होता है, तब गीतकार जन्म लेता है
दर्द का अहसास होता है, तब ललकार जन्म लेता है
बेजुबॉ दर्द को कलमकारों से ही जुबॉ मिलती है
दर्द का उपहास होता है, तब व्यंग्यकार जन्म लेता है

जीवन संघर्ष में जब दर्द को सहानुभूति मिलती है, तो वह मरहम बन जाता है और यही दर्द जब उपेक्षित होता है तो ज्वाला भी बन सकता है। ऐसे हालात में जब व्यक्ति स्वयं मुखर नहीं हो पाता, तब कोई व्यंग्यकार कलम उठाता है। इसीलिए सजग और सटीक व्यंग्यकारों की बड़ी अहमियत है। व्यंग्यकारों के इस जमात में एक जाना-माना नाम है- डॉ टी महादेव राव। बड़े ही सुशील, विनम्र और मृदुभाषी किन्तु उनकी कलम उतनी ही उग्र, मारक और तीखी।

डॉ टी महादेव राव न केवल सशक्त व्यंग्यकार हैं, अपितु श्रेष्ठ कहानीकार, कवि और लेखक भी हैं। प्रबंधक और आयोजक तो हैं ही। वे तकनीकी पद पर भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड, कोरबा में सेवारत रहे। यहॉ से वे हिन्दुस्तान पेट्रोलियम, विशाखापट्टन गए। वहॉ वे वरिष्ठ प्रबंधक-राजभाषा के पद पर सेवानिवृत्त हुए। मैं भी बालको में सेवारत रहा, तथापि उनसे परिचय का अवसर नहीं मिला। बाद में बालको-कोरबा की

लोकनाथ साहू "ललकार"

साहित्य समितियों में उनकी रचनाधर्मिता के विषय में सुना करता था। अब् मुझे उन्हें दैनिक लोकसदन, कोरबा के सौजन्य से पढ़ने का अवसर मिला है। फेसबुक मित्रता भी है।

उनकी कविताए छंदमुक्त होती हैं, जो कल्पना के आकाश में उड़ने की बजाय, यथार्थ की तंग गलियों और पथरीली पगडंडियों में बेसहारों-बेचारो के साये तुल्य विडंबना, विसंगति और दर्द का संधान करती हैं।

ठहर गई शहर की आपा-धापी
आपस में एक-दूसरे से हम
अजनबी से लगने लगे
फासले क्या कम थे
जो अब और भी बढ़ने लगे।

आज दुनिया आभासी रिश्तों की चपेट में है । वस्तुतः यह हमारी जीवंत सामाजिकता के उलट है । इसीलिए स्वार्थ की बुनियाद से वे लोगों को आगाह करते हैं

वे रिश्ते अब भी जिंदा हैं
जिनमें थी दोनों तरफ ईमानदारी
आज वे रिश्ते मेरे जीने के मकसद हैं
मेरे मुस्कुराने की वजह हैं ।

डॉ महादेव राव के तूणीर में व्यंग्य बाणों की कमी नहीं। वे चौतरफा वार करने में निपुण हैं। विसंगति का चाम उधेड़ते हुए वे लिखते हैं- 'विकास के नाम पर विपक्ष और सत्तापक्ष के द्वंद्व युद्ध में रेफरी-सा खड़ा आम आदमी घाटे में होता है। बंद के नाम पर, रेल रोको, सड़क रोको में ज्यादा फजीहत होती है, आम आदमी की।' अपने व्यंग्य बाणों को तीक्ष्ण करने के लिए बड़ी ही कुशलता से मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग करते हैं- 'वह धोबी के ऐसे कुत्ते की तरह है जो न घर का है, न घाट का। दुविधा में दोनों गए, माया मिली न राम वाली स्थिति होती है उसकी।' उनकी भाषा बड़ी सहज-सरल होती है। लेखन में क्रमबद्धता होती है। इसीलिए उनकी रचनाए नदी-सी प्रवाह लिए होती हैं। उनकी खासियत है कि वे पाठक को नीरस नहीं होने देते। उन्हें गुदगुदाते-मुस्कुराते अपने साथ रखते हैं और चिंतन की भाव-भूमि तैयार कर पाठक को मुक्त कर देते हैं। निस्संदेह, पाठक उनके चिंतन के रंग में रंग जाता है। किसी भी लेखक या कवि की यही सफलता है। बधाइयॉ और अशेष शुभकामनाए ...

लोकनाथ साहू ललकार, दुर्ग

जिंदा हैं झूठ पर

व्यंग्य

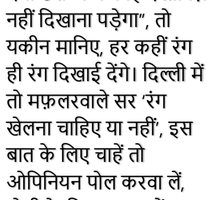

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (डॉ टी महादेव राव): मैं सच ही कहूंगा पर कोई यकीं नहीं करेगा, वो झूठ भी बोलेगा और लाजवाब कर देगा

आजकल कमोबेश यही बात हो रही है हमारे आसपास, राज्यों और राष्ट्र में भी। सारे के सारे लोग झूठ की नींव पर अपने आलीशान सत्ता, अधिकार, पद और पैसा बना रखा है। सच बोलने में घबराते हैं और झूठ के शहंशाह बन जाते हैं। मुंह खोले तो बस झूठी बातें और वादे।

क्षेत्र के बड़े भैया से मिलने गया एक काम से। सोफे में वे बड़े मगन होकर पुराने गाने सुन रहे थे दिल सच्चा और चेहरा झूठा दिल को देखो चेहरा न देखो।

उनके कहने पर पास के सोफे में बैठा। मैंने अपने आने का मकसद बताया। वे बोले अरे आधे घंटे पहले बताते। काम हो जाता, अब तो मुमकिन नहीं है।

मैं जानता था यह सच नहीं है। इतने में उनका पी ए आया और एक कागज़ पर उनका दस्तखत लिया। उसी काम का कागज़ जिसके लिए मैं आया था लेकिन किसी और का।

वे बेझिझक बोले यह कल से पड़ा रिक्वेस्ट था।

पी ए चला गया। गाना भी बदल गया झूठ बोले कव्वा काटे। वे खिसियाने से मुझे मुस्कुराते देखते रहे।

खैर कोई बात नहीं। भैया आप बापू को मानते हैं? राजा हरिश्चंद्र को जानते हैं?

हां मैंने दोनों के बारे में जानता हूं लेकिन मैं उन्हें नहीं मानता, क्योंकि वे सच्चाई के लिए मर मिटे और बताओ क्या हासिल किया? गांधी जी गोलियों से भून दिए गए और सारा जीवन कष्ट उठाकर राजा कभी डोम कभी दास का जीवन बिताते रहे। मैं थोड़ा अलग सोचता हूं।

इसलिए आप सच्चाई से दूर भागते हैं। सिर्फ झूठ बोलते हैं, झूठ के सिवा कुछ भी नहीं। है न?

तुम शायद गुस्से में हो। खैर। सच बोलकर कौन सा खजाना मिल जाएगा जो झूठ बोलकर नहीं मिलेगा? आज की दुनियां झूठ फरेब और धोखे पर टिकी है। झूठ बोलकर वोट ले लिए कि कल्याण करेंगे पर कल्याण अपना करते हैं। सब्जबाग दिखाकर उन्हें सपनों की दुनियां में सैर कराने के धोखे दिए जाते हैं।

सही है लेकिन कब तक यह सब चलेगा? कभी न कभी तो जनचेतना जागृत होगी तब?

तुम्हें क्या लगता है वह दिन आएगा। मुझे नहीं लगता। लोग बस एक भीड़ हैं और भीड़ की चाहे लोगों की हो या भेड़ों की मानसिकता एक सी होती है।

आपका ज्ञान तो महान है।

पच्चीस सालों से राजनीति में हूं। इतना तो जानता हूं।

गाना बज रहा था सजन रे झूठ मत बोलो खुदा के पास जाना है।

मैं चला आया झूठों के सरदार से बिदा लेकर।

मुफ्तखोरी बनाम परिश्रम– न्यायपालिका की कठोर चेतावनी

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (बड़वानी/ मप्र): सर्वोच्च न्यायालय ने चुनावी लाभ के लिए मुफ्त योजनाओं के बेतहाशा वितरण पर कड़ा प्रहार किया है। न्यायालय का दो-टूक संदेश है—अगर बिना श्रम के सुविधाएँ मिलती रहीं, तो समाज में परिश्रम की भावना क्षीण हो जाएगी। यह प्रवृत्ति न केवल देश की आर्थिक रीढ़ तोड़ेगी, बल्कि लोगों को आत्मनिर्भर बनने से भी रोकेगी। सरकारों को यह समझना होगा कि अस्थायी लाभ देकर जनता को दीर्घकालिक संकट में नहीं डाला जा सकता। आज भारत आत्मनिर्भरता की राह पर बढ़ रहा है, ऐसे में यह विचारणीय है कि क्या मुफ्त योजनाएँ नागरिकों को परजीवी बना रही हैं? निश्चित रूप से वंचित वर्ग की सहायता आवश्यक है, परंतु ऐसी नीतियाँ जो परिश्रम के बजाय निर्भरता को प्रोत्साहित करें, राष्ट्र के लिए घातक हैं। समाज को मुफ्त राशन, नकद सहायता और अन्य प्रलोभनों के स्थान पर शिक्षा, स्वरोजगार और तकनीकी दक्षता की ओर अग्रसर करना होगा। लोक-लुभावन वादों से सत्ता पाना आसान है, परंतु एक सशक्त भारत निर्माण के लिए ठोस नीतियाँ आवश्यक हैं। सरकारों को ऐसी योजनाएँ लागू करनी होंगी जो लोगों को अपने पैरों पर खड़ा करें, न कि उन्हें सरकारी सहायता का मोहताज बनाएँ। सर्वोच्च न्यायालय की यह चेतावनी स्पष्ट है—राष्ट्र को मुफ्तखोरी नहीं, बल्कि परिश्रम, नवाचार और स्वावलंबन को अपनाकर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ना होगा।

प्रेस की आज़ादी बनाम सत्ता की मनमानी

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (बड़वानी/ मप्र): अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रतिष्ठित न्यूज़ एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) की व्हाइट हाउस में एंट्री पर रोक लगाना लोकतंत्र पर गहरी चोट है। यह केवल एक मीडिया संस्थान पर प्रतिबंध नहीं, बल्कि स्वतंत्र पत्रकारिता को कुचलने का प्रयास है। ट्रंप प्रशासन ने एपी पर "ऑफ अमेरिका" शब्द का सही उपयोग न करने का आरोप लगाया, लेकिन क्या यह प्रेस की आज़ादी छीनने का तार्किक आधार हो सकता है? संविधान का पहला संशोधन प्रेस को निर्भीक, निष्पक्ष और स्वतंत्र रूप से कार्य करने की गारंटी देता है। लेकिन सत्ता जब जवाबदेही से बचने लगती है, तो सबसे पहले वह सत्य की आवाज़ को दबाने का प्रयास करती है। मीडिया का दायित्व जनता तक निष्पक्ष जानकारी पहुँचाना और सरकार की नीतियों की समीक्षा करना है। व्हाइट हाउस जैसी शक्ति के केंद्र में किसी मीडिया संस्थान की एंट्री रोकना प्रेस पर सीधा प्रहार है। इतिहास गवाह है कि जहाँ भी सत्ता ने प्रेस का गला घोंटने की कोशिश की, वहाँ तानाशाही ने जन्म लिया। स्वतंत्र मीडिया लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, और उस पर लगाया गया कोई भी प्रतिबंध जनता के अधिकारों का हनन है। लोकतंत्र में सत्ता नहीं, बल्कि जनता सर्वोपरि होती है, और प्रेस की स्वतंत्रता जनता की आवाज़ को बुलंद करने का सबसे सशक्त माध्यम है।

जिला अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में राजद का सदस्यता अभियान शुरू

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (निरसा): चिरकुंडा नगर परिषद के वार्ड संख्या 2 में युवा राजद की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने की. इसके साथ ही राजद का सदस्यता अभियान शुरू किया गया. बैठक के दौरान पूरे वार्ड में 4200 नए सदस्य बनाने पर जोर दिया गया.

इस संदर्भ में राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि हमारे राष्ट्रिय अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव के निर्देशानुसार देशभर में सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है. जिसके तहत निरसा क्षेत्र में सदस्यता अभियान की शुरुआत की गई. इसके पूर्व ग्यारकुंड प्रखंड में इसकी शुरुआत हो चुकी है.

उन्होंने कहा कि आज से पुरे निरसा क्षेत्र के 21 वार्डो में प्रत्येक दिन सुबह-शाम हमारे कार्यकर्ता घर घर जाकर सदस्यता अभियान चलायेगे और अधिक से अधिक लोगो को राजद से जोड़ने का काम करेंगे.

अवसर पर युवा जिलाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा, प्रदेश सचिव लाल बाबु यादव, जिला प्रवक्ता शहजाद अंसारी, जिला सचिव विक्रम यादव, जिला महासचिव फरहान खान, मोहम्मद नौशाद अंसारी, लाला गिरी, रवि यादव, राजन यादव, रोहित यादव, मोहम्मद जॉनी, सूरज यादव, दिलीप सरकार, लालटु दत्ता, मनीष यादव, राजू यादव, रतनेस सिंह, परवेज़ आलम, मिथिलेश कुमार, अनिल यादव, अक्षत कुमार सहित दर्जनों कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।

अभियान के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने राष्ट्रीय जनता दल की सदस्यता ग्रहण कर संगठन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

रिश्ते

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: सहिष्णुता भी बहुत बड़ा फैक्टर है रिश्तों को मजबूत बनाने में,सहिष्णुता के बिना सबके विरोधी विचारों में एकरूपता सम्भव नहीं हैं। हाथ की पांचों उंगलियां जैसे एक जैसी कभी नहीं हो ही सकती,लेकिन वो मिलकर जब मुट्ठी बनती है तो छोटी बड़ी की बात गौण हो जाती है और ताकत होती है मुट्ठी में और एक बात हमेशा मैने सुनी है "बंधी बुहारी लाख की,बिखरी बुहारी खाक की "यानी शक्ति केंद्रीकरण में है, एकल में नहीं।विडम्बना है कि आज ज्यादातर लोग अकेलापन चाहते है "स्वतंत्रता "के नाम पर, वहां रिश्ते मजबुत नहीं बन सकते, रिश्तों की मजबूती के लिए कभी लँगड़ा, कभी गूंगा, कभी बहरा आदि बनना पड़ता है, यानी सबके विचारों में मेल बिठाना पड़ता है, यही अनेकांत है और नय के द्वारा सबके विचारों में मुख्य और गौणके सिद्धांत को अपनाकर हर रिश्ते की पकड़ मजबुत बनाई जा सकती है। विवेक पूर्ण निर्णय लेकर रिश्तों की डोर को हर समय मजबुत बनाया जाता है, रिश्तों के लचीलापन को सम्भालने में विश्वास का धागा बहुत मजबूत होना होता है। आज बड़ो का वर्चस्व उनके अनुभवों के आधार पर आंकने वाले बहुत कम मिलेंगे, उनको अपने युक्तिसंगत अनुभवों को समझाने के लिए जिस तरह समझ सके सामने वाले, वही तरीका अपनी परिपक्व बुद्धि से लेना पड़ता है, घर में बुजुर्ग की बहुत बड़ी अहम भूमिका होती है। कम खाना, गम खाना और नम जाना आदि को वह अच्छे से समझता है, जिसको सही से अपनाकर वह रिश्तों की पकड़ को मजबुती से विश्वास के धागे से बांधे रखता है। एक बात और कि सदैव मुस्कुराइए क्योंकि परिवार में रिश्ते तभी तक कायम रह पाते हैं जब तक हम एक दूसरे को देख कर मुस्कुराते रहते है और सबसे बड़ी बात मुस्कुराइए क्योंकि यह मनुष्य होने की पहचान है एक पशु कभी भी मुस्कुरा नही सकता हैं। इसलिए स्वयं भी मुस्कुराए और रिश्तों में औरो के चेहरे पर भी मुस्कुराहट लाएं, यही जीवन है,आनंद मुस्कराहट के साथ रिश्ते ही जीवन हैं।

विषय आमंत्रित रचना– रिश्ते, मुदित महनोत- किशनगढ़- अजमेर (राजस्थान)
प्रदीप छाजेड़ (बोरावड़)

तोड़ा है दिल किसी ने

(शेर)
तुम सोचते हो कि हम तुमसे मोहब्बत करते हैं, मगर बात ऐसी है।
गम तुमने भी छुपा रखा है दिल में, इसीलिए आती नजर ऐसी है।।

क्या तुमसे प्यार करें, तोड़ा है दिल किसी ने।
कैसे इजहार हम करें, हमको लूटा है किसी ने।।
क्या तुमसे प्यार करें----।।

हमको मालूम नहीं था, दगा हमसे वो करेगा।
प्यार के बदले में ऐसे वो, खून हमारा करेगा।।
कैसे एतबार हम करें, दिया है जख्म किसी ने।
क्या तुमसे प्यार करें----।।

उसको पलकों पे बैठाया, मानकर अपनी जान हमने।
राहों को फूलों से सजाया, मानकर अपनी मंजिल हमने।।
कैसे इकरार हम करें, नहीं निभाया वादा किसी ने।
क्या तुमसे प्यार करें----।।

वो थी खूबसूरत इतनी, नहीं है कोई वैसी हसीन।
लुटा दिया सब कुछ उसपे, अपनी दौलत अपनी जमीन।।
कुछ नहीं पास हमारे, कर दिया बर्बाद किसी ने।
क्या तुमसे प्यार करें----।।

शिक्षक एवं साहित्यकार
गुरुदीन वर्मा उर्फ़ जी.आज़ाद
बारां (राजस्थान)
कोलफील्ड मिरर

नई कहानी बन

बस दिल से सच्चा हिंदुस्तानी बन।
आये देश के काम वह जवानी बन॥

क्यों जला रहा ख़ुद से ही ख़ुद को,
अगर वह आग तो तू पानी बन।

क्या हुआ जो उन्होंने भुला दिया,
तेरी याद सताए वह निशानी बन।

वक़्त के साथ बदलेंगे सभी रिश्ते,
तू दिल में रहे सदा वह रवानी बन।

ग़ज़लें बहुत लिखी गयी मोहब्बत की,
ये नया दौर है तू नई कहानी बन।

क्या बिगाड़ लेगी पतझड़ सौरभ का,
तू सावन की फुहार मस्तानी बन।

निज रक्त से नई इबारत लिखकर,
देशहित की इतिहासिक कुर्बानी बन।

प्रियंका सौरभ
हिसार (हरियाणा)
कोलफील्ड मिरर

जब तक बेईमान धरा पर

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: जब-जब होई धरम की हानी, बाढ़हि असुर अधम अभिमानी। तब-तब धरि प्रभु विविध शरीरा, हरहि दयानिधि सज्जन पीरा।। आजकल झूठ की बेल इतना फल-फूल रही है कि धरा पर पैर रखने को जगह नहीं फिर भी अवतार क्यों नहीं?"

"प्रश्न बड़ा जटिल है तो उत्तर भी जटिलतम होगा। अतः स्नान, ध्यान पूजा पाठ के साथ लम्बा तिलक लगाकर आओ फिर इसकी व्याख्या सुनने में मन भी लगेगा मज़ा भी आएगा।"
"झूठ कौन बोलता है?" आसन लगाकर मंगू तपाक से बोला
"बेईमान।"
"बेईमान का क्या मतलब है?"
"जो झूठ बोल कर जनता को ठगता हो। सब्जबाग दिखा कर माल हड़प करता हो।"
"चलो इसको और ढंग से समझाते हैं
एक प्याली चाय की चुस्की के साथ।" सुनते ही गुरु माता चाय का कप लिए बातें सुनने बैठ गईं।"
"बेईमान का संधि विच्छेद बे+ईमान। बे स्नेह का कठबोली शब्द है। इसे प्रताड़ना के रूप में भी बोलते हैं। कहने का अर्थ ईमान में ही बे छुपा है जो ईमान से स्नेह रखने से बेईमान बन जाता है। इसीलिए राजनेता बेईमानी तेरा सहारा जैसे लोकप्रिय नारे के साथ जनता को मोह लेते हैं। जनता भी उन्हें स्नेह से गले लगा कर बेईमानी करने के लिए अमूल्य वोट का मूल्य लेकर उसे उनके हाथ में थमा देती है। आ बैल मुझे मार की तर्ज पर जिसके बल जनता की लूट का, जनता द्वारा ही ताना बाना बुनकर तैयार।"
"इसका मतलब है जनधन, पशुधन, मछली पालन, मध्यान्ह भोजन, महिला सशक्तिकरण अभियान, शहर सौंदर्यीकरण के साथ विभिन्न योजनाओं के लिए जनता के टैक्स के पैसों का आबंटन शासन के विकासवाद के मॉडल को मूर्तरूप देने वाला प्रशंसनीय कदम है। यही तो डबल इंजन की तीसरी तिरछी चाल से समृद्ध राष्ट्र की कल्पना का मूल मंत्र ही हमारी सरकार की विश्व पटल पर प्रशंसा का राज है।"
"मंगू! तुम अपने मूल प्रश्न से भटक कर सरकार की तारीफ के कसीदे काढ़ने लगे। बेईमानों के झूठ की बेल पसारने में प्रमुख हाथ किसका? करना होगा विश्लेषण इसका। कर्मचारी, अधिकारी, व्यापारी, ज्योतिषी, अभिनेता ,तथाकथित साधू सन्यासी और इन सबके ऊपर नेता व इनके ऊपर के राजनेता झूठे किस्से कहानियां गढ़ कर अव्वल दर्जे की बेईमानी करवा रहे हैं और खुद कर रहे हैं।"
"चोर की दाढ़ी में तिनका की तर्ज पर" बीच में ही मंगू सिंह बैठक पर बैठते हुए बोला। "मैं ताल ठोक कर कह सकता हूं कि हमारी सरकार का तबका प्रधान जी के मूल मंत्र न खाऊंगा न खाने दूंगा का पक्का अनुसरण कर रहे हैं। मुझे तो लगता है आकंठ डूबा हुआ विपक्ष अपनी बेईमानी छुपाने का सरकार पर आरोप लगा कर कुत्सित प्रयास कर रहा है।"
"तुम्हारे ही शब्दों में झूठ की झाड़ियों की तरह फैलने से धरा पर जगह ही नहीं बची जहां प्रभु का अवतार हो सके। यदि सरकार का ईमान ठिकाने होता तो धरा पर खाली जगह बचना चाहिए जहां अवतार ले सकें।"
"अतः स्वत: सिद्ध है अव्वल नम्बर के रजिस्टर्ड बेईमान राजनेता हैं, जिनके पापाचार से देश में खास कर मध्यम वर्ग भ्रष्टाचार की चक्की में पिस रहा है। देव, दानवों के अवतार युग युग में हुए हैं अभी भी हो रहे हैं जिनमें दानव का संख्या बल तथा बाहुबल अपार होने से देव रूपी मध्यम वर्ग को खाए जा रहे हैं जो निरंतर जारी है।
अतः यह सर्वमान्य सत्य है कि जब तक बेईमान धरा पर कैसे होगा जन कल्याण, कैसे बनेगा देश महान।"

बच्चू लाल परमानंद दीक्षित*

बोनसाई पौधे वास्तव में बहुत ही सुंदर और आकर्षक होते हैं

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: बोनसाई एक प्रकार का पौधा है जिसे विशेष रूप से उगाया जाता है ताकि वह एक छोटे आकार में रहे और एक विशिष्ट आकार में विकसित हो। बोनसाई पौधों को अक्सर सजावटी उद्देश्यों के लिए उगाया जाता है और वे जापानी संस्कृति में बहुत लोकप्रिय हैं।बोनसाई वास्तव में बहुत ही सुंदर और आकर्षक होते हैं। उनकी छोटी आकृति और विशिष्ट आकार उन्हें बहुत ही अनोखा बनाता है।
बोनसाई पौधों की विशेषताएं।
1. छोटा आकार, बोनसाई पौधे छोटे आकार में होते हैं, जो आमतौर पर 1-3 फीट तक ऊंचे होते हैं।
2. विशिष्ट आकार, बोनसाई पौधों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया जाता है ताकि वे एक विशिष्ट आकार में विकसित हों।
3. सजावटी उद्देश्यबोनसाई पौधों को अक्सर सजावटी उद्देश्यों के लिए उगाया जाता है।
4. जापानी संस्कृति में महत्व: बोनसाई पौधे जापानी संस्कृति में बहुत लोकप्रिय हैं और अक्सर जापानी घरों और उद्यानों में पाए जाते हैं।
बोनसाई पौधों के प्रकार,
1. फ्रूटिंग बोनसाई,ये पौधे फल देते हैं और अक्सर घरों में उगाए जाते हैं।
2. फ्लावरिंग बोनसाई,ये पौधे फूल देते हैं और अक्सर उद्यानों में उगाए जाते हैं।
3. एवरग्रीन बोनसाई, ये पौधे हरे रहते हैं और अक्सर घरों में उगाए जाते हैं।
बोनसाई पौधों की देखभाल,
1. पानी देना,बोनसाई पौधों को नियमित रूप से पानी देना चाहिए।
2. धूप देना, बोनसाई पौधों को धूप देना चाहिए, लेकिन उन्हें सीधी धूप से बचाना चाहिए।
3. उर्वरक देना, बोनसाई पौधों को उर्वरक देना चाहिए ताकि वे स्वस्थ और मजबूत रहें।
4. प्रूनिंग करना,बोनसाई पौधों को नियमित रूप से प्रूनिंग करना चाहिए ताकि वे एक विशिष्ट आकार में रहें।

डॉ. मुश्ताक अहमद शाह
हरदा मध्य प्रदेश

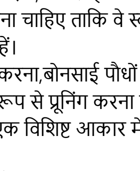

देवरा स्थित शिव मंदिर दर्शनीय

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (मध्यप्रदेश): इंदौर से 140 किमी पर धार जिले के मनावर तहसील से 10 किमी ग्राम अवल्दा बाएं दिशा में 2 किमी की दूरी पर केंद्र सरकार के अधीन पुरातत्व विभाग देवरा नामक गांव में प्राचीन शिव मंदिर स्थित है| देवरा स्थित परमार कालीन महादेव मंदिर के समीप जीराबाद में मान वृहद परियोजना निर्मित है| जो पर्यटकों को लुभा रहा है| आसपास की हरियाली, पानी के झरने, बरसात के मौसम में हल्की पानी की फुआर दूर की पहाड़िया सघन वन क्षेत्र दर्शनीय एवं रमणीय स्थान है। देवरा स्थित महादेव मंदिर भी एक विशेष महत्व के कारण उस स्थान पर बनाया गया।जिसमे शिल्पकला का मूर्तियों में नक्काशी का चित्रण किया गया है| देवरा महादेव में जो शिवलिंग की ऊंचाई लगभग साढ़े चार फिट है मूर्ति से लिपटे तांबे धातु से निर्मित सुंदर सर्प भी पौने पांच फिट का है| मंदिर की दीवारों पर कलश,द्वारपाल हनुमान, गणेश, विष्णु व देवियों को अंकित किया गया है| मंदिर परिसर काफी बढ़ा और सुसज्जित है| मंदिर परिसर की दीवारे पत्थर जमा कर बनाई गई जिसे सीमेंट की बनाने की आवश्यकता है| वर्तमान में देवरा महादेव मंदिर भी जर्जर अवस्था में है| प्राचीन धरोहरों के संरक्षण व पुनर्निर्माण की और ध्यान दिया जाना आवश्यक है|

संजय वर्मा "दृष्टि" मनावर जिला धार मप्र

आतंकवाद व वैश्विक युद्धों पर मोदी ट्रंप की पार्टनरशिप-दुनियाँ को नई लीडरशिप

भारत अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ़ मजबूती से एक और एक ग्यारह बनकर लड़ने की घोषणा से पड़ोसी विस्तारवादी देशों में खलबली

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी (गोंदिया): वैश्विक स्तरपर भारत के लिए विरोध का स्वर निकालने वाले देशों में मोदी की वाशिंगटन यात्रा व ट्रंप के साथ शानदार केमिस्ट्री, दोस्ती व अनेक समझौते एफ 35 विमान की पेशकश व आतंकवाद पर संयुक्त बयान से खासकर पड़ोसी व विस्तारवादी देश तिलमिला से गए हैं व ताबडतोप पाक के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने तिलमिलाकर कहा कि पाक के बलिदान को स्वीकार किए बिना इस तरह की टिप्पणियों से हैरान है, तो वहीं ट्रंप ने 26/11 मुंबई हमले के तहव्वुर राणा को भारत को प्रत्यापित करने की घोषणा कर दी। बता दें,वैसे तो भारत सहित समूचा विश्व आतंकवाद नामक मानवजनित त्रासदी से पीड़ित हैं, तथापि भारत बहुत लम्बे समय से आतंकवाद का शिकार होता रहा है। भारतीय राज्यों में प्रमुखता से जम्मू एवं कश्मीर, महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब व उत्तर प्रदेश आसाम शहर अनेक राज्य आतंकवाद से त्रस्त रहा है।आतंकवाद भारतीय उपमहाद्वीप का सर्वप्रमुख विकास अवरूद्ध करने वाला समस्या सिद्ध हुआ है जो समय समय पर आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था व प्रशासनिक व्यवस्था पर प्रश्न चिन्ह लगाते रहा है,और जान माल की अत्यधिक क्षति आतंकवादी घटनाओं से ही अब तक हुआ है, चाहे वह मुम्बई बम ब्लास्ट की घटना हो या बनारस संकट मोचन, रेलवे स्टेशन की आतंकी घटना या फिर दिल्ली की घटना हो या जम्मू कश्मीर पुलवामा अटैक संसद पर हमला या फिर 26/11 का हमला सभी में असंख्य जाने गई है। जो क्षेत्र आज आतंकवादी गतिविधियों से लम्बे समय से जुड़े हुए हैं उनमें जम्मू-कश्मीर, मुंबई, मध्य भारत (नक्सलवाद) और आठ बहन राज्य (उत्तर पूर्व के आठ राज्य) (स्वतंत्रता और स्वायत्तता के मामले में) शामिल हैं। अतीत में पंजाब में पनपे उग्रवाद में आंतकवादी गतिविधियां शामिल हो गयीं जो भारत देश के पंजाब राज्य और देश की राजधानी दिल्ली तक फैली हुई थीं, जो अब धीरे-धीरे पकड़ में आ रही है व समाप्त करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए गए हैं। चूँकि भारत अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ़ मजबूती से एक और एक ग्यारह बनकर लड़ने की घोषणा व वैश्विक युद्धों पर मोदी ट्रंप की पार्टनरशिप, दुनियाँ को नई लीडरशिप!

साथियों बात अगरहम वॉशिंगटन डीसी में मोदी ट्रंप के जॉइंट स्टेटमेंट की करें तो,उसमें कहा गया है कि वैश्विक आतंकवाद के खिलाफ निश्चित ही लड़ाई लड़ी जानी चाहिए और आतंकवादियों को पनाह देने वाले ठिकानों को पूरी दुनियाँ से खत्म किया जाना चाहिए, इसमें कहा गया है कि दोनों नेताओं ने ग्लोबल टेरेरिज्म के खिलाफ लड़ने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है और पाकिस्तान से 26/11 मुंबई और पठानकोट हमलों के अपराधियों को जल्द से जल्द न्याय के कटघरे में लाने और यह सुनिश्चित करने का आह्वान किया। ज्वाइंट स्टेटमेंट में नाम लेकर पाकिस्तान को चेतावनी देते हुए कहा है कि पाकिस्तान अपने क्षेत्र का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवादी हमलों को अंजाम देने के लिए ना करे द्विपक्षीय बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने भारत और अमेरिका के बीच ग्लोबल साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया, जो आपसी विश्वास, साझा हितों, सद्भावना और नागरिकों की मजबूत भागीदारी पर आधारित होगा। इसके अलावा ज्वाइंट स्टेटमेंटमें अलकायदा, आईएसआई जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे आतंकवादी संगठनों की तरफ से आने वाले खतरों के खिलाफ सामूहिक तौर पर लड़ने को लेकर प्रतिबद्धता जताई गई है। इसके अलावा दोनों नेताओं ने डिफेंस, ट्रेड, एनर्जी सिक्योरिटी, टेक्नोलॉजी और लोगों के बीच सहयोग के क्षेत्रों में रणनीतिक साझेदारी के महत्व पर प्रकाश डाला है। ज्वाइंट स्टेटमेंट में नेताओं ने इस बात पर फिर से जोर दिया है, कि आतंकवाद एक वैश्विक संकट है, जिससे सामूहिक तौर पर लड़ा जाना चाहिए और दुनिया के हर कोने से आतंकवादियों के सुरक्षित ठिकानों को खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने 26/11 को मुंबई में हुए हमलों और 26 अगस्त 2021 को अफगानिस्तान में एबी गेट बम विस्फोट जैसे जघन्य कृत्यों को रोकने के लिए अल-कायदा, आईएसआईएस, जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा जैसे समूहों से आतंकवादी खतरों के खिलाफ सहयोग को मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई। इसके अलावा अमेरिका ने घोषणा की कि तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण को मंजूरी दे दी गई है। दोनों नेताओं की इस बहुप्रतीक्षित मुलाकात में मुंबई हमले के प्रमुख साजिशकर्ताओं में एक तहव्वुर राणा को भारत लाने, खालिस्तान समर्थक गतिविधियों पर रोक लगाने, गैर-कानूनी तौर पर भारतीयों की अमेरिका में घुसपैठ कराने वाले लोगों के खिलाफ साझानिर्णायक कार्रवाई करने, रक्षा क्षेत्र में अगले दस वर्षों के लिए सहयोग का रोडमैप बनाने, भारत को अत्याधुनिक एफ-35 युद्धक विमान बेचने, अमेरिका से ज्यादा तेल व गैस की खरीद करने, मिल कर परमाणु ऊर्जा के छोटे व बड़े रिएक्टरों का निर्माण करने को लेकर सहमति बनी है।

साथियों बात अगर हम मोदी ट्रंप द्वारा जॉइंट स्टेटमेंट में आतंकवाद पर एक और एक ग्यारह होकर लड़ने की करें तो ट्रंप ने इस्लामिक आतंकवाद के मुद्दे पर भारत को एक अहम साझेदार बताया। संयुक्त बयान में अल-कायद व आइसिस के साथ भारत के लिए खास तौर पर खतरा बने पाकिस्तान परस्त आतंकी संगठनों जैश-ए- मोहम्मद और लश्कर ए तैयबा के खतरों को लेकर सहयोग की प्रतिबद्धता जताई गई है और पाकिस्तान से कहा गया है कि वह मुंबई आतंकी हमले, पठानकोट हमले के दोषियों के खिलाफ शीघ्रता से कार्रवाई करे और यह सुनिश्चित करे कि उसकी जमीन का इस्तेमाल सीमा पार आतंकवाद के लिए ना हो।आतंकवाद के संदर्भ में भारत ने तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण को राष्ट्रपति ट्रंप की तरफ से मिली मंजूरी पर गहरा संतोष जताया है। भारत पिछले कई वर्षों से इस बारे में अमेरिका से बात कर रहा था। डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान का नाम लिए बिना चेतावनी भरा एक संकेत दिया है. डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि, इस साल की शुरुआत से ही अमेरिका ने भारत के साथ अरबों डॉलर की सैन्य खरीद बढ़ा दी है। ट्रंप ने आगे कहा कि, अमेरिका और भारत विश्व के लिए खतरा बन रहे कट्टरपंथी इस्लामी आतंकवाद का सामना करने के लिए पहले की तरह मिलकर काम करते रहेंगे।मोदी और ट्रंप की संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों ने चीन को लेकर भी सवाल पूछे, ट्रंप ने चीन के साथ संबंधों को लेकर एक सवाल का जवाब देते हुए चीन हमारे लिए महत्वपूर्ण देश है।ट्रंप ने कहा कि, उन्हें लगता है कि चीन के साथ रिश्ते बेहतर हो जाएंगे, उन्होंने आगे कहा कि, कोरोना के आने से पहले तक भी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ उनकी अच्छी दोस्ती थी। रूस और यूक्रेन का युद्ध शांत कराने में चीन काफी मददगार हो सकता है।वहीं डोनाल्ड से जब पूछा गया कि, अगर आप भारत के साथ कारोबार को लेकर इस तरह की सख्ती दिखाते रहेंगे? तो चीन को कैसे मात दे पाएंगे? इस पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि हम किसी को भी मात दे सकते हैं लेकिन हमारा इरादा किसी को मात देने का नहीं है. हम सही दिशा में काम कर रहे हैं और अच्छा काम कर रहे हैं।

साथियों बात अगर हम पाकिस्तान द्वारा भारत अमेरिका के ज्वाइंट एक्शन के रिएक्शन की करें तो, आतंकवाद पर मोदी और ट्रंप की फटकार के बाद पाकिस्तान फड़फड़ाने लगा है। पाक विदेश मंत्रालय ने भारत और अमेरिका के ज्वॉइंट स्टेटमेंट को एक तरफा,भ्रामक और राजनयिक मानदंडों के विपरीत बताया है। पाक ने हैरानी जताते हुए कहा है कि आतंकवाद के खिलाफ उसके प्रयासों और बलिदानों को नजरअंदाज किया गया है। आंतकवाद के खिलाफ अमेरिका के साथ मिलकर किए गए पाकिस्तान के प्रयासों को नजरअंदाज कर दिया।पाक विदेश मंत्रालय के शुक्रवार (14 फरवरी, 2025) को प्रेस ब्रीफिंग में भारत और अमेरिका के ज्वॉइंट स्टेटमेंट पर बयान जारी किया है।उन्होंने उलटा भारत पर आंतकवाद को स्पोंसर करने के आरोप लगाए और कहा कि इस तरह के बयानों से कुछ होने वाला नहीं है, भारत के आतंकवाद को समर्थन को छिपाया नहीं जा सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि कश्मीर में तनाव और अस्थिरता को खत्म करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों का भारत की ओर से अनुपालन नहीं किए जाने की समस्या को बयान में संबोधित नहीं किया गया।उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद के खिलाफ पाकिस्तान की लड़ाई और प्रयासों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त है।

साथियों बात अगर हम वैश्विक युद्धों यूक्रेन-रूस व इजरायल- हमास पर संयुक्त बयान की करें तो दोनों देशों के बीच युद्ध विवाद सुलझाने पर पीएम मोदी ने ट्रंप के प्रयासों का स्वागत किया।उन्होंने एक बार फिर कहा कि विवाद का समाधान युद्ध के मैदान में नहीं, बल्कि मेज पर किया जाना चाहिए.पीएम मोदी ने एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि मैं हमेशा से रूस और यूक्रेन के संपर्क में हूं. दोनों देशों के नेताओ से बातचीत करता रहता हूं। वहीं, पीएम मोदी ने कहा कि कई देशों को लगता है कि भारत तटस्थ है, लेकिन मैं यहां साफ तौर पर कह देता हूं कि भारत ने कभी भी तटस्थता की नीति नहीं अपनाई है,हम हमेशा से शांति के पक्ष मे रहे हैं।यह समय युद्ध का नहीं है,उन्होंने विश्वास जताते हुए कहा कि किसी भी विवाद का समाधान मैदान से नहीं निकलता,आखिरी में मैं यहीं कहूंगा कि इस फैसला मेज पर ही आकर करना होगा। उन्होंने कहा कि ट्रंप का प्रयास कभी भी विफल नहीं होगा।मैं विश्वास जताता हूं कि वह अपने प्रयास में जरूर सफल होंगे, मुझे बहुत खुशी है कि राष्ट्रपति ट्रंप ने शांति बहाल करने की पहल की है और राष्ट्रपति पुतिन और राष्ट्रपति जेलेंस्की से टेलीफोन पर बात की है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि आतंकवाद व वैश्विक युद्धों पर मोदी ट्रंप की पार्टनरशिप- दुनियाँ को नई लीडरशिप। आतंक के पनाहगार पर भारत अमेरिका की संयुक्त बयान स्ट्राइक से तिलमिलाए व डरे पड़ोसी मुल्क भारत अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ़ मजबूती से एक और एक ग्यारह बनकर लड़ने की घोषणा से पड़ोसी विस्तारवादी देशों में खलबली मची।

-संकलनकर्ता लेखक-
क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

एक निष्ठावान अधिकारी ने किया पत्रकारों का उच्च प्रबंधन

(संस्मरण)

कोलफील्ड मिरर 16 फरवरी 2025: होशंगाबाद (अब नर्मदापुरम) जिला मुख्यालय पर तत्कालीन कलेक्टर चंद्रहास बेहार ने सोमवार 24 मार्च 1997 को पत्रकारों की विभिन्न मांगो ओर समस्याओं को लेकर बैठक बुलाई थी। बैठक के एजेंडे में तत्कालीन केंद्रीय मंत्री सुरेश पचौरी द्वारा नेहरू पार्क ओर पानी कि टंकी के बीच के जगह को पत्रकार कालोनी के लिए चुना ओर नगर पालिका ने अनुमति दे दी तब 5 लाख रुपए श्री सांसद जी ओर 10 लाख पचौरी जी ने देने की घोषणा को लेकर कलेक्टर ने पत्रकारों की यह बैठक रखी। बैठक से पूर्व ही एक दो पत्रकार निषेध मुख हो गए, वे नहीं चाहते थे कि पत्रकारों की कालोनी बने ओर पत्रकार उसमें बसे। समाज में घातक तत्व तो होते है पर जो घातक तत्व की अवांछित कृत्य से न्यूज पैदा करे,यह मैंने पहली बार उन पत्रकारों में पाया जो अपने को उच्च कुल का समझकर पिछड़ों को संक्रामक बीमारी समझे। उन मित्रों का लोभ के वशीभूत अविवेकपूर्ण सोच का ही परिणाम था कि पत्रकारों का घर बसने से पहले उजड़ जाये ओर उनकी समस्याएँ दम तोड़ दे। पत्रकारों के आवास बसने से पहले टांग अड़ाने वाले वे तथाकथित पत्रकार समझते थे कि जिन्हे आवास मिलेगा वे जेहादी-अलगाववादी है,उनकी नजर में तब के कलमकार आतंकवादी रहे होंगे ,जिनके रोड़े अटकाने वाले ही प्रयास थे की आज तक पत्रकारों की कालोनी का सपना इन 28 सालों में पूरा नही हो सका। वे तथाकथित तब भी पत्रकारिता के मूल्यों ओर मानवीय मूल्यों का अंतर नहीं समझते थे ओर न आज समझते है। उनमें कोई राजनीति, कोई कारोबार को चलाने,कोई गलत कारोबार में संरक्षण पाने तो कोई अन्य प्रयोजन से पत्रकारिता का दामन थामे हुये थे। पत्रकारिता का पतन तभी से देखने को मिला जब हर चीज बिकती है के स्लोगन को पत्रकारिता में आँककर दाम वसूलना शुरू किए।

नर्मदापुरम संभाग के अधिकांश पत्रकारों को मुगालसा है कि वे सकारात्मक पत्रकारिता को नर्मदा में गिर रहे नाले में विसर्जित कर अपनी नकारात्मक सोच को आप तक पहुंचाकर शत-प्रतिशत लोकहित में जुटे रहकर अपना जीवन खपा रहे है। वे सत्यं शिवम ओर सुंदरम के उजास पक्ष को असत्य, अशिव ओर असुंदर के विकृत पक्ष को सर्वोपरि मानकर सोसलमीडिया के कचरे को सृजन करके बिना श्रम किए जायकेदार बनाकर स्वहित साधकर पत्रकारिता में प्राण फूँक रहे है। खैर अखबार हो या चैनल, दुनियाभर कि रिपोर्टिंग करके ये अखबार ओर चैनल का पेट तो भर देते है परंतु अधिकांश पत्रकार ऐसे दोयम दर्जे का जीवन जीते है, जिनके यहा नल- नाली, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाये न होने से वे इन्हे चिढ़ाती है ओर वे जिला प्रशासन से उम्मीद रखते है कि उनके घर के आसपास कि गलिया साफ सुधरी हो, नाली की सफाई हो, सड़क का पक्का निर्माण हो,जो इन पत्रकारों कि ही नही बल्कि इनके परिवार की, गली-मोहल्लेवालों की भी चाह होती है। कुछेक पत्रकार इसलिए दुखी रहते है कि वे हमेशा अपनी जान पर खेलकर किसी विभाग की कलई खोलकर भ्रष्टाचार उजागर करते है परंतु कलेक्टर के पास जनसम्पर्क विभाग द्वारा उसकी कटिंग भेजने के बाद भी कोई कार्यवाही नहीं होती, इसे लेकर जिले के सारे पत्रकारों ने कलेक्टर को शिकायत की, उन्होंने पत्रकारों की समस्याओं को लेकर बैठक बुलाने कि व्यवस्था कर दी। कुछ पत्रकार जो रोज कलेक्टर से बातचीत कर उनके नाम से कुछ न कुछ पक्ष रखते है वे उनके ऑफिस के आसपास गिंजाई जैसे मँडराते है उन्हे इस बैठक से कोई सरोकार नहीं लगा। हाँ जो पत्रकार छुटभैया की श्रेणी में गिने जाते है, जिनके फोन कलेक्टर या अधिकारी नही उठाते,उनकी खबरों पर कोई ध्यान नही देता वे तमाम पत्रकार इस त्रैमासिक बैठक जो की साल में चार बार सरकारी नियम के अनुसार होना चाहिए लेकिन कलेक्टर उसे नहीं बुलाकर पत्रकारों को छलते है के द्वारा बैठक बुलाए जाने पर खुश थे।

कलेक्टर के रेवा कक्ष में आज पत्रकारों की निजी समस्याओं को सुनने ओर उनका निराकरण करने की बैठक शुरू हुई। मीटिंग हॉल पत्रकारों से खचाखच भरा था। बात मंत्री जी द्वारा पत्रकारों के लिए बनने वाली आवासीय कालोनी के साथ पत्रकारों की निजी समस्याओं पर होनी थी लेकिन कलेक्टर ने बैठक की शुरुआत से पहले जनसम्पर्क अधिकारी को अपने बगल में बैठाया ओर हिदायत दी कि सभी के नाम,पेपर,चैनल का नाम ओर उनके पास निजी भूमि, भूमिहीन आदि की जानकारी ओर उनकी समस्या को सुनकर प्रतिवेदन प्रस्तुत करोगे? उनके जबाव देने के बाद अधिकारियों के चहेते पत्रकार कालोनी का विरोधी एक पत्रकार ने बात शुरू कि सर हमारी सबसे बड़ी समस्या यह है की, हम जिले के कई विभागों में चल रही अव्यवस्था, अनियमितता ओर गबन धोखाधड़ी ओर भ्रष्टाचार को उजागर करते है किन्तु इस पर कोई ध्यान नही दिया जाता है? कलेक्टर बोले मुझे यकीन नही होता कि अधिकारिगण भृष्ट है जबकि मेरे आने के बाद वे सभी आदर्शवान ओर सदचरित्र हो गए है वे ऐसा कोई आचरण नहीं करते जिसे तुम आरोपित कर रहे हो। कलेक्टर ने अपने कामों कि प्रशंसा कर अपने अधिकारियों का बचाव करते हुये पत्रकाओं को सुझाव दिये कि जो भी समाचार आप लोग छापते हो या चैनल पर बढ़ा-चढ़ा कर दिखाते हो, उसे लेकर मैं अधिकारियों से पुंछता हूँ तो वे खुद बताते है कि किन-किन पत्रकार को खाद्य विभाग, खनिज विभाग, आबकारी विभाग, कृषि विभाग,पीड्व्ल्युडी विभाग,महिला बाल विकास विभाग से क्या-क्या डिमांड रखते है उसकी खबर है, जिसकी डिमांड पूरी नही हो वही अधिकारी को भ्रष्ट बतलाकर पत्रकारिता का रौब झाडता है। कलेक्टर की बात खत्म होते ही माइक एडीएम श्री शुक्ला जी ने ले लिया ओर बोले कि हम जानते है कि जिले में किसी विभाग में कोई अव्यवस्था नहीं है,सभी भुगतान ऑनलाइन हो रहे है इसलिए भ्रष्टाचार की बात ही पैदा नही होती? हम अगर पत्रकारों कि बात मान भी ले तो अब्बल इसलिए विश्वास नही करते कि खबर सभी अखबार या चैनल पर नहीं एकाध अखबार या चैनल कि होती है ओर जांच में पत्रकार ही लेनदेन की परिधि में आता है, लेकिन हमारी मर्यादा अधिकारियों के लिए है इसलिए हम पत्रकार को छोड़ देते है, यह प्रशासन कि दरियादिली है।

कलेक्टर ने देखा पत्रकारों के चेहरे पर कुछ नाराजी के भाव है कुछ क्रोध में फुफकारने को तैयार है तो कुछ नीचे जमीन ताक रहे है। तभी एक पत्रकार खड़ा हुआ ओर बोला सर पत्रकार कालोनी को लेकर चर्चा करे, कलेक्टर ने बीच में ही बात काटी ओर पत्रकारों को बोलने का मौका न देते हुये कलेक्टर बोले, देखो अभी जो बात एडीएम साहब कह रहे थे ये उनका नजरिया है पर जिलाधिकारी के रूप मे जहा तक में समझता हूँ मेरी नजर में आप सभी सम्मानीयजन है। पहले उनकी बात खत्म हो जाये फिर आपकी बात को भी सुना जाएगा। आप सभी के चैनलो कि व्हाइट, अखबारों से उत्पादित खबरों को पीआरओ कतरनों के रूप में भेजते है जिसे हम बड़ी गंभीरता से तो कुछ को बड़े चाव से मजे लेकर पढ़ते है ओर खुशी होती है कि आप कितने विद्वान है ओर विभागों के अंदर तक पकड़ रखते हो। खामोखा आप सोचते हो कि हम खबरों पर ध्यान नही देते। हमारे देश कि परंपरा अच्छी है जो खरपतबार की तरह उग आए बरसाती मेंडक की भांति टर्राने बाले चेनलों ओर राजनीति कि लाबिंग की तरह खबरों का व्यापार करने वाले अखबारों की कतरनों को अवलोकन के बाद उस पर विशेषटीप के साथ कार्यवाही को लिखे जाने तथा उसका प्रतिवेदन प्रस्तुत किए जाने के लिए अलग रजिस्टर संधारित किए जाने के काम को आप संदेह की दृष्टि से देख रहे हो इसलिय एडीएम शुक्ला साहब का नाराज होना लाजिमी ही है जो उनके पक्षपातरहित इस दायित्व की आप त्रुटियाँ निकाल रहे थे। सरकार ने पत्रकारों के काम की समीक्षा के लिए जनसम्पर्क विभाग नहीं रखा बल्कि समाचारों पर कार्यवाही हेतु जनसम्पर्क अधिकारी को अधिकृत किया है। कलेक्टर ने बात जारी रखी ओर बोले यह अलग बात है कि सूचना प्रसारण एवं जनसम्पर्क विभाग आपके द्वारा छापी खबरों की जुगाली करके उसे उदरस्थ कर जिला प्रशासन के प्रति सेवा एवं समर्पण का भाव का निर्वहन कर रहे हो, यदि वे खबर पचा जाते है , तो हम उन्हे आज ही हिदायत देते है कि वे किसी भी अधिकारी से याराना निभाने से बचे ओर उसके खिलाफ छापी खबरों कि जुगाली कर खबर को पचाने से बचे, ओर वे ऐसा करते दोषी पाये जाएँगे तो सख्त सजा के हकदार होंगे। आगे एक अन्य अधिकारी बोले- देखो जी इस तरह से गांवों में बननेवाली सड़क, नल, कुए, हेंडपंप आदि को कागजो में बनाकर उसकी राशि को पचा लेने के प्रकाशित समाचार, ठेकेदारों द्वारा सड़क,पल निर्माण में सीमेंट,रेत,लोहा आदि पचाने की ताकत होती है, केंद्र सरकार के साक्षरता अभियान की तरह गोलमाल का कुछ लोगों द्वारा सलेट, पेंसिल पेन आदि पचाकर झूँटे आकडे पेश करने का महारत हासिल है उन सारे लोगों तथा देश को पचाने में जुटे नेताओं के गुणों को त्याग कर तुम खबरों जैसी तुक्ष्य वस्तु को पचाने की हिमाकत करे , यदि पचाना ही है तो तमाम योजनाए जिले में चल रही है, हा उन्हे पचाये ताकि पेट का जायका बदला जा सके।यह तो आप लोगों की महानता है कि आप किसी को कुछ पचाते बर्दाश्त नही कर सकते जो इतनी छोटी सी बात कतरने पचाने वाले मुद्दे को लेकर अपना समय खपा रहे हो।

बात पत्रकारों की कॉलोनी बसाने से शुरू होनी थी लेकिन समाचारों की कतरनों में उलझ कर रह गई और पत्रकार लोग कलेक्टर पर हावी हो गए आज समाचारों की कतरनों पर ही बात होनी चाहिए। एक पत्रकार मित्र ने कलेक्टर पर आरोप लगा दिया कि आप ओर अन्य प्रशासनिक अधिकारी राजनेताओं के साथ मीटिंग ओर कार्यक्रमों में अपनी फोटो लगे समाचारों की फाइल अपनी उपलब्धि के रूप में तो संजोते है किन्तु भ्रष्टाचारियों की खबरों को तवज्जो नहीं देते है। पत्रकार कितना भी कलम घिसे,कितना भी कागज काला करे उसकी मेहनत को नजरअंदाज किया जा रहा है जिसे गंभीरता से लेना चाहिए। अनेक पत्रकार अपने इसी आरोप को चीख चीख कर कहने लगे। कुछेक ने सनसनीखेज खबरों की कटिंग दिखाई तो कुछेक अपने चैनल पर चली स्क्रिप्ट दिखाने लगे। जब सबूत के साथ कलेक्टर ने खबरे देखी ओर पढ़ी तब उल्टे पत्रकारों को ही झिड़का, इतना संगीन मामला मुझसे छिपाया गया। ऐसे मामले को लेकर आप खामोश कैसे बैठे रहे, कम से कम मुझे दिखा तो सकते थे। इस प्रकार पत्रकारों से चर्चा कर कलेक्टर ने जनसम्पर्क अधिकारी को लताड़ा।

कलेक्टर ने घंटी बजाई। अलादीन के चिराग कि तरह सफ़ेद झक कपड़े पहने उनका चपरासी प्रगट हुआ। उन्होने आदेश दिया स्टेनो को भेजो। आदेश के पालन में स्टेनो फाइल हाथ में दबाये खड़ा था। कलेक्टर ने आदेश दिया जिला जनसम्पर्क अधिकारी से बात कराओ। स्टेनो ने नंबर डायल करने के बाद कलेक्टर से कहा वे आफिस में नही है। कलेक्टर पत्रकारों से मुखातिब हुये ओर बोले तभी तो आप लोगों की कतरने हमारे पास नहीं आती है। कलेक्टर स्टेनो को सुनाने का अभिनय कर पत्रकारों को बताते हुये नाराज हुये ओर बोले जिला जनसम्पर्क अधिकारी कि आदत बिगड़ गई है,ऑफिस नहीं आते ओर खुद को कलेक्टर समझते है। स्टेनो ने टोका- सर इस पद पर किसी कि नियुक्ति नही हुई है। कलेक्टर बोले जाओ अगर वे नहीं है तो कोई प्रभारी या सहायक जनसंपर्क अधिकारी तो होगा उसे बुलाओ ? सहायक जनसंपर्क अधिकारी भागा भागा आया। कलेक्टर चीखे आपके ऑफिस में क्या चल रहा है जो इंपॉर्टेंट कटिंग नहीं भेजी जा रही है। बेचारे ये पत्रकारों की भी कोई इमेज है,अगर इनकी खबरों पर कार्यवाही नही होगी तो इनकी इज्जत दो कोडी की नही हो जावेगी फिर इन्हे घास कौन डालेगा। हमारे जिले कि किसी भी महकमे के अधिकारी व कर्मचारियों की उन जन्मकुंडलियों का क्या होगा जिन्हे ये पत्रकार उजागर करते है। हम चाहते है कि जिले में थोड़ी बहुत दहशत इन पत्रकारों कि भी बनी रहे ताकि जो अधिकारी कर्मचारी खुलेआम मनमर्जी कर रहे है उनकी नाकों में ये कहा ओर कैसे नकेल डालते है इसकी भनक हमे भी होनी चाहिए। जाइए जैसे भी हो अब इन पत्रकारों के समाचारों कि प्रतिबंधित कतरने हमे नियमित भेजिये।

प्रभारी जनसम्पर्क अधिकारी डपट सुनकर कलेक्टर के सामने घिघियाना, सर आप जानते है कि मेरे पास काम का बोझ अधिक है। ऑफिस में मुझे कोई कुछ नहीं समझता है। मुझे सभी विभागों से जानकारी एकत्र कर समाचार बनाने से फुर्सत नहीं मिलती है फिर इन सम्मानित पत्रकारों के अखबार की कटिंग आप तक भेजना संभव कैसे होगा? सीधा सपाट जबाव सुनकर कलेक्टर आग बबूला हो गए ओर बोले तुम्हारे विभाग का क्या औचित्य? नौकरी करना है तो सब काम करना होगा। फिर पत्रकारों से बोले आप सभी आशान्वित रहे अगले सप्ताह तक आप सभी कि समाचारों की कतरनों को लेकर अब शिकायत नही रहेगी। तब तक चाय-बिस्कुट सर्वे की जा चुकी थी ओर पत्रकार लोग उठने लगे तब कलेक्टर ने अगले सप्ताह सोमवार को फिर बैठक सुनिश्चित कर सहायक जनसंपर्क अधिकारी को उपस्थित रहने की हिदायत देकर चले गए।

31 मार्च 1997 को फिर जिले के सभी पत्रकारों कि बैठक उसी रेवा कक्ष में हुई। इस बार जिले के प्रमुख अधिकारियों को भी बुलाया गया ताकि वे पत्रकारों का सामना कर सके। कुर्सियों पर पत्रकार खचाखच भरे थे तो कलेक्टर के साथ ओर साइड में अधिकारियों की कुर्सी जमी थी। किस विभाग पर क्या गाज गिरेगी, यह कोई नहीं जानता था। 80 प्रतिशत पत्रकारों के मन में था कि पहला विषय पत्रकार कालोनी का हो जो जमीन नगर पालिका देने को तैयार है ओर जिसके लिए सांसदों ने राशियों की घोषणा की है, पर इस बार पूरे जिले के पत्रकार बैठक में थे। अधिकारी अपने अपने विभागों कि कार्य योजना की प्रगति रिपोर्ट लेकर डटे थे। जैसे ही कलेक्टर महोदय आए सभी ने उनका अभिवादन किया ओर होशंगाबाद के पत्रकारों ने अपनी पहली मांग पत्रकार कालोनी कि रखी। पत्रकारों को विश्वास था कि वे नगरपालिका अधिकारी ओर योजना सांख्यिकी अधिकारी को सांसद कि घोषणा को लेकर कुछ कहेंगे, इससे पूर्व ही एडीएम ने सूचित किया कि कलेक्टर साहब का स्वास्थ्य ठीक नहीं होने से वे कुछ भी नहीं बोलेंगे, डॉक्टरों ने उन्हें बोलने को मना किया है? सुनते ही पत्रकारों को जैसे सांप सूंघ गया। लगा जैसे कोई षड्यंत्र पत्रकार कालोनी न बनने के लिए चल रहा है, बात संदिग्ध लगी कि सुबह ही तो बैठक में साहब बोले थे, शाम चार बजे उन्हे क्या हो गया? पत्रकारों की पत्रकार कालोनी का सपना पूरा न होने देने वाले वे पत्रकार मित्र बैठक में मुस्कुरा रहे थे। लोककल्याण ही पत्रकारिता का धर्म समझने वाले पत्रकारों के लोक कल्याण के प्रश्न पर कलेक्टर का आचरण धर्म विरोधी नहीं तो क्या था? अधिकारीगण खुश थे, क्योकि उनसे कोई सवाल नहीं कर रहा था। बैठक उन स्वार्थ लिप्त विचारधारा के नीति निर्धारण करने वाले पत्रकारों की अगुआई में शुरू हुई जो प्रगति साध के खिलाफ थे। जिले के पत्रकार अपनी अपनी बाते कर रहे थे, बैठक संसद का सदन बनकर रह गई । कलेक्टर सहित अधिकारियों ने राहत कि सांस ली मानो अमृत वितरण के समय विश्व सुंदरी मोहिनी रूपा ने पत्रकारों के मनों में आसक्ति जमा ली ही। मौका पाकर अधिकारियों ने चाय नाश्ते का इंतजाम किया जिसमें सारे पत्रकार मशगूर हो गए।सभी भूल गए कि वे क्या उद्देश्य लेकर आए थे ओर वे चाय नास्ते में भटक गए। बैठक में न तो समाचार पत्रों में छपने वाली खबरों पर चर्चा हुई, न ही किसी पत्रकार की निजी या क्षेत्र की जनहित की समस्या पर बात हुई, कलेक्टर की निष्ठा में पत्रकारों की कमजोरी को भापने वाले अधिकारी द्वारा मुद्दे से भटका कर उनके लिए चाय नाश्ते कि सौगात ने सब किए कराये पर पानी फेर दिया।

कलेक्टर ने जुलाई में जिले के सारे पत्रकार जिसमें हरदा, टिमरनी, खिड्किया, पचमढ़ी, बनखेड़ी सहित सभी तहसील के पत्रकारों के साथ बैठक का निर्णय सुनकर चले गए। जुलाई 1997 में कलेक्टर बदलकर अजय तिर्की नए कलेक्टर आ गए, उनके समक्ष विषय रखा गया,बैठको की तारीख तय होती ओर किसी निर्णय पर पहुंचा जाता की 4 दिसंबर 1997 को 11 वी लोकसभा के भंग होने के साथ मध्यावधि चुनाव आ गए ओर बारहवी लोकसभा चुनाव के बाद 19 मार्च 1998 को सरकार बनी किन्तु एक साल बाद वह सरकार भी बहुमत साबित न कर पाने के कारण भंग हुई ओर 13 सितंबर 1999 को तेरहवी लोकसभा का कार्यकाल शुरू हुआ किन्तु इन सभी घटनाक्रम में नर्मदापुरम में पत्रकारों की कालोनी ओर भवन की भी तेरहवी हो गई। समय बीतता गया लेकिन नर्मदापुरम के पत्रकारों के सर्वांगीण विकास के लिए, उनकी आवासीय समस्याओं के निराकरन के लिए सभी के हिलमिल कर रहने के प्रयास को नकारात्मक छवि के साथियों ने आज भी एकीकार नही होने दिया ओर अपनी कलुषित विचारधारा को गतिरोध देने कि बजाय आज भी उसी अंधेरे मार्ग पर चल रहे है। जो पत्रकार मित्र लोकतान्त्रिक व्यवस्था को कायम रखकर समाज को स्वस्थ दिशा देने का दायित्व का निर्वहन कर रहा है वह ही वास्तव में पत्रकारिता के धर्म का पालन करा रहा है ,शेष वे लोग जो कलेक्टर की मंशा के अनुरूप पत्रकारों के हितों के साथ खिलवाड़ करने हेतु निष्ठा निभाकर कुछेक की स्वार्थलिप्सा का उच्च प्रबंधन करने में अग्रणी है,उनकी भूमिका को कभी भी क्षमा नहीं किया सकता है, ओर वे सदैव निंदित रहेंगे।

आत्माराम यादव पीव
वरिष्ठ पत्रकार
नर्मदापुरम मध्यप्रदेश